



दांतों में झनझनाहट?

पायें ₹20* में सुरक्षा

नया पैक

₹20 ONLY



18g के लिए MRP ₹20*

दांतों की संवेदनशीलता के पीछे छिपी कारणों को जल्द पहचानें और सुरक्षा की जरूरत है। संवेदनशील दांतों के पीछे कई संभावनी कारण हो सकते हैं। जिस पर ध्यान देना बहुत जरूरी है। अगर ये कारण को नहीं ढूंढें और सुरक्षा की जरूरत है। तो अपने डॉक्टर से मिलें। *MRP में से कर वसूल करने पर। कि-पर कर वसूल नहीं किया। के अनुसार उपलब्ध करें। कि-की संख्या को केवल प्रचारक उद्देश्यों के लिए बना किया गया है। *मि. का. सि. वि. प्रचारक। पं. नं. 1/2026। PM-IN-SENSO-26-00008। © 2026 Haleon Group of Companies.



सुप्रीम कोर्ट की मंजूरी के बाद ही इसे लागू किया जाएगा

भौरी स्थित एजुकेशन हब को अपग्रेड कर देश की पहली एजुकेशन नॉलेज, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस सिटी के रूप में विकसित किया जाएगा, जहां ग्लोबल आईटी कंपनियां, डेटा सेंटर और रिसर्च हब बनेंगे

हरिभूमि न्यूज ►► भोपाल

लंबे इंतजार के बाद आखिरकार भोपाल को नया मास्टर प्लान मिल गया है। शहर में रियायशी इलाकों में कारोबार की सीलिंग कार्रवाई को लेकर चल रहे विवाद के बाद कारोबारियों को कुछ राहत मिली है। हालांकि, 12 मीटर से कम चौड़ी सड़कों पर अब भी शोरूम, होटल-कैफे, रेस्टोरेंट, नर्सिंग होम और कोचिंग संस्थान नहीं चल सकेंगे। जबकि 18 मीटर से अधिक चौड़ी सड़कों पर कलेक्टर गाइडलाइन रेट से प्रॉपर्टी की वैल्यू का 20 फीसदी जमा करने के बाद परमिशन मिल सकेगी। जिससे सीलिंग का विवाद कुछ हद तक कम होने की उम्मीद है। शनिवार को सरकार ने मास्टर प्लान-2047 का ड्राफ्ट जारी कर दिया है, हालांकि सुप्रीम कोर्ट ►► शेष पेज 4 पर

आखिरकार, भोपाल को 21 साल बाद मिला नया मास्टर प्लान, सीलिंग मुद्दे पर कारोबारियों को राहत

अब 18 मीटर से अधिक चौड़ी सड़कों पर खुल सकेंगे शोरूम, होटल-कैफे, नर्सिंग होम, कोचिंग

क्या खास है इस मास्टर प्लान में

1

45 लाख की आबादी को मिलेगा फायदा

2

16 से बढ़कर 27 फीसदी होगी ग्रीनरी

3

254 गांव शामिल

4

51 किमी का गोथ कोरिडोर बनेगा

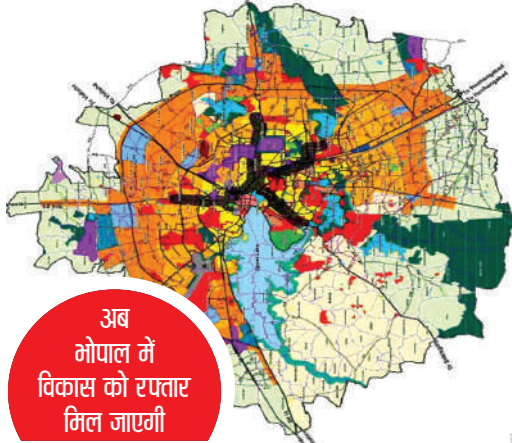
5

2005 के मास्टर प्लान से ढाई गुना बढ़ाया प्लानिंग एरिया

18 मीटर से अधिक चौड़ी सड़कों पर कलेक्टर गाइडलाइन रेट से प्रॉपर्टी की वैल्यू का 20 फीसदी जमा करने के बाद कारोबार की परमिशन मिल सकेगी

►► 12 मीटर से कम चौड़ी सड़क पर कारोबार नहीं

►► एक महीने में दे सकेंगे दावे और आपत्तियां



अब भोपाल में विकास को रफ्तार मिल जाएगी

30 मीटर से अधिक चौड़ी सड़क पर शॉपिंग कॉम्प्लेक्स चलेंगे

शहर की 12 मीटर से कम चौड़ी सड़कों पर कारोबार नहीं होगा, सिर्फ पेशेवर गतिविधियां हो सकेंगी, वह भी सिर्फ एक मंजिल पर। जिसमें बकील, सीए और अन्य दफ्तर शामिल हैं। 12 से 18 मीटर सड़क पर बैंक एटीएम, स्टेशनरी, मेडिकल चलाए जा सकेंगे। 18 से 24 मीटर सड़क पर नर्सिंग होम, रेस्टोरेंट, होटल-कैफे, कोचिंग संस्थान और शोरूम चलाए जा सकेंगे। इसके अलावा 30 मीटर से अधिक चौड़ी सड़क पर शॉपिंग कॉम्प्लेक्स चलेंगे। हालांकि, इस कैटेगरी में आने के लिए मकान मालिक को आवासीय और व्यावसायिक कलेक्टर गाइडलाइन के बीच की राशि का 20 प्रतिशत देना पड़ेगा ►► पढ़ें पेज 03 भी

असीमित एफएआर का बड़ा तोहफा

वर्ष 2005 के बाद आए नए मास्टर प्लान में भोपाल के निवेश क्षेत्र को 1016.90 वर्ग किलोमीटर तक बढ़ाया गया है, जिसमें 254 गांवों शामिल हैं। साथ ही 51 किलोमीटर लंबा ग्रोथ कोरिडोर और असीमित एफएआर का बड़ा तोहफा आम लोगों को मिला है। इधर शहर में कम हो रही हरियाली को बढ़ाने के लिए हरित क्षेत्र को 27.01 प्रतिशत करते हुए 11 प्रतिशत बढ़ाया गया है। निवेश को आकर्षित करने के लिए चौड़ी सड़कों पर एफएआर और इमारतों की ऊंचाई पर लगी पाबंदी हटा दी गई है। ग्राउंड कवरेज ►► शेष पेज 4 पर

सीएम डॉ. मोहन यादव ने कहा

हरित भोपाल, समृद्ध भोपाल और विकसित भोपाल है मास्टर प्लान ड्राफ्ट की 'कोर थीम'

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि इस विकास योजना में हरित टीडीआर का बेहतर प्रावधान किया गया है, इससे हरित क्षेत्र में आने वाली भूमि के स्वामियों की क्षतिपूर्ति के साथ विकासकर्ताओं को टीडीआर के जरिए अतिरिक्त विकास की सुविधा भी मिल सकेगी। कैपिटल सिटी की यह विकास योजना (मास्टर प्लान) भोपाल की प्राकृतिक धरोहर-भोजताल, वन क्षेत्रों एवं बाघ भ्रमण क्षेत्र के संरक्षण के साथ नागरिकों को बेहतर सुविधाएं, सुगम मोबिलिटी और आर्थिक विकास के अवसर उपलब्ध कराने की दृष्टि से तैयार की गई है। उन्होंने कहा कि समृद्ध, सुगम, सुरक्षित और विकसित भोपाल के संकल्प की दिशा में यह एक अत्यंत महत्वपूर्ण पहल है। इसकी कोर थीम हरित भोपाल, समृद्ध भोपाल और विकसित भोपाल रखी गई है। इस मास्टर प्लान के चार प्रमुख आधार स्तंभ रखे गए हैं। इसमें पहला, प्राकृतिक पारिस्थितिकीय तंत्र के संरक्षण को प्राथमिकता दी गई है। दूसरा, आधुनिक दृष्टिकोण एवं नागरिक हितैषी नियोजन पर बल दिया गया है। तीसरा, सुधारोन्मुख एवं परिवर्तनकारी नियोजन को भी केंद्रीय लक्ष्य (कोर टारगेट) में ►► शेष पेज 4 पर



इन बदलावों से आम लोगों को मिलेगा फायदा

►► सस्ते मकानों पर अतिरिक्त शुल्क नहीं देना पड़ेगा, जिससे अफोर्डेबल हाउसिंग और रेंटल हाउसिंग प्रोजेक्ट्स को अतिरिक्त एफएआर खरीदने की बाधता से छूट दी गई है।

►► ग्रीन और हेरिटेज टीडीआर को भी मंजूरी दी गई है। जिसमें जिन भूस्वामियों की जमीनों आमोद-प्रमोद, पार्क या बड़े तालाब के जलग्रहण क्षेत्र में आएंगी, उन्हें नुकसान से बचाने के लिए ग्रीन और हेरिटेज ट्रांसफरबल डेवलपमेंट राइट्स (टीडीआर) दिए जाएंगे।

►► डिजिटल टिवन सिटी के तहत विकास योजना के तहत ट्रैफिक जाम और अवैध निर्माणों पर पहली बार डिजिटल टिवन सिटी तकनीक से सैटेलाइट से रियल-टाइम निगरानी रखी जाएगी।



छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें

TATA PLAY **airtel**

चैनल नं. 1155 चैनल नं. 366

खबर संक्षेप

2027 में आखिरी वर्ल्ड कप खेलूंगा: विराट नई दिल्ली।

दुनिया में मशहूर बल्लेबाज विराट कोहली ने कहा कि 2027 का वर्ल्ड कप भारत के लिए उनका आखिरी वर्ल्ड कप होगा। उन्होंने कहा कि वे टूर्नामेंट जीतने के लिए अपना सबकुछ दांव पर लगाने को तैयार हैं। उन्होंने कहा कि मैं मैदान पर अपना 100% देना चाहता हूं।

ओल्ड एज होम में दिखे पूर्व क्रिकेटर कांबली

ठाणे। भारत के पूर्व क्रिकेटर विनोद कांबली अब ठाणे के एक ओल्ड-एज होम में दिखे हैं। कांबली का वहां से एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसमें वे बुजुर्गों की देखभाल करने वाले इस सेंटर की सुविधाओं और साफ-सफाई की तारीफ करते हुए बोलने में संघर्ष करते दिख रहे हैं।

►► एशियन गेम्स में महिला और पुरुष टीमें चैंपियन

►► तज्जिंदरपाल को शॉटपुट में सिल्वर

►► मैराथन और शूटिंग में भी सिल्वर

फिर भी पाला छू लिया...

भारत को एक दिन में कबड्डी के दो गोल्ड डबल गोल्ड का 'दांव'

एजेंसी ►► नागोया (जापान)

भारत ने शनिवार को एशियन गेम्स में कबड्डी के दोनों गोल्ड जीत लिए। महिला टीम ने ईरान को 37-34 और पुरुष टीम ने भी ईरान को 40-34 से हराकर खिताब अपने नाम किया। पुरुष टीम ने लगातार 10वीं बार और महिला टीम ने लगातार 5वें एशियाड में मेडल जीता। एथलेटिक्स में तज्जिंदरपाल सिंह तूर ने शॉटपुट में 20.64 मीटर के थ्रो के साथ सिल्वर जीता। प्राची चौधरी ने 400 मीटर में 53.21 सेकंड के समय के साथ ब्रॉन्ज अपने नाम किया। भारत को मैराथन और शूटिंग में भी सिल्वर मिले।

स्क्वाॅश में अनाहत सिंह और अभय सिंह फाइनल में पहुंचे। पुरुष हॉकी टीम ने सेमीफाइनल में जगह बनाई। कबड्डी के फाइनल में भारत के खिलाफ ईरान ने हाफ तक 18-17 की बढ़त बना ली थी। दूसरे हाफ में ईरान ने वापसी करते हुए अंतर एक अंक तक ला दिया था। इसके बाद संजू देवी ने अहम रेड से भारतीयों को फिटर मजबूत किया। चार मिनट बाकी रहते भारत 34-28 से आगे था। आखिरी मिनट में ईरान को अंक की जरूरत थी, लेकिन भारतीय डिफेंस ने शानदार टैकल किया।

महिला टीम ने भी 37-34 से जीता फाइनल

पुरुषों से पहले भारतीय महिला टीम ने ईरान को 37-34 से हराकर गोल्ड जीता। हाफटाइम तक भारत 22-16 से आगे था। दूसरे हाफ में ईरान ने वापसी करते हुए अंतर एक अंक तक ला दिया था। इसके बाद संजू देवी ने अहम रेड से भारतीयों को फिटर मजबूत किया। चार मिनट बाकी रहते भारत 34-28 से आगे था। आखिरी मिनट में ईरान को अंक की जरूरत थी, लेकिन भारतीय डिफेंस ने शानदार टैकल किया।

प्रेमानंदजी का शिष्य चौथी मंजिल से कूदा 2 साल पहले दीक्षा ली थी, मां शव देखकर रोई, बोलीं-ये मर्डर

प्राइवेट पार्ट कटा मिला शव का, जबलपुर के रहने वाले थे

हरिभूमि न्यूज ►► मथुरा

वृंदावन में संत प्रेमनंद महाराज के 25 साल के शिष्य ने चौथी मंजिल से कूदकर जान दे दी। उनके प्राइवेट पार्ट से खून बह रहा था। कमरे में एक ग्राइंडर मिला है, जिस पर खून लगा था। आशंका है कि शिष्य ने ग्राइंडर से प्राइवेट पार्ट को नुकसान पहुंचाया था। शिष्य का नाम रसिक दुलारी शरण उर्फ दीपक लोधी था। सीओ संदीप सिंह ने कहा- जांच में फुटेज मिला है, इसमें रसिक दुलारी शरण बिल्डिंग से कूदते नजर आ रहे हैं। सुसाइड क्यों किया। इसकी जांच की जा रही है। घटना वाराह घाट ►► शेष पेज 4 पर

टोलकर्म का वीडियो हुआ वायरल गडकरी बोले- टोल बंद करो शहपुरा में फिर भी हुई वसूली

बोला- लैटर मिलने तक टैक्स लेंगे, मंत्री का आदेश दिखाओ

हरिभूमि न्यूज ►► जबलपुर

जबलपुर-भोपाल मार्ग के शहपुरा टोल प्लाजा पर केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी के टोल बंद करने के निर्देश के बावजूद शनिवार को वाहन चालकों से शुल्क वसूला गया। इसका वीडियो सामने आया है। इसमें टोलकर्मों कहता नजर आ रहा है कि जब तक उसे लिखित आदेश नहीं मिलता, तब तक किसी वाहन को टोल से छूट नहीं दी जाएगी और शुल्क लिया जाएगा। मध्यप्रदेश के लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह ने शुक्रवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट कर केंद्रीय ►► शेष पेज 4 पर

भोपाल में डीआरआई ने की दो बड़ी कार्रवाई

2 रेलवे स्टेशनों से 3.50 करोड़ की 4.38 किलो एम्फेटामिन ड्रग जब्त की, नाइजीरियाई महिला समेत 2 लोग गिरफ्तार

इग नेटवर्क के खिलाफ लगातार हो रही कार्रवाई



दो दिन की स्टेशन पर निगरानी

सूचना के आधार पर टीम ने 23 सितंबर को भोपाल रेलवे स्टेशन पर निगरानी शुरू की। ट्रेन के स्टेशन पहुंचते ही सख्तीय जांच की रोककर उसके सामान की तलाशी ली गई। उसके नीले रंग के डफल बैग से तीन ►► शेष पेज 4 पर

अनिद्रा के लिए है एम्फेटामिन

एम्फेटामिन एक सिंथेटिक उत्तेजक पदार्थ है, जो दिमाग और तंत्रिका तंत्र की गतिविधि बढ़ाता है। इससे कुछ समय के लिए व्यक्ति अधिक सक्रिय, जागरूक और ऊर्जावान महसूस कर सकता है। चिकित्सकीय उपयोग में इसके कुछ रूपों का इस्तेमाल डॉक्टर की निगरानी में अत्यधिक नींद जैसी बीमारियों के इलाज में किया जाता है। हालांकि, बिना चिकित्सकीय सलाह इसका सेवन नशे के रूप में भी होता है और यह स्वास्थ्य के लिए गंभीर नुकसानदायक हो सकता है। इसके तस्करी मुख्य रूप से नशे के लिए बढ़ती मांग और अवैध बाजार में मिलने वाले गुणों के कारण की जाती है। यही कारण है कि इसका बाजार बढ़ने की खबर आती है।

तिलक लगाकर, पुष्प गुच्छ भेंटकर किया स्वागत अभिनंदन

हरिभूमि न्यूज़ ►►भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शनिवार को पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण तथा विमुक्त, घुमनु और अर्द्धघुमनु कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कृष्णा गौर के शासकीय निवास पहुंचकर उन्हें जन्मदिन की बधाई और शुभकामनाएं दीं। राज्यमंत्री गौर ने भी मुख्यमंत्री डॉ. यादव को तिलक लगाकर एवं पुष्पगुच्छ भेंटकर उनका स्वागत अभिनंदन किया।



सीएम राज्यमंत्री कृष्णा गौर को जन्मदिन की शुभकामनाएं देते हुए।

मुख्यमंत्री ने बदनावर व मंडला जिले में हुई दुर्घटना पर दुःख व्यक्त किया

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने धार जिले के बदनावर में गणेश प्रतिमा विसर्जन के दौरान डेलची रोड स्थित नदी के पास तीन बच्चों की डूबने तथा मंडला जिले के हीरापुर गांव में गणेश



पंडाल में हुए हादसे में चार युवकों के असामयिक निधन पर गहन दुःख व्यक्त किया है। मुख्यमंत्री ने मृतकों के परिजनों को 4-4 लाख रुपए आर्थिक सहायता देने के लिए निर्देश

दिए। मृतकों के परिजनों को 4-4 लाख रुपए आर्थिक सहायता देने के लिए निर्देश

रुपए की आर्थिक सहायता देने के लिए निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि दुर्घटना अत्यंत दुःखद और हृदयविदारक है। मेरी संवेदनाएं सभी शोकाकुल परिजनों के साथ हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रत्येक मृतक बच्चे के परिजनों को 4-4 लाख रुपए की आर्थिक सहायता देने के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री ने बाबा महाकाल से दिवंगतों को अपने श्री चरणों में स्थान देने और शोकाकुल परिजनों को इस अपार दुःख को सहन करने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सभी दिवंगतों को श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि दुःख की इस घड़ी में सरकार शोकाकुल परिजनों के साथ है। उन्होंने सभी मृतकों के निकटतम परिजनों को 4-4 लाख रुपए की आर्थिक सहायता प्रदान करने के निर्देश जिला प्रशासन को दिए हैं। मुख्यमंत्री ने इस दुःखद घटना में घायल हुए युवकों के शीतल स्पर्श होने की कामना भी की।

मुख्यमंत्री ने राज्यमंत्री कृष्णा गौर को उनके बंगले पहुंचकर दीं जन्मदिन की शुभकामनाएं

पौधरोपण, स्वच्छता का संकल्प लेकर मंत्री कृष्णा गौर के जन्मदिवस पर दीं शुभकामनाएं



हरा परिसर, स्वच्छ परिसर अभियान के तहत कॉलेज के विद्यावन प्रांगण में विरोध स्वच्छता अभियान चलाया

सेवा संकल्प अभियान के तहत बाबूलाल गौर शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, भेल के विद्यावन में शनिवार को पौधरोपण किया गया। कार्यक्रम में टीआर मिश्रा, वरिष्ठ भाजपा नेता एवं गोविंदपुरा विधानसभा संयोजक तथा बालेलाल अहिरवार, सदस्य, राज्य अनुसूचित जाति आयोग, मध्यप्रदेश विशेष अतिथि के रूप से उपस्थित रहे। प्राचार्य डॉ. संजय जैन एवं अतिथियों ने मंत्री कृष्णा गौर को



जन्मदिन की शुभकामनाएं देते हुए राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयं सेवकों के सहयोग से पौधरोपण किया।

भाजपा राष्ट्रीय सह संगठन महामंत्री, प्रदेश अध्यक्ष ने प्रदेश टोली सहित विभिन्न टोलियों की बैठक की

आंगनबाड़ी केंद्र अंत्योदय की भावना को घर-घर पहुंचाने का सबसे सशक्त माध्यम: शिवप्रकाश

हरिभूमि न्यूज़ ►►भोपाल

भाजपा राष्ट्रीय सह संगठन महामंत्री शिवप्रकाश एवं प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खण्डेलवाल ने शनिवार को भाजपा प्रदेश कार्यालय में 'सेवा संकल्प अभियान' को लेकर प्रदेश टोली सहित विभिन्न टोलियों की बैठक एवं महिला कार्यकर्ताओं की बैठक को संबोधित किया। भाजपा के राष्ट्रीय सह संगठन महामंत्री शिवप्रकाश ने कहा कि आंगनबाड़ी केंद्र केवल पोषण केंद्र नहीं, बल्कि अंत्योदय की भावना को घर-घर पहुंचाने का सबसे सशक्त माध्यम है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सेवा, समर्पण के 25 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में सेवा संकल्प अभियान के तहत आयोजित 'आंगन मिलन सेवा' अभियान ने कहा कि आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं का सम्मान व बाल कल्याण योजनाओं का व्यापक प्रचार-प्रसार हो रहा है।



सेवा संकल्प अभियान के तहत संगठन कर रहा बेहतर कार्य

'सेवा संकल्प अभियान' के तहत मध्यप्रदेश का संगठन बेहतर कार्य कर रहा है। आंगनबाड़ी कार्यकर्ता महिलाओं-बच्चों के स्वास्थ्य, पोषण की देखभाल में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है, इसलिए उनके कार्यों को सम्मान देना और उनके माध्यम से जरूरतमंद परिवारों तक

पहुंच बनाना आवश्यक है। इस कार्य में सभी कार्यकर्ताओं की सहभागिता होनी चाहिए। सह संगठन महामंत्री शिवप्रकाश ने महिला मोर्चा की कार्यकर्ता बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि संगठन के लक्षित और जरूरतमंद वर्ग तक पहुंचना पंडित दीनदयाल उपाध्याय के

अंत्योदय के विचार का महत्वपूर्ण हिस्सा है। पार्टी कार्यकर्ता आंगनबाड़ी के माध्यम से ऐसे परिवारों तक सीधे पहुंच बनाकर सरकार की योजनाओं और सेवा कार्यों की जानकारी भी घर-घर तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

कार्यकर्ताओं की मेहनत से 'सेवा संकल्प अभियान' सफल हो रहा: हेमंत

खण्डेलवाल ने बैठकों को संबोधित करते हुए कहा कि सेवा संकल्प अभियान के प्रदेशभर में अभी तक आयोजित कार्यक्रमों की सफलता का श्रेय भाजपा संगठन के प्रत्येक कार्यकर्ता को जाता है। भाजपा कार्यकर्ता आधारित संगठन और भाजपा में सभी कार्य सामूहिक जिम्मेदारी के साथ किए जाते हैं। सेवा संकल्प अभियान की प्रदेश टोली, जिला टोली से लेकर बुध स्तर की टोली से जुड़े कार्यकर्ताओं के साथ सभी कार्यकर्ताओं की मेहनत से पूरे प्रदेश में सेवा संकल्प अभियान सफल हो रहा है। बुध स्तर का कार्यक्रम जिस सक्रियता और समर्पण के साथ संगठन के कार्यक्रमों को सफल बनाने में जुटा है, वह सराहनीय है।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष आज मैहर, सतना एवं रीवा प्रवास पर

विभिन्न सेवा कार्यों एवं बैठकों में होंगे शामिल

प्रबुद्धजनों एवं व्यापारियों के साथ करेंगे संवाद

रामसखेन्द्र गोशाला परिसर में स्वच्छता कार्यक्रम एवं गो सेवा में शामिल होंगे

भोपाल। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खण्डेलवाल 27 सितंबर को मैहर, सतना एवं रीवा जिले के प्रवास पर रहेंगे। इस दौरान वे विभिन्न सेवा कार्यों में सहभागिता करने के साथ संगठनात्मक बैठकों को संबोधित करेंगे तथा प्रबुद्धजनों एवं व्यापारियों से संवाद करेंगे। खण्डेलवाल 27 सितंबर को

सुबह 7 बजे मैहर के बड़ा अखाड़ा स्थित रामसखेन्द्र गोशाला परिसर में स्वच्छता कार्यक्रम एवं गो सेवा में शामिल होंगे। सुबह 7.45 बजे संत शिरोमणि रविदास आश्रम में पौधरोपण करेंगे। सुबह 9 बजे मां शारदा माता मंदिर में दर्शन-पूजन करेंगे। सुबह 10.50 बजे होटल वृंदा, मंडल बेरमा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी

के 'मन की बात' कार्यक्रम को सुनेंगे। इसके बाद अन्य कार्यक्रमों में शामिल होंगे। दोपहर 3.30 बजे सतना जिला भाजपा कार्यालय में जिला कोर समिति की बैठक को संबोधित सहित अन्य कार्यक्रमों में शामिल होंगे। खण्डेलवाल सुबह 5:15 बजे रीवा रोड सतना के श्री शाइन गार्डन में पौधरोपण कर सुबह 5:30

बजे 'नमो सेवा गाथा' का नाट्य मंचन कार्यक्रम में सहभागिता सहित अन्य कार्यक्रम के बाद शाम 7.30 बजे सतना के रामपुर बघेलान के विधायक विक्रम सिंह के निवास पहुंचेंगे। रात्रि 8:30 बजे रीवा के जय स्तम्भ चौक से शिल्पी प्लाजा तक आयोजित रोड शो में शामिल होंगे।

लोसपा ने प्रदेश के हर जिले में उम्मीदवार खड़ा करने के लिए कमर कसी

हरिभूमि न्यूज़ ►►भोपाल

लोसपा ने इस बात के लिए कमर कस ली है कि पार्टी आगामी चुनावों को ध्यान में रखते हुए अधिक से अधिक नौजवानों को अपने साथ जोड़ेगी और मप्र के हर जिले में कम से कम एक प्रत्याशी चुनाव मैदान में

उतारेगी। पार्टी के संस्थापक रघु ठाकुर की अध्यक्षता में हुई राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में पार्टी के नेतागण एडवोकेट शम्भूदयाल बघेल, मुकेश चंद्रा, रथामसुंदर यादव, मदन जैन, अरुण प्रताप सिंह, प्रताप मलिक, विंदेशी पटेल आदि उपस्थित रहे।

महिलाओं का सम्मान करना ही हमारा संस्कार हैं: सबनानी



सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत दक्षिण पश्चिम विधानसभा क्षेत्र में आंगन मिलन सेवा कार्यक्रम आयोजित

हरिभूमि न्यूज़ ►►भोपाल

शनिवार को सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत दक्षिण पश्चिम विधानसभा क्षेत्र का आंगन मिलन सेवा कार्यक्रम हिंदी भवन में भाजपा महिला मोर्चा द्वारा आयोजित किया गया। कार्यक्रम में विधायक भगवानदास सबनानी महापौर मालती राय जिलाध्यक्ष रविंद्र यती महिला मोर्चे की अध्यक्ष प्रियंका मिश्रा डॉ. प्रिया भावे चित्तावर विशेष रूप से



आंगन मिलन सेवा कार्यक्रम का आयोजन।

उपस्थित रहे। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा शहर की प्रत्येक आंगनबाड़ी में 26 सितंबर से 5 अक्टूबर तक आंगन मिलन सेवा का कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के सेवा, सुशासन और

समर्पण के 25 वर्ष पूर्ण होने पर कार्यक्रम में 25 वर्ष सेवा देने वाली आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं और सहायिकाओं में से 40 कार्यकर्ताओं को उत्कृष्ट सेवा एससी एसटी एक्ट में संशोधन करने आदि मांगों को लेकर शनिवार को सवर्ण अधिकारी कर्मचारी महासभा के नेतृत्व में उग्र प्रदर्शन किया गया। इस अवसर पर निकाली गई आक्रोश रैली निकाली गई। प्लेटिनम प्लाजा से न्यू मार्केट होती

यूजीसी रोलबैक आंदोलन में साथ आया सवर्ण कर्मचारी संघ

हरिभूमि न्यूज़ ►►भोपाल

यूजीसी काला कानून रोलबैक करने एवं आर्थिक आधार पर आरक्षण लागू करने सवर्णों के अधिकार हनन पर रोक लगाने एससी एसटी एक्ट में संशोधन करने आदि मांगों को लेकर शनिवार को सवर्ण अधिकारी कर्मचारी महासभा के नेतृत्व में उग्र प्रदर्शन किया गया। इस अवसर पर निकाली गई आक्रोश रैली निकाली गई। प्लेटिनम प्लाजा से न्यू मार्केट होती



यूजीसी रोलबैक आंदोलन में प्रदर्शन करता सवर्ण समाज।

हुई रैली रोशनपुरा चौराहे तक निकाली गई। मप्र श्रवण अधिकारी

कर्मचारी महासभा के प्रदेशाध्यक्ष अशोक पांडे ने बताया कि सरकार

ने जातिगत आधार पर आरक्षण लागू करके सवर्णों को दोषम दर्जे का नागरिक बना दिया है। अब उससे भी आगे बढ़ाकर सरकार ने यूजीसी काला कानून लाकर सवर्णों के बच्चों का भविष्य भी अंधकार में धकेल दिया है। एससी एसटी एक्ट का दुरुपयोग किया जा रहा है। महासभा यूजीसी काला कानून वापस नहीं लिया और आर्थिक आधार पर आरक्षण लागू नहीं किया गया तो संसद के सामने मशाल जलाकर प्रदर्शन कर प्रधानमंत्री को ज्ञापन सौंपेगा।

75 नगरों की जलप्रदाय व सीवरेज परियोजनाओं की समीक्षा बैठक

परियोजनाओं को समय-सीमा में पूर्ण करने पर दिया जोर

हरिभूमि न्यूज़ ►►भोपाल

नगरीय विकास एवं आवास विभाग के उपक्रम मप्र अर्बन डेवलपमेंट कंपनी की 75 नगरों की जलप्रदाय व सीवरेज परियोजनाओं की समीक्षा बैठक सुंदरलाल पटवा नगर प्रबंधन संस्थान, भौरी में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता अपर प्रबंध संचालक मिश्रा सिंह ने की। उन्होंने जिला प्रशासन एवं संबंधित अन्य एजेंसियों के साथ समन्वय स्थापित कर परियोजनाओं को समय-सीमा में पूर्ण करने पर जोर दिया। सिंह ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि परियोजनाओं के विभिन्न चरणों को पूर्ण करने के लिए स्पष्ट समय-सारणी निर्धारित कर उसके



जलप्रदाय व सीवरेज परियोजनाओं की समीक्षा बैठक सुंदरलाल पटवा नगर प्रबंधन संस्थान भौरी में आयोजित की गई।

अनुसार कार्य सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि देयकों का भुगतान लंबित नहीं रहना चाहिए। परियोजनाओं

की सूक्ष्म स्तर पर नियमित मॉनिटरिंग की जाए। उन्होंने जलप्रदाय परियोजनाओं में केवल

जलप्रदाय व्यवस्था ही नहीं, बल्कि अन्य शेष कार्यों की फिनिशिंग पर भी विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए।

इनमें वॉटर मीटर सहित अन्य आवश्यक घटकों की स्थापना को प्राथमिकता से पूर्ण करने को कहा। बैठक में प्रमुख अभियंता आनंद सिंह ने परियोजनाओं की भौतिक एवं वित्तीय प्रगति की विस्तृत जानकारी प्रेजेंटेशन के माध्यम से प्रस्तुत की। वहीं विशेषज्ञ उदय रोमन ने अमृत यूनियवर्स पोटल पर जलप्रदाय परियोजनाओं की जानकारी अपडेट करने संबंधी प्रशिक्षण दिया। बैठक में मप्र अर्बन डेवलपमेंट कंपनी की विभिन्न इकाइयों के परियोजना प्रबंधक, सहायक परियोजना प्रबंधक, सलाहकार, विशेषज्ञ एवं संविदाकारों के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

जहरीली कफ सिरप कांड पर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने सरकार से पूछा- मासूमों की मौत का जिम्मेदार कौन?

जांच के बीच अधिकारी की बहाली ने खड़े किए कई गंभीर सवाल: पटवारी

हरिभूमि न्यूज़ ►►भोपाल

मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जीतू पटवारी ने छिंदवाड़ा के जहरीले कफ सिरप कांड और प्रदेश में सामने आए नशीली कफ सिरप के नेटवर्क को लेकर मध्य प्रदेश सरकार पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। पटवारी ने कहा कि यह सिर्फ कफ सिरप कांड नहीं है, यह मध्य प्रदेश की स्वास्थ्य व्यवस्था, औषधि प्रशासन और सरकारी निगरानी तंत्र की विफलता का आईना है। सबसे

दर्दनाक बात यह है कि इस पूरे मामले में मासूम बच्चों की जान चली गई, लेकिन आज भी सबसे बड़ा सवाल यही है कि आखिर इस त्रासदी के लिए जिम्मेदार कौन है? उन्होंने कहा कि रिपोर्ट के अनुसार छिंदवाड़ा के पारसिया क्षेत्र में 24 से 25 मासूम बच्चों की असांमयिक मृत्यु हुई। इनमें बड़ी संख्या पांच वर्ष से कम उम्र के बच्चों की थी। इन बच्चों को सर्दी-खांसी के इलाज के लिए कॉल्ड-फ्लू कफ सिरप दिया गया था और बाद में गंभीर किडनी क्षति तथा बहु-अंग विफलता जैसी स्थितियां सामने आईं। सरकार बताए-इन परिवारों को न्याय कब मिलेगा।

नियामक तंत्र से भी गंभीर सवाल

उन्होंने कहा कि यदि किसी दवा में इतना गंभीर स्तर का विषाक्त पदार्थ मौजूद था, तो सबसे बड़ा सवाल केवल निर्माता से नहीं, बल्कि उस दवा को बाजार तक पहुंचने से रोकने वाले नियामक तंत्र से भी है। रिपोर्ट के अनुसार पारसिया क्षेत्र में यह सिरप महीनों तक बिक्री में रहा, लेकिन संबंधित क्षेत्रीय औषधि निरीक्षक द्वारा इसका वैधानिक नमूना परीक्षण के लिए राज्य प्रयोगशाला नहीं भेजा गया। जब दवा बाजार में बिक रही थी, तब सरकारी निगरानी कहाँ थी?

नई सड़कों के निर्माण से वाहन चालकों को होगा फायदा, शहर के बाहरी क्षेत्रों में बढेगी बहुमंजिला इमारत, पुराने शहर का होगा संरक्षण

मोपाल मास्टर प्लान-2047

सात हजार हेक्टेयर जमीन का होगा सार्वजनिक उपयोग

59 हजार करोड़ में जमीन पर उतरेगा नया मास्टर प्लान, बनेगी 791 किमी सड़कें

हरिभूमि न्यूज़ ►► मोपाल

दो दशक के बाद शहर का मास्टर प्लान लागू होने जा रहा है। जिसका मसौदा भी जारी कर दिया गया है। अब इस प्लान को जमीन पर उतारने के लिए करीब 59 हजार करोड़ रुपए की जरूरत पड़ेगी, जिसमें शहर की चारों दिशाओं में नई सड़कें और सार्वजनिक उपयोग के निर्माण किए जाएंगे।

शहर के बाहरी क्षेत्रों में बहुमंजिला इमारतों को हरि इंडी मिलने से शहर में 2047 तक सस्ते आवास की समस्या भी कम होगी। शहर में 18 से लेकर 60 मीटर चौड़ी सड़कों का निर्माण किया जाएगा। जिसके तहत 791 किलोमीटर नई सड़कों का जाल बिछाने का प्रस्ताव तैयार किया गया है। शहर में 45 मीटर चौड़ी करीब 7 नई सड़कें बनाई जाएंगी, जिसमें नर्मदापुरम रोड, रायसेन रोड, बैरसिया रोड, विदिशा रोड, बिलकिसगंज रोड, कोलार रोड, चिकलेद रोड का निर्माण किया जाएगा। तीस मीटर से अधिक चौड़ी सड़कों की संख्या करीब 49 रखी गई है।

मास्टर प्लान से अब और सुव्यवस्थित होगी राजधानी।

शहर में एक और आउटर रिंग का होगा निर्माण

शहर में मोपाल बायपास के अलावा अब एक और आउटर रिंग रोड बनाया जाएगा। यह 83.18 किलोमीटर लंबा होगा। यह सड़क फंबा, खजूरी के बीच से शुरू होकर परचलिया, इंटखेडी, सुखी सेवानिया, बांसिया, बगरोबा इंडस्ट्रियल एरिया से होते हुए समरधा, कोलार और झामरिया तक जाएगी।

कॉलोनिजों में खुले क्षेत्र का दायरा भी बड़ेगा

भानपुर खंती के पुनर्विकास की योजना में गोल्फ कोर्स प्रस्तावित किया है। कॉलोनी स्तर पर खुले क्षेत्र का प्रावधान 10 प्रतिशत से बढ़ाकर 12 प्रतिशत किया गया है। इसके साथ 2 प्रतिशत सर्विस एरिया भी अनिवार्य होगा। इससे कॉलोनिजों में हरियाली और खुले स्थान का दायरा बढ़ेगा।

पार्किंग से निपटने बनेंगी मल्टीलेवल पार्किंग

भोपाल में बढ़ते वाहनों के साथ पार्किंग भी चुनौती को देखते हुए मल्टीलेवल और मेकेनाइज्ड पार्किंग को बढ़ावा दिया जाएगा। सामुदायिक खुले क्षेत्रों के नौचे, आर ओबी और प्लाईआउट के नीचे भी पार्किंग बनाने का प्रस्ताव है। इसके अलावा बेसमेंट पार्किंग के लिए जमीन के उपयोग की अनुमति देने की बात कही गई है।

राजधानी में 18 से लेकर 60 मीटर चौड़ी सड़कों का निर्माण होगा और 45 मीटर चौड़ी करीब 7 नई सड़कें बनेंगी। वहीं, कॉलोनी स्तर पर खुले क्षेत्र का प्रावधान 10 प्रतिशत से बढ़ाकर 12 प्रतिशत किया गया है।

21 साल में बने पांच ड्राफ्ट

वर्ष 1995 में बने मास्टर प्लान की अवधि वर्ष 2005 में समाप्त हुई थी। इसके बाद अब तक मास्टर प्लान के करीब पांच ड्राफ्ट बनाए जा चुके हैं। इनमें से दो ड्राफ्ट जारी नहीं हुए। अगस्त 2005 में पहला ड्राफ्ट, वर्ष 2009 में दूसरा, 2015 में तीसरा ड्राफ्ट तैयार हुआ। मार्च 2020 में चौथे ड्राफ्ट तैयार हुआ, जिसे 2023 में जारी किया गया। जिसके बाद मास्टर प्लान का पांचवा ड्राफ्ट 26 सितंबर को जारी किया गया है।

कोलार को जोड़ने के बाद शहर में हुए आठ उपनगर

2005 के मास्टर प्लान में भोपाल सात उपनगर में विभाजित था। यह उपनगर बैरागढ़, पुराना भोपाल, टीटी नगर, भेल, भेल एक्सटेंशन, मिसरोद और नेवरी थे। 2047 में मिसरोद उपनगर को बांटा गया है। कोलार को उपनगर के रूप में जोड़ा गया है। कुछ आठ उपनगर प्रस्तावित किए गए हैं।

व्यापारी सीएम से मिले, उठाई कई मांगें

नया मास्टर प्लान भोपाल के सुनियोजित विकास की दिशा में है महत्वपूर्ण कदम

संतनगर। करीब दो दशक से लंबित भोपाल विकास योजना-2047 का ड्राफ्ट जारी होने के बाद व्यापारियों ने उम्मीद जगी है। विभिन्न व्यापारिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से मुख्यमंत्री निवास पर मुलाकात कर मास्टर प्लान का ड्राफ्ट जारी करने के लिए आभार व्यक्त किया। प्रतिनिधिमंडल में वैबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज, सेंट हिरदाराम नगर व्यापारी संघ, सरका व्यापारी संघ और कोलार रोड व्यापारी संघ सहित अन्य संगठनों के प्रतिनिधि शामिल रहे। इस अवसर पर सहित यति सहित अन्य जनप्रतिनिधि भी मौजूद थे।

सीएम डॉ. यादव से मुलाकात करते व्यापारी संगठन।

नए मास्टर प्लान से भोपाल के विकास को मिलेगी नई दिशा: गोयल

गोविंद गोयल ने कहा कि नया मास्टर प्लान भोपाल के सुनियोजित विकास की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। इससे शहर की अधीसंरचना, यातायात, व्यावसायिक क्षेत्रों तथा नागरिक सुविधाओं के विकास को नई गति मिलने के साथ ही व्यापार एवं उद्योग जगत के लिए भी नए अवसर सृजित होंगे। वैबर ने विश्वास व्यक्त किया कि मास्टर प्लान के प्रभावी क्रियान्वयन से भोपाल एक आधुनिक, सुव्यवस्थित एवं व्यापार-अनुकूल शहर के रूप में और अधिक विकसित होगा। भोपाल वैबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज ने इस महत्वपूर्ण पहल के लिए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव एवं शासन का आभार व्यक्त किया।

भोपाल विकास योजना-2047 का प्रारूप जारी किए जाने पर भोपाल केडाई ने हर्ष व्यक्त किया है। केडाई प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री निवास पर सीएम डॉ. मोहन यादव से मिलकर धन्यवाद ज्ञापित किया। केडाई ने भोपाल मास्टर प्लान के लिए रिजर्व बेस्ड पॉलिसी पोप मुख्यमंत्री को सौंपा है। प्रतिनिधिमंडल में भोपाल केडाई अध्यक्ष मनोज मीक, सेज ग्रुप के चेयरमैन डॉ. रंजीव अग्रवाल सहित अन्य पदाधिकारी शामिल रहे। केडाई प्रतिनिधियों ने मुख्यमंत्री से मेट कर लंबे समय से प्रतीक्षित इस मास्टर प्लान ड्राफ्ट के प्रकाशन पर आभार जताया। पदाधिकारियों ने कहा कि यह योजना शहर के विकास की दिशा तय करने के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण, रोजगार सृजन, यातायात व्यवस्था और नागरिक सुविधाओं जैसे अहम पहलुओं को भी बेहतर ढंग से संबोधित करती है। योजना के क्रियान्वयन में शहर को सही दिशा में आगे बढ़ाने के लिए केडाई पूर्ण सहयोग देगा। उन्होंने विश्वास जताया कि यह नई योजना भोपाल के विकास और वृद्धि को नई गति देगी, जिससे रियल एस्टेट और निर्माण क्षेत्र को भी बड़ा बढ़ावा मिलेगा।

अवधपुरी में बदमाश हुए बेखौफ, रात में ताला काटकर की गई चोरी लूटपाट की नीयत से जिस घर में बुजुर्ग को मारा था हथौड़ा... उसी मकान में रात में हो गई चोरी

बुजुर्ग के साथ अस्पताल में था माँ और बेटा, शनिवार शाम घर लौटे तो हो चुकी थी चोरी, पुलिस ने अज्ञात बदमाशों पर दर्ज किया मामला

थाने के सामने घेराव के बाद भी हो गई चोरी

इलाके में लगातार बढ़ती चोरी और नकबजनी की वारदात को लेकर न्यू श्रीराम परिसर के रहवासियों ने अवधपुरी थाने का घेराव किया था। इस दौरान पुलिस ने इलाके में गश्त बढ़ाने और चोरी और नकबजनी की वारदात पर पूरी तरह से लगाने की बात कही थी। इसके बावजूद पीड़ित के सून मकान में बदमाशों ने धावा बोलकर वारदात कर दी। कॉलोनीवासियों का कहना है कि अवधपुरी पुलिस पूरी तरह निष्क्रिय है। रात में गश्त भी केवल नाम के लिए करती है। कमी कमान पुलिस की गाड़ी आती है और घूमकर चली जाती है। लिहाजा आए दिन घरों से चोरी और नकबजनी की वारदात हो रही है।

अवधपुरी थाना क्षेत्र स्थित न्यू श्रीराम परिसर में फेस थ्री में शुरुवार सुबह लूटपाट की नीयत से घर में घुसे तीन बदमाशों ने बुजुर्ग पर हथौड़े से जानलेवा हमला कर दिया था उसी घर में रात में बदमाशों ने चोरी की वारदात को अंजाम दिया। दरअसल, डायाल बुजुर्ग का एम्स में इलाज चल रहा था। उनकी पत्नी और बेटा उनके साथ अस्पताल में थे। घर सूना था और बदमाशों ने ताले काटकर चोरी की वारदात को अंजाम दे दिया। परिवार को चोरी की जानकारी उस समय लगी जब वह एम्स से इलाज कराने के बाद शनिवार शाम घर लौटे थे। सूचना मिलते ही पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और अज्ञात आरोपियों पर प्रकरण दर्ज कर लिया। जानकारी के अनुसार मोहन चौधरी (71) मकान नंबर 63 न्यू श्रीराम परिसर, फेस थ्री में रहते हैं और पन्ना के डायमंड मार्यनिंग प्रोजेक्ट से वर्ष 2016 में रिटायर्ड हो चुके हैं। परिवार में उनकी बुजुर्ग पत्नी और बेटा आनंद रहता है। आनंद मैनिट से पीएचडी कर रहा है और सुबह मैनिट गया था। घर में मोहन चौधरी और उनकी पत्नी सहित 23 साल की महिला केयर टेकर थी। मोहन चौधरी की पत्नी का कुल्हे का ऑपरेशन हुआ है। केयर टेकर नीचे वाले बाथरूम में मोहन दवाजा खोलकर नहा रहे थे। सुबह करीब 11 बजे की घटना है। तीन युवक सीधे फर्स्ट फ्लोर पर बाथरूम में पहुंचे और मोहन चौधरी की रस्सी से बांधने का प्रयास किया। मोहन चौधरी ने उनका विरोध किया और शोर मचाया। इस पर एक आरोपी ने उनके सिर पर हथौड़ी से हमला कर दिया। हमला होने से वह बाथरूम में बेसुध होकर गिर गए। परिजन उन्हें एम्स लेकर पहुंचे थे, वहां उनका इलाज चल रहा था।

हरिभूमि न्यूज़ ►► मोपाल

बुरहानपुर का 23 साल का युवक निकला आरोपी

डायल 112 के वाट्सएप नंबर पर मुख्यमंत्री को जान से मारने की धमकी, आरोपी गिरफ्तार

यूपी के सीएम को भी दे चुका था धमकी

आरोपी को भोपाल लाया गया, जहां शनिवार को पुलिस ने पूछताछ के लिए अदालत से दो दिन की रिमांड ली है। प्रारंभिक जांच में पता चला कि अब्दुल शेख के माता पिता अलग रहते हैं। माँ और अब्दुल शेख की पिता से बनती नहीं है। वह पिता की शिकायत कई बार पुलिस से कर चुका है। अधिकारियों का दावा है कि आरोपी ने इससे पहले उत्तर प्रदेश की डायल-112 हेल्पलाइन पर भी कथित तौर पर इसी तरह का संदेश भेजकर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को धमकी दी थी।

हरिभूमि न्यूज़ ►► मोपाल

प्रदेश में बारिश में आएगी कमी, भोपाल में अभी ऐसा ही मौसम

शहर में बादलों के बीच पारा बढ़ा दिन व रात में 10 डिग्री का अंतर

12 जिलों में है बारिश का अलर्ट

आज 30 से अधिक शहरों में अति भारी से भारी बारिश का अलर्ट

हरिभूमि न्यूज़ ►► मोपाल

कल होगी अति भारी से भारी बारिश

रविवार से सोमवार तक दतिया, भिंड, सीधी, रीवा, सतना, उमरिया, कटनी, पन्ना, दमोह, छतरपुर, टीकमगढ़, निवाड़ी में कुछ जगह अति भारी बारिश का अंरेंज अलर्ट है। इसके साथ ही शिवपुरी, ग्वालियर, मुरैना, सिंगरौली, मऊगंज, अनुपपुर, शहडोल, नरसिंहपुर, मंडला, सागर, मैहर में कहीं कहीं भारी बारिश का येला अलर्ट है। इसके अलावा भोपाल, विदिशा, रायसेन, सीहोर, राजगढ़, नर्मदापुरम, बैतुल, हरदो, बुरहानपुर, खंडवा, खरगोन, बड़वानी, अलीराजपुर, झाबुआ, धार, इंदौर, रतलाम, उज्जैन, देवास, शाजापुर, आगर, मंडसौर, नीमच, गुना, अशोकनगर, श्योपुरकलां, डिंडोरी, छिंदवाड़ा, सिवनी, बालाघाट और पांडुरंग में कुछ स्थानों पर हल्की बारिश या बौछारे पड़ सकती हैं। कल के बाद बारिश में कमी आएगी।

आज की छोटी सी बचत ही कल की बड़ी पूंजी

- बड़ा फंड बनाने के लिए सिर्फ ज्यादा पैसा नहीं, सही समय और नियमित निवेश जरूरी
- निवेश को लंबा समय दें, लक्ष्य के अनुसार वित्तीय योजना से रणनीति तैयार करें



निवेश मंत्रा
बिजनेस डेस्क

बड़े वित्तीय लक्ष्य एक-दो साल में पूरे नहीं होते। इनके लिए कम उम्र से योजना बनाकर नियमित निवेश करना और उसे लंबे समय तक जारी रखना जरूरी है। छोटी रकम से शुरू किया गया निवेश भी पर्याप्त समय मिलने पर बड़ा फंड तैयार करने में मदद कर सकता है। इसका सबसे बड़ा कारण चक्रवृद्धि का प्रभाव है, जिसमें निवेश पर मिलने वाला रिटर्न आगे चलकर अतिरिक्त रिटर्न कमाने का आधार बनता है। वित्तीय योजना बनाते समय सबसे पहले यह स्पष्ट करना चाहिए कि किस उद्देश्य के लिए कितनी रकम और कितने समय बाद चाहिए। घर खरीदने, बच्चों की उच्च शिक्षा, कारोबार शुरू करने या रिटायरमेंट जैसे लक्ष्यों के लिए अलग-अलग रणनीति बनाई जा सकती है। एक ही निवेश विकल्प में पूरी रकम लगाने के बजाय जोखिम और जरूरत के हिसाब से पोर्टफोलियो में विविधता रखना भी महत्वपूर्ण है।

एसआईपी में बढ़ता पैसा, स्मॉल कैप में तेजी निवेशकों के लिए खतरे की घंटी या अवसर?

सावधानी
बिजनेस डेस्क

भारतीय निवेश बाजार में एसआईपी पर भरोसा लगातार मजबूत हो रहा है। अगस्त 2026 में निवेशकों ने म्यूचुअल फंडों में एसआईपी के जरिए रिकॉर्ड 32,297 करोड़ रुपये लगाए। साथ ही योगदान करने वाले एसआईपी खातों की संख्या भी 10 करोड़ के पार पहुंच गई। दूसरी ओर, स्मॉल कैप फंडों में अगस्त के दौरान 7,973 करोड़ का निवेश आया। मिडकैप फंडों में भी करीब 6,989 करोड़ रुपये का प्रवाह रहा। यानी निवेशकों की दिलचस्पी ज्यादा जोखिम वाली इक्विटी श्रेणियों में भी बनी हुई है। यह आंकड़ा देखकर पहला सवाल स्वाभाविक है। क्या स्मॉल कैप में इतनी तेजी और निवेश का बढ़ता प्रवाह बाजार में जरूरत से ज्यादा उत्साह का संकेत है? इसका सीधा जवाब हां या नहीं में देना सही नहीं होगा। रिकॉर्ड एसआईपी निवेश को अपने-आप में खतरे की घंटी नहीं माना जा सकता। एसआईपी निवेश का मतलब यह भी है कि लोग नियमित रूप से बाजार में पैसा लगा रहे हैं और बाजार के उतार-चढ़ाव को समय के साथ औसत करने की कोशिश कर रहे हैं। एएमएफआई भी एसआईपी को नियमित और अनुशासित निवेश की पद्धति बताता है।

सवाल स्मॉल कैप नहीं, सही अनुपात
स्मॉल कैप कंपनियों बाजार पूंजीकरण के लिहाज से छोटी कंपनियां होती हैं। इनमें भविष्य में तेजी से बढ़ने की क्षमता हो सकती है, लेकिन इनके शेयरों में उतार-चढ़ाव भी बड़े हो सकते हैं। इसलिए स्मॉल कैप फंड में निवेश का सवाल केवल यह नहीं है कि अभी इसमें पैसा जा रहा है या नहीं। सवाल यह है कि निवेशक के पूरे पोर्टफोलियो में इसका



हिस्सा कितना है। मान लीजिए कोई व्यक्ति हर महीने 10,000 रुपये की एसआईपी करता है। यदि वह पूरी रकम केवल स्मॉल कैप फंड में लगा देता है, तो उसका पोर्टफोलियो बाजार की तेज गिरावट के समय ज्यादा उतार-चढ़ाव देख सकता है। इसके विपरीत, वही निवेशक अपने लक्ष्य, निवेश अवधि और जोखिम क्षमता के अनुसार लार्ज कैप, फ्लैक्सी कैप, मिड कैप, स्मॉल कैप, या हाइब्रिड श्रेणियों का संतुलन बनाता है तो जोखिम को अलग तरीके से संभाला जा सकता है।

एसआईपी का रिकॉर्ड निवेशकों को क्या बताता है?

अगस्त में एसआईपी योगदान 32,297 करोड़ रुपये रहा, जो अब तक का रिकॉर्ड है। जुलाई में यह 31,961 करोड़ रुपये और जून में 31,781 करोड़ था। यानी लगातार तीन महीनों से एसआईपी प्रवाह 31 हजार करोड़ से ऊपर रहा। अगस्त तक वित्त वर्ष 2026-27 में एसआईपी के जरिए 1.58 लाख करोड़ से ज्यादा जमा हो चुके थे। आंकड़े बताते हैं कि निवेशकों का एक बड़ा वन बाजार की रोजाना चाल के बजाय नियमित निवेश पर भरोसा कर रहा है। लेकिन यहां भी सावधानी जरूरी है। एसआईपी बाजार में नुकसान से सुरक्षा की गारंटी नहीं देता। जिस फंड में एसआईपी चल रही है उसका मूल्य गिरता है, तो निवेशक के निवेश का मूल्य भी घट सकता है। लंबे समय में नियमित निवेश का

फायदा बाजार के अलग-अलग स्तरों पर यूनिट खरीदने से हो सकता है, लेकिन इसके लिए पर्याप्त समय और अनुशासन जरूरी है।

तेजी देखकर एसआईपी बढ़ाना जरूरी नहीं

स्मॉल कैप फंडों में लगातार पैसा आने से कई निवेशकों को यह लग सकता है कि अभी ज्यादा रकम लगाने का सही समय है। यही वह जगह है जहां निवेशक को सावधान होना चाहिए। पिछला प्रदर्शन भविष्य के रिटर्न की गारंटी नहीं है। अगर किसी श्रेणी ने कुछ समय में अच्छा प्रदर्शन किया है तो केवल उसी आधार पर उसमें निवेश का हिस्सा बढ़ाना जरूरी नहीं। निवेश का फैसला लक्ष्य और जोखिम क्षमता के आधार पर होना चाहिए। अगर किसी निवेशक का लक्ष्य 15-20 साल दूर है और वह बाजार में बड़ी गिरावट सहने की क्षमता रखता है तो उसके लिए इक्विटी में ज्यादा हिस्सा अलग हो सकता है। लेकिन कुछ साल में घर, बच्चों की पढ़ाई या किसी अन्य बड़े खर्च के लिए पैसा चाहिए तो अत्यधिक अस्थिर श्रेणी में बड़ा निवेश जोखिम बढ़ा सकता है।

नए निवेशक सबसे बड़ी गलती कहां करते हैं?

तेजी के समय निवेशक अक्सर रिटर्न देखकर फंड चुनते हैं। किसी स्मॉल कैप फंड ने पिछले कुछ वर्षों में अच्छा प्रदर्शन किया तो उसमें एसआईपी शुरू कर दी। फिर बाजार गिरने पर घबराकर एसआईपी बंद कर दी। इससे एसआईपी की मूल भावना ही कमजोर हो जाती है। दूसरी गलती है एक ही श्रेणी के कई फंड खरीद लेना। पांच अलग-अलग स्मॉल कैप फंड रखने का मतलब जरूरी नहीं कि पोर्टफोलियो ज्यादा विविध हो गया। कई फंडों के पोर्टफोलियो में समान कंपनियों हो सकती हैं। तीसरी गलती है बाजार की तेजी में एसआईपी की रकम अचानक बहुत ज्यादा बढ़ा देना। एसआईपी की रकम बढ़ाने का फैसला आमदनी, वित्तीय लक्ष्य और जोखिम क्षमता में बदलाव के आधार पर होना चाहिए, केवल बाजार की तेजी देखकर नहीं।

पोर्टफोलियो में विविधीकरण से मजबूत हो सकती है वित्तीय योजना

रिटायरमेंट आमतौर पर सबसे लंबे वित्तीय लक्ष्यों में शामिल होता है। यदि इसकी तैयारी नौकरी के शुरुआती वर्षों में शुरू कर दी जाए तो लंबे समय का फायदा मिलता है। यहां भी सिर्फ आज के खर्च को आधार बनाना पर्याप्त नहीं है। भविष्य की महंगाई और रिटायरमेंट के बाद कितने वर्षों तक रकम की जरूरत होगी, इसका अनुमान लगाना चाहिए।

10 साल में बनाया जा सकता है बड़ा लक्ष्य

नौकरी या कारोबार शुरू करने के शुरुआती वर्षों में आय भले ही सीमित हो, लेकिन इसी समय नियमित निवेश की आदत विकसित करना फायदेमंद हो सकता है। शुरुआत छोटी SIP से की जा सकती है और आय बढ़ने के साथ निवेश की रकम भी बढ़ाई जा सकती है। 10 साल बाद घर की डाउन पेमेंट, उच्च शिक्षा या अन्य बड़े खर्च के लिए रकम जुटानी है तो आज से ही अनुमान लगाना चाहिए कि भविष्य में कितने पैसे की जरूरत होगी।

20 साल में बढ़ाया जा सकता है निवेश

लंबी नौकरी अवधि में आमतौर पर आय में बदलाव की संभावना रहती है। वेतन बढ़ने या अतिरिक्त आय होने पर निवेश को भी उसी अनुपात में बढ़ाने की कोशिश की जा सकती है। इसे नियमित एसआईपी साथ अतिरिक्त निवेश के जरिए भी किया जा सकता है। लंबी अवधि में बाजार में तेजी और गिरावट दोनों देखने को मिल सकती हैं। इसलिए निवेशक को केवल थोड़े समय के उतार-चढ़ाव को देखकर अपना लंबी अवधि का लक्ष्य बदलने से बचना चाहिए।

पूरा पैसा एक जगह लगाने से बचें
निवेश पोर्टफोलियो में अलग-अलग परिसंपत्ति वर्गों का संतुलन जोखिम को समझने में मदद करता है। बिपे गए उदाहरण में इक्विटी, डेट और गोल्ड जैसे विकल्पों का मिश्रण दिखाया गया है। लेकिन हर व्यक्ति के लिए इनका अनुपात समान नहीं हो सकता। निवेश का वितरण व्यक्ति की उम्र, आय, वित्तीय लक्ष्य, समयवधि और जोखिम सहने की क्षमता के आधार पर तय होना चाहिए। लक्ष्य करीब आने पर जोखिम वाले निवेश का अनुपात कम करने की जरूरत भी पड़ सकती है। लंबी अवधि का निवेश करने के बाद समय-समय पर यह देखना चाहिए कि निवेश लक्ष्य के मुताबिक आगे बढ़ रहा है या नहीं।

निवेश के 6 जरूरी मंत्र
■ जल्दी शुरुआत करें : कम उम्र में निवेश शुरू करने से लंबी अवधि का फायदा मिलेगा।
■ लक्ष्य तय करें : घर, शिक्षा, रिटायरमेंट जैसे हर लक्ष्य के लिए समयवधि तय करें।
■ एसआईपी को नियमित रखें : छोटी रकम से शुरुआत करके आय बढ़ने के साथ निवेश बढ़ाया जा सकता है।
■ चक्रवृद्धि का लाभ लें : लंबे समय तक निवेश रहने पर रिटर्न पर भी रिटर्न मिलने का असर बढ़ता है।
■ पोर्टफोलियो में विविधता रखें : इक्विटी, डेट, गोल्ड आदि में जोखिम क्षमता के अनुसार संतुलन बनाया जा सकता है।
■ समय-समय पर समीक्षा करें : आय, उम्र, लक्ष्य और जोखिम क्षमता बदलने पर निवेश योजना में भी बदलाव करें।

निवेश से पहले जरूर देखें
■ कितने समय के लिए पैसा लगाने है?
■ लक्ष्य के लिए कितनी रकम चाहिए?
■ जोखिम उठाने की क्षमता कितनी है?
■ आपातकालीन फंड तैयार है या नहीं?
■ निवेश की समय-समय पर समीक्षा हो रही है?



महिलाओं और छोटे शहरों ने बदला म्यूचुअल फंड का ट्रेंड

- बी-30 शहरों के म्यूचुअल फंड निवेश में इक्विटी की हिस्सेदारी 65.9%
- महिलाओं के पोर्टफोलियो में भी 5 साल में 40% से बढ़कर 65% हुआ हिस्सा

समझदारी बिजनेस डेस्क

भारत में म्यूचुअल फंड निवेश का नक्शे तेजी से बदल रहा है। कमी इक्विटी म्यूचुअल फंड को बड़े शहरों और शेयर बाजार की अच्छी समझ रखने वाले निवेशकों का क्षेत्र माना जाता था, लेकिन अब तस्वीर बदल रही है। महिलाएं और छोटे शहरों-कस्बों के निवेशक तेजी से इक्विटी म्यूचुअल फंड की ओर बढ़ रहे हैं। इससे न केवल म्यूचुअल फंड उद्योग का आकार बढ़ रहा है, बल्कि देश में निवेश की आदतों में भी बड़ा बदलाव दिखाई दे रहा है। आंकड़ों के मुताबिक, महिला निवेशकों के म्यूचुअल फंड पोर्टफोलियो में इक्विटी की हिस्सेदारी मार्च 2020 में करीब 40% थी, जो मार्च 2025 में बढ़कर 65% हो गई। यानी पांच साल में महिलाओं के पोर्टफोलियो में इक्विटी का हिस्सा 25 प्रतिशत अंक बढ़ा। इसी अवधि में पूरे म्यूचुअल फंड उद्योग के एयूएम में इक्विटी की हिस्सेदारी 27% से बढ़कर 45% हुई। इसका मतलब यह नहीं है कि हर महिला निवेशक अब आकामक तरीके से शेयर बाजार में पैसा लगा रही है। इसका बड़ा संकेत यह है कि महिला निवेशकों के बीच निवेशकों के लंबे समय के निवेश के एक विकल्प के तौर पर स्वीकार्यता बढ़ी है। यह बदलाव वित्तीय निर्णयों में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी की ओर भी इशारा करता है।

पांच साल में तीन गुना से ज्यादा हुआ इक्विटी एयूएम

इक्विटी म्यूचुअल फंड की बढ़ती स्वीकार्यता का असर उसके कुल एयूएम में भी दिखाई देता है। अगस्त 2021 से अगस्त 2026 के बीच इक्विटी म्यूचुअल फंड का एयूएम 12.3 लाख करोड़ रुपये से बढ़कर 39.2 लाख करोड़ रुपये हो गया। यानी पांच साल में यह तीन गुना से ज्यादा बढ़ा। इसी अवधि में इक्विटी फोलियो की संख्या भी 7.3 करोड़ से बढ़कर 18.9 करोड़ हो गई। यहां एयूएम और फोलियो के अंतर को समझना जरूरी है। एयूएम बताता है कि कुल कितनी रकम प्रबंधित हो रही है, जबकि फोलियो निवेश खातों की संख्या को दर्शाता है। फोलियो में बढ़ोतरी यह बताती है कि निवेशकों में पैसा लगाए जाने का रुझान है। सबसे दिलचस्प बात यह है कि बाजार में गिरावट के दौरान भी फोलियो बढ़ते रहे। डिसेंबर 2024 से फरवरी 2025 के बीच इक्विटी एयूएम 30.6 लाख करोड़ से घटकर 27.4 लाख करोड़ रुपये हुआ, लेकिन इक्विटी फोलियो 15.7 करोड़ से बढ़कर 16.2 करोड़ हो गए।

रिटर्न देखकर निवेश का फैसला न करें

इक्विटी म्यूचुअल फंड में बदती भागीदारी उत्साहजनक आंकड़ा हो सकती है, लेकिन निवेशकों के लिए इसका अर्थ यह नहीं है कि इक्विटी में पैसा लगाना हर व्यक्ति के लिए उपयुक्त है। इक्विटी में बाजार जोखिम होता है और रिटर्न निश्चित नहीं होता। 31 अगस्त 2026 तक पांच साल की अवधि में निफ्टी 50 टीआरआई का सीएफजी 8.32% रहा, जबकि इक्विटी फंड कैटेगरी का औसत रिटर्न 12.84% रहा। लेकिन यह पिछले प्रदर्शन का आंकड़ा है, भविष्य के रिटर्न की गारंटी नहीं।

एयूएम गिरा, फिर भी निवेशक जुड़े रहे

फरवरी से मार्च 2026 के बीच भी इक्विटी एयूएम 35.4 लाख करोड़ से घटकर 32 लाख करोड़ रुपये हुआ, लेकिन फोलियो में बढ़ोतरी जारी रही। इसका एक कारण यह भी है कि बाजार में गिरावट आने पर एयूएम शेयरों और अन्य इक्विटी परिसंपत्तियों के बाजार मूल्य में कमी से घट सकता है। इसका अर्थ यह जरूरी नहीं कि उतनी ही मात्रा में निवेशकों ने पैसा निकाल लिया हो। यही अंतर नए निवेशकों को समझाना चाहिए। म्यूचुअल फंड का एयूएम बढ़ना हमेशा केवल नए पैसे आने का परिणाम नहीं होता और एयूएम घटना हमेशा बड़े पैमाने पर निकासी का संकेत नहीं होता। बाजार की चाल भी इसमें महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

एयूएम गिरा, फिर भी निवेशक जुड़े रहे

फरवरी से मार्च 2026 के बीच भी इक्विटी एयूएम 35.4 लाख करोड़ से घटकर 32 लाख करोड़ रुपये हुआ, लेकिन फोलियो में बढ़ोतरी जारी रही। इसका एक कारण यह भी है कि बाजार में गिरावट आने पर एयूएम शेयरों और अन्य इक्विटी परिसंपत्तियों के बाजार मूल्य में कमी से घट सकता है। इसका अर्थ यह जरूरी नहीं कि उतनी ही मात्रा में निवेशकों ने पैसा निकाल लिया हो। यही अंतर नए निवेशकों को समझाना चाहिए। म्यूचुअल फंड का एयूएम बढ़ना हमेशा केवल नए पैसे आने का परिणाम नहीं होता और एयूएम घटना हमेशा बड़े पैमाने पर निकासी का संकेत नहीं होता। बाजार की चाल भी इसमें महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।



ऐसा करना कई बार बन जाता है कर्ज का बोझ बढ़ाने की शुरुआत

कम होती बचत, बढ़ते ब्याज और डिफॉल्ट के जोखिम का खतरा

पुराना कर्ज चुकाने के लिए नया लोन लेने की आदत खतरनाक

अलर्ट
बिजनेस डेस्क

महीने की शुरुआत में सैलरी आती है और कुछ ही दिनों में उसका बड़ा हिस्सा ईएमआई में चला जाता है। फिर महीने के अंत में किसी जरूरी खर्च के लिए पैसे कम पड़ते हैं। ऐसे में क्रेडिट कार्ड, पर्सनल लोन या किसी डिजिटल लोन एप से रकम लेकर पुरानी ईएमआई चुका देना आसान रास्ता लगता है। समस्या तब शुरू होती है, जब यह तरीका एक बार की मजबूरी से निकलकर हर महीने की आदत बन जाता है। एक कर्ज चुकाने के लिए दूसरा कर्ज लेना व्यक्ति को कर्ज से बाहर नहीं निकालता, बल्कि कई मामलों में उसे और गहरे कर्ज में धकेल सकता है। पुरानी ईएमआई चुकाने के लिए नया लोन लेने पर तत्काल भुगतान तो हो जाता है, लेकिन नई देनदारी भी जुड़ जाती है। अगले महीने पुरानी ईएमआई के साथ नए लोन की ईएमआई या क्रेडिट कार्ड का भुगतान भी करना पड़ता है।

एक से कई ईएमआई तक पहुंचता है मामला

इसे आसान उदाहरण से समझें। किसी व्यक्ति की मासिक आय 50 हजार रुपये है और उसकी मौजूदा ईएमआई 15 हजार रुपये है। महीने के जरूरी खर्चों के बाद उसके पास बहुत कम रकम बचती है। किसी महीने अचानक 8-10 हजार रुपये की जरूरत पड़ गई और उसने क्रेडिट कार्ड या नया पर्सनल लोन लेकर पुरानी ईएमआई भर दी। उस महीने समस्या टल गई, लेकिन अगले महीने उसकी स्थिति पहले से खराब हो गई। अब उसे पुरानी ईएमआई के साथ नए कर्ज की किस्म भी चुकानी है। यदि फिर पैसे कम पड़े और उसने तीसरी जगह से कर्ज ले लिया तो देनदारी का यह सिलसिला चलता रहता है। यही स्थिति धीरे-धीरे डेट ट्रेप का रूप ले सकती है। जहां व्यक्ति की आय का बड़ा हिस्सा पुराने कर्ज की किस्में चुकाने में चला जाता है और रोजमर्रा के खर्च के लिए उसे फिर उधार लेना पड़ता है।



असली खतरा ब्याज के साथ बढ़ता बोझ है

नया लोन लेने में सिर्फ मूल रकम नहीं चुकानी होती। उसके साथ ब्याज और कई मामलों में अन्य शुल्क भी जुड़े होते हैं। खासकर क्रेडिट कार्ड के बकाया को लंबे समय तक चुकाने पर लागत काफी बढ़ सकती है। यानी 10 हजार रुपये की कमी पूरी करने के लिए लिया गया कर्ज केवल 10 हजार रुपये की देनदारी नहीं रहता। ब्याज और शुल्क के कारण भविष्य में भुगतान इससे ज्यादा हो सकता है।

परिवार के बजट पर असर

ईएमआई बढ़ने का सीधा असर मासिक बजट पर पड़ता है। किराना, बिजली-पानी, बच्चों की पढ़ाई, स्वास्थ्य, यात्रा और दूसरे जरूरी खर्चों के लिए उपलब्ध रकम कम होने लगती है। इसके बाद बचत प्रभावित होती है। पहले व्यक्ति निवेश के लिए पैसा निकालना बंद करता है, फिर आपातकालीन फंड का इस्तेमाल कर सकता है और अंततः छोटी-छोटी जरूरतों के लिए भी क्रेडिट कार्ड या लोन का सहारा लेना शुरू कर सकता है।

कैसे पहचानें कि आप डेट ट्रैप की ओर बढ़ रहे हैं?

■ पहला, महीने की ईएमआई चुकाने के लिए बार-बार नया कर्ज लेना।
■ दूसरा, क्रेडिट कार्ड का पूरा बिल चुकाने के बजाय लगातार न्यू, मुगलान करना।
■ तीसरा, सैलरी आने के कुछ दिनों में ही बैंक खाते में बहुत कम रकम बचाना।
■ चौथा, बचत और निवेश लगातार बंद करना ताकि ईएमआई चुकाई जा सके।
■ पांच, एक साथ कई लोन की ईएमआई चलाना और हर माह किस्त की वित्त गणना।

डेट ट्रेप से निकलने का पहला कदम क्या हो?

सबसे पहले नए कर्ज से समस्या को दफना बंद करना जरूरी है। इसके बाद सभी कर्ज की सूची बनाएं। कितना मूलधन बाकी है, ब्याज दर कितनी है, ईएमआई कितनी है और कितने महीने बाकी हैं। इसके बाद गैर-जरूरी खर्चों को अस्थायी रूप से कम करके उपलब्ध रकम का इस्तेमाल महीने कर्ज को कम करने में किया जा सकता है। यदि कई कर्ज हैं तो उनकी ब्याज दर और शर्तों की तुलना करेंगे प्राथमिकता या उचित समेकन के विकल्पों पर बैंक या योग्य वित्तीय सलाहकार से बात की जा सकती है।

मिलावटखोरी से हर साल देश में करीब दो लाख लोग मौत की भेंट चढ़ जाते हैं, फिर भी हमारा कानूनी तंत्र इस पर प्रभावी रोक लगाने में नाकाम रहा है। वैसे तो हर साल त्योहारी सीजन के साथ ही मिलावटखोरी की चर्चा तेज हो जाती है, लेकिन इन दिनों इस चर्चा की वजह महाराष्ट्र के तेजतर्रार आईएस अधिकारी तुकाराम मुंडे की कार्रवाई है। मुंडे ने जब से महाराष्ट्र खाद्य एवं औषधि प्रशासन यानी एफडीए के आयुक्त का पद संभाला है, मिलावटखोरों की शामत आ गई है। ऐसे में कहा जा सकता है कि आज देश में मुंडे जैसे अफसरों की खास जरूरत है। आज देश को नारे नहीं, शुद्ध पानी, साफ भोजन और भरोसेमंद दवा चाहिए। इसके लिए कानून पहले से हैं। कमी अमल की है। अगर प्रशासन में और अफसर स्वास्थ्य व स्वच्छता को फाइल नहीं, प्राथमिक कर्तव्य समझें, तो हीरो की जरूरत धीरे-धीरे कम होगी और सामान्य ईमानदारी आम बात बन जाएगी। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूचओ) के 2026 के नवीनतम विश्व स्तर के आकलन ने खाद्य सुरक्षा को लेकर चिंताएं बढ़ा दी हैं। स्ट्रीट फूड के लिए ऐसा नियमन जरूरी है, जिसमें स्वच्छता, खाद्य सुरक्षा, उपभोक्ता अधिकार और विक्रेताओं की आजीविका चारों के बीच संतुलन कायम किया जा सके। *मिलावटखोरी और इस पर रोक के मुद्दों की पड़ताल करता आजकल का यह खास अंक...*

मिलावटखोरी रोकने की व्यवस्था में भ्रष्टाचार



विश्लेषण

उमेश चतुर्वेदी

वरिष्ठ स्तंभकार

मुंडे ने जब से महाराष्ट्र खाद्य एवं औषधि प्रशासन यानी एफडीए के आयुक्त का पद संभाला है, मिलावटखोरों की शामत आ गई है। नियमों और स्वच्छता मानकों की अनदेखी करने वाले कई नामी फूड चेन्स, बड़े रेस्तराओं आदि के लाइसेंस तक निलंबित या रद्द किए जा चुके हैं। महाराष्ट्र की घटनाएं इसलिए सामने आ रही हैं, क्योंकि वहां तेज-तर्रार अधिकारी खाद्य प्रशासन को मिला है। दूसरे इलाकों में ऐसी कार्रवाई नजर नहीं आती। इसका मतलब यह नहीं है कि भारत में मिलावटखोरी बंद हो गई है। शुद्ध खाना और दवा प्राप्त करना हर व्यक्ति का अधिकार है। ब्रिटेन और अमेरिका में ध्यान रखा जाता है कि उपभोक्ताओं तक वही सामान पहुंचे, जो शुद्ध है। ऐसी व्यवस्था भारत में भी की गई है। 2006 में संसद से पारित खाद्य सुरक्षा और मानक अधिनियम के तहत भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण का गठन किया गया है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के तहत कार्यरत इस संस्था का दायित्व खाद्य पदार्थों के मानकों पर निगाह रखना और उन्हें तोड़ने वालों के खिलाफ कार्रवाई करना है। राज्यों की पुलिस, प्रशासन और आपूर्ति अधिकारियों को भी अधिकार हैं कि वे मिलावटखोरी रोकें।

उंबना ही कहेंगे कि जिस मिलावटखोरी से हर साल देश में करीब दो लाख लोग मौत की भेंट चढ़ जाते हैं, फिर भी हमारा कानूनी तंत्र इस पर प्रभावी रोक लगाने में नाकाम रहा है। वैसे तो हर साल त्योहारी सीजन के साथ ही मिलावटखोरी की चर्चा तेज हो जाती है, लेकिन इन दिनों इस चर्चा की वजह महाराष्ट्र के तेजतर्रार आईएस अधिकारी तुकाराम मुंडे की कार्रवाई है। मुंडे ने जब से महाराष्ट्र खाद्य एवं औषधि प्रशासन यानी एफडीए के आयुक्त का पद संभाला है, मिलावटखोरों की शामत आ गई है। उन्होंने खाद्य कानूनों और नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ अभियान छेड़ दिया है। महाराष्ट्र एफडीए की टीमों ने शुरुआती 100 दिनों में ही 904 से ज्यादा छापे मारकर 450 से अधिक मिलावटखोरों को गिरफ्तार किया और करोड़ों के मिलावटी खाद्य पदार्थ जब्त किए। इस कार्रवाई से महाराष्ट्र में डिटेजेंट और रसायनों से बने नकली दूध और ताड़ के तेल से बनने वाले 'एनालॉग पनीर' का रैकेट ध्वस्त हो गया है।

नियमों और स्वच्छता मानकों की अनदेखी करने वाले कई नामी फूड चेन्स, बड़े रेस्तराओं आदि के लाइसेंस तक निलंबित या रद्द किए जा चुके हैं। महाराष्ट्र की घटनाएं इसलिए सामने आ रही हैं, क्योंकि वहां तेज-तर्रार अधिकारी खाद्य प्रशासन को मिला है। दूसरे इलाकों में ऐसी कार्रवाई नजर नहीं आती। इसका मतलब यह नहीं है कि भारत में मिलावटखोरी बंद हो गई है। शुद्ध खाना और दवा प्राप्त करना हर व्यक्ति का अधिकार है। ब्रिटेन और अमेरिका में ध्यान रखा जाता है कि उपभोक्ताओं तक वही सामान पहुंचे, जो शुद्ध है। ऐसी व्यवस्था भारत में भी की गई है। 2006 में संसद से पारित खाद्य सुरक्षा और मानक अधिनियम के तहत भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण का गठन किया गया है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के तहत कार्यरत इस संस्था का दायित्व खाद्य पदार्थों के मानकों पर निगाह रखना और उन्हें तोड़ने वालों के खिलाफ कार्रवाई करना है। राज्यों की पुलिस, प्रशासन और आपूर्ति अधिकारियों को भी अधिकार हैं कि वे मिलावटखोरी रोकें।

प्रभावी नियंत्रण नहीं

सरकारी आंकड़ों के अनुसार, साल 2020 से हर साल करीब एक लाख से अधिक खाद्य नमूनों की जांच की जा रही है। नियमों का उल्लंघन करने पर करीब आठ हजार से ज्यादा खाद्य व्यावसायिक लाइसेंस रद्द भी किए गए हैं। लेकिन देश में इस पर प्रभावी नियंत्रण नहीं लगाया जा सका है। रोक न लग पाने के पीछे मोटे तौर पर तीन कारण नजर आते हैं। पहला है, गुणाखोरी की बढ़ती प्रवृत्ति। दूसरा नैतिकता का क्षरण और तीसरा कारण निश्चित तौर पर प्रशासनिक विफलता और भ्रष्टाचार है। विनोबा भावे ने करीब आठ दशक पहले लिखे अपने निबंध 'नवयुगको से दो बातें' में कहा है कि देश में सुराख हैं सुराख हैं। उन्होंने राष्ट्ररूपी पड़े में बने इन सुराखों को खदावार से भरने की अपील की है। कुछ उसी तरह व्यवस्था में अब भी सुराख हैं। हमारे तंत्र के बड़े हिस्से से खदावार और कर्तव्यपरगणयता गायब है। वह राष्ट्र निर्माण के भाव से दूर है। इस वजह से वक्त पर कार्रवाई नहीं होती। वक्त पर गड़बड़ियों की जानकारी होने के बावजूद गुणाफखोर से मिलने वाली चंद रकम के एवज में वह चुप रह जाता है। भले ही नकली दूध पीने से नागरिक बीमार हो रहा हो या नकली शराब से निंदोष जान जा रही हो। नैतिकता का क्षरण भी मिलावटखोरी के लिए जिम्मेदार है। नैतिकता की कमी गुणाफखोर कारोबारी और उत्पादक के साथ तंत्र में भी पैठी हुई है।



कठोर कानून और नियमन की जरूरत

कानून के तहत ऐसे खाद्य पदार्थों, दवा या सौंदर्य प्रसाधन को 'मिलावटी' माना जाता है, जो तय मानकों को पूरा नहीं करते या जिसमें हानिकारक पदार्थ मिलाया गया हो। इस कानून के तहत गलत और भ्रामक लेबलिंग पर भी रोक का प्रावधान है। अमेरिका में एक और फूड सेफ्टी मॉडर्नाइजेशन एक्ट है, जिसका मकसद मिलावट और संक्रमण को निरोधनात्मक कार्रवाई करना है। इन कानूनों के तहत अमेरिका में मिलावटी या दूषित खाद्य पदार्थ और दवाएं बेचना गंभीर अपराध है। इनका उल्लंघन करने वाली कंपनियां और व्यक्तियों पर भारी जुर्माने, जेल की सजा और

उत्पादों को तुरंत नष्ट करने या जब्त करने की व्यवस्था है। अमेरिका की तरह ब्रिटेन में भी खाद्य पदार्थों में मिलावट और धोखाधड़ी रोकने के लिए सख्त कानूनी व्यवस्था है। यहां के फूड सेफ्टी एक्ट के तहत स्वास्थ्य के लिए हानिकारक भोजन बेचना या तैयार करना गंभीर अपराध है। खाद्य मानकों और मिलावट पर नजर रखने के लिए यहां फूड स्टैंडर्ड एजेंसी है। कुछ इसी अंदाज में हमारे यहां भी कठोर कानून और नियमन की जरूरत है। तभी मिलावटखोरी को रोका जा सकता है और भारतीय नागरिकों को सुरक्षित माहौल मुहैया कराया जा सकता है।

जीरो टॉलरेंस की नीति बने

सत्ता संभालते वक्त प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तंत्र को चेताया था कि सब चलता है-वाली मानसिकता की अब गुंजाइश नहीं रही। शुरू में इससे बस्ता लोगों में भय दिखा, लेकिन अब तंत्र का बड़ा हिस्सा उसी पुराने ढर्रे पर चलता दिखाता है, इसलिए गुणाफखोरों और मिलावटखोरों का डर कम हो चला है। स्वास्थ्य संविधान के समवर्ती सूची का विषय है, इसलिए इस मामले में केंद्र के साथ राज्य सरकारों को भी कार्रवाई का अधिकार है। ऐसे में तंत्र को प्रभावी और जवाबदेह बनाने के लिए केंद्र और राज्यों की सरकारों को जीरो टॉलरेंस की नीति अख्तियार करना जरूरी लगता है। तभी गुणाफखोर, मिलावटखोर और लापरवाह प्रशासनिक तंत्र के पैतृ कसे जा सकते हैं। पड़ोसी देश चीन का मिलावटखोरी रोकने वाला 'फूड सेफ्टी लॉ' दुनिया के सबसे कठोर कानूनों में से एक है। जिसके तहत जानबूझकर खाद्य पदार्थों में खतरनाक मिलावट करने वालों को मृत्युदंड देने का प्रावधान है। चीन में साल 2008 में दूध में मेलामाइन रसायन मिलाने के चर्चित मामले के दोषियों को मौत की सजा दी गई थी। स्वास्थ्य से खिलवाड़ करने वाले मिलावटखोरों को इस कानून के तहत आजीवन कारावास के साथ ही भारी आर्थिक जुर्माने का भी प्रावधान है।

कई देशों में कड़े कानून

चीन में खाद्य नियमों का उल्लंघन करने, घटिया या मानकहित उत्पाद बेचने और सबूत नष्ट करने वाली कंपनियों और कारोबारियों पर वहां भारी-भरकम जुर्माना लगाया जाता है। साथ ही व्यवसाय का लाइसेंस रद्द भी किया जाता है। ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड में खाद्य सुरक्षा और मिलावटखोरी पर रोक के लिए कड़े कानून हैं। फूड स्टैंडर्ड्स ऑस्ट्रेलिया एंड न्यूजीलैंड की जवाबदेही है कि वह दोनों देशों के खाद्य मानक तैयार करें। खाद्य सुरक्षा को सुनिश्चित करने और मिलावटखोरी रोकने के लिए राज्यों के साथ ही स्थानीय निकायों की भी जवाबदेही है। दोनों देशों में खाद्य सुरक्षा नियमों का उल्लंघन करने, असुरक्षित या मिलावटी भोजन बेचने वाली कंपनियों और निगमों पर भारी जुर्माने का प्रावधान है। यहां जानबूझकर सार्वजनिक नुकसान या डर फैलाने के इरादे से खाद्य पदार्थों में मिलावट को गंभीर अपराध माना जाता है। ऐसे मामलों में 25 साल तक की जेल हो सकती है। संयुक्त राज्य अमेरिका में भी मिलावटखोरी के खिलाफ सख्त और प्रभावी कानून हैं, जिसे लागू करने की जवाबदेही फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन को है। अमेरिका में मिलावटखोरी पर लगाम के लिए संघीय फूड, ड्रग और कॉस्मेटिक एक्ट है, जो यहां का मुख्य और सबसे बड़ा कानून है।

नकल की नहीं, संस्कृति की जरूरत



मंथन

विवेक शुक्ला

वरिष्ठ पत्रकार

महाराष्ट्र में जब कोई अफसर नियम तोड़ने वालों पर सख्ती करता है, तो लोग उसे अक्सर 'हीरो' कहने लगते हैं। तुकाराम हरिभाऊ मुंडे ऐसे ही अफसर हैं। बीड जिले के ताडसोना गांव के किसान परिवार में फूलों से नन्ही बनती। सूखाग्रस्त मराठवाड़ा में पले-बढ़े होने के कारण पानी उनके काम का केंद्र रहा। सोलापुर में जिलाधिकारी रहते हुए उन्होंने जलयुक्त शिवार योजना के तहत तेजी से जल संरक्षण कराया, टैंकर माफिया पर लगाम लगाई और सैकड़ों गांवों को टैंकर-मुक्त बनाने की कोशिश की। इसी काम के लिए उन्हें 'महाराष्ट्र का वाटरमैन' कहा गया। इस साल मई में फूड एंड ड्रग एडमिनस्ट्रेशन के आयुक्त बनने के बाद मुंडे की छवि और तेज हुई। विभाग ने राज्यभर में हजारों निरीक्षण किए। मिलावटी दूध, नकली या एनालॉग पनीर, गंदे रसोईघर, बिना लाइसेंस के कारोबार और असुरक्षित तेल-दवाओं पर छापे पड़े। कई होटलों के लाइसेंस निलंबित हुए, स्टॉक जब्त हुआ और सुधार नोटिस जारी किए गए। मुंडे का रुख साफ रहा कि जनस्वास्थ्य के मामलों में हैसियत, नाम या पहुंच से समझौता नहीं होगा। बीबीसी और अन्य समाचार माध्यमों ने उन्हें सोशल मीडिया स्टार भी कहा, क्योंकि रसोईघरों की तस्वीरें और कार्रवाई की खबरें तेजी से फैलीं। साथ ही बंबई हाईकोर्ट ने एक मौके पर चेतावनी



देश को आज तुकाराम हरिभाऊ मुंडे जैसे अफसरों की जरूरत है। हर राज्य में अन्न एवं औषधि प्रशासन, नगर निगम और स्वास्थ्य विभाग में कुछ अधिकारी होने चाहिए, जिन्हें पता हो कि उनकी सफलता फाइलों की मोटाई से नहीं, मिलावट और गंदगी में आई कमी से नापी जाएगी।

खुद मैदान में नहीं उतरता, शिकायत पोर्टल और वार्षिक रिपोर्ट से डर नहीं बनता। मुंडे जैसे अधिकारी इसी अंतर को भरते हैं। वे इंटरनेट नहीं करते कि मामला अदालत या मीडिया तक पहुंचे। आम नागरिक को यह दिखाता है कि सरकार सिर्फ बयान नहीं दे रही, काम भी कर रही है। इसीलिए वे 'सिंघम आईएसएस' कहे जाते हैं।

अगर हर ईमानदार अफसर को छह-आठ महीने बाद हटा दिया जाए, तो संदेश यह जाता है कि नियम लागू करना जोखिम है, अनदेखी करना सुरक्षित। देश को ऐसे अफसर चाहिए, पर उससे ज्यादा ऐसी व्यवस्था चाहिए जिसमें प्रोएक्टिव

काम को सजा नहीं, सुरक्षा मिले। स्वास्थ्य की शुद्धता केवल रेस्तरां छापे नहीं है। यह दूध में यूरिया, मसालों में रंग, दवा में कम मात्रा और सरकारी अस्पताल की गंदगी भी है। स्वच्छता केवल सड़क की सफाई नहीं, रसोई, गोदाम, प्रयोगशाला और दवा फैक्ट्री की सफाई है। क्या पूरे देश को ऐसे अफसर चाहिए? हां, लेकिन नकल की नहीं, संस्कृति की जरूरत है। हर राज्य में अन्न एवं औषधि प्रशासन, नगर निगम और स्वास्थ्य विभाग में कुछ अधिकारी होने चाहिए जिन्हें पता हो कि उनकी सफलता फाइलों की

थाली में पहुंचता जहर, बिगाड़ रहा सेहत!



सावधानी

सुशील देव

स्वतंत्र पत्रकार

हमारी थाली केवल पेट भरने का साधन नहीं, बल्कि स्वस्थ जीवन की पहली सीढ़ी है। दूध, दही, घी, तेल, मसाले, अनाज, सब्जि-सब्जियां और मिठाइयां शरीर को पोषण देने के लिए हैं। लेकिन जब इन्हीं खाद्य पदार्थों में मिलावट, रासायनिक मिश्रण या हानिकारक तत्व पहुंच जाते हैं तो भोजन पोषण के बजाय स्वास्थ्य का शोषण करने लगता है। समस्या इसलिए भी गंभीर है क्योंकि दूषित भोजन का असर कई बार तत्काल दिखाई देता है, जबकि कुछ रासायनिक पदार्थों का नुकसान हमें धीरे-धीरे पता चलता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूचओ) के 2026 के नवीनतम विश्व स्तर के आकलन ने खाद्य सुरक्षा को लेकर चिंताएं बढ़ा दी हैं। वर्ष 2021 के आंकड़ों के आधार पर अनुमान है कि दुनिया में हर साल करीब 86.6 करोड़ लोग दूषित भोजन खाने के बाद बीमार पड़ते हैं और 15.2 लाख लोगों की मौत हो जाती है। पांच साल से कम उम्र के बच्चे दुनिया की आबादी का लगभग 9 प्रतिशत हैं, लेकिन असुरक्षित भोजन से होने वाली बीमारियों के स्वास्थ्य बोझ में उनका हिस्सा करीब 29 प्रतिशत है। वर्ष 2021 में ऐसे कारणों से करीब 1.43 लाख बच्चों की मौत का अनुमान है।

डब्ल्यूचओ के मुताबिक असुरक्षित भोजन 200 से अधिक बीमारियों का कारण बन सकता है। इसमें दस्त, उल्टी और फूड प्वाइजनिंग से लेकर कुछ गंभीर संक्रमण और कैंसर तक शामिल हैं। दूषित भोजन में मौजूद बैक्टीरिया, वायरस, परजीवी और रासायनिक पदार्थ इसके प्रमुख कारण हैं। इसलिए खाद्य सुरक्षा को केवल मिलावट की समस्या मानना ​​पर्याप्त नहीं है। भोजन के उत्पादन, प्रसंस्करण, भंडारण, परिवहन और बिक्री के हर चरण में इसकी सुरक्षा जरूरी है। डब्ल्यूचओ के नए आकलन का एक और चिंताजनक पहलू रासायनिक प्रदूषण के खतरों से जुड़ा है। 2021 में दूषित भोजन से हुई

मौतों में करीब 73 प्रतिशत हिस्सेदारी रासायनिक खतरों की थी। इनमें अकार्बनिक आर्सेनिक और सीसा प्रमुख थे। लंबे समय तक ऐसे तत्वों के संपर्क में रहने से हृदय रोग और कैंसर का जोखिम बढ़ सकता है। यहां यह समझना जरूरी है कि खाद्य में मिलावट या गड़बड़ी एक ही बात नहीं है। किसी खाद्य पदार्थ में जानबूझकर घटिया या अनधिकृत सामग्री की मिलावट हो सकती है, जबकि बैक्टीरिया, वायरस, भारी धातु, विषले दूषित हो सकता है। दोनों ही स्थितियां हमारे

भी एफएसएसआई ने स्पष्ट किया है कि चीज एनालॉग को पनीर के रूप में बेचना खाद्य कानूनों की शरों की अर्थव्यवस्था और संस्कृति का हिस्सा मानते हुए इसके लिए निर्धारित वैडिंग जोन विकसित किए जा सकते हैं। इन स्थानों पर स्वच्छ पानी, कुड़ेदान, जल निकासी और साफ-सफाई जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं। इसे विक्रेताओं और शाहकों दोनों को लगाना होगा तथा सबकों पर अस्वस्थता भी कम हो सकती है। सरकारों को यह भी सुनिश्चित करना चाहिए कि खाद्य सुरक्षा के नाम पर बनाए गए नियम इतने जटिल न हों कि छोटे दुकानदार उनके पालन में ही असमर्थ हो जाएं। डिजिटल पंजीकरण, सरल लाइसेंस प्रक्रिया और कम लागत वाले प्रशिक्षण कार्यक्रम इस दिशा में मददगार हो सकते हैं। स्ट्रीट फूड पर पूरी तरह रोक लगाना समाधान नहीं है। इसके बजाय इसे व्यवस्थित, सुरक्षित और स्वच्छ बनाना ज्यादा व्यावहारिक रास्ता है। बदलते समय के साथ स्ट्रीट फूड संस्कृति भी बदल रही है, इसलिए इसके नियमन के लिए पुराने और बिखरे हुए प्रावधानों के बजाय एक स्पष्ट, व्यावहारिक और जवाबदेह व्यवस्था पर सिर से विचार करने की जरूरत है। अत्यधिक चीनी, नमक, अस्वास्थ्यकर वसा और अत्यधिक प्रोसेस्ड भोजन भी स्वास्थ्य के लिए जोखिम बढ़ाते हैं। सरकार को भी केवल त्योहारों के दौरान छापेमारी तक सीमित रहने के बजाय नियमित और



खेत से बाजार और हमारी थाली तक खानपान की हर चीजों की गुणवत्ता पर जिम्मेदारी तय करनी होगी। मिलावटखोरों पर कार्रवाई, वैज्ञानिक जांच, पारदर्शी लेबलिंग और जागरूक उपभोक्ता-इन चारों के मेल से ही खाद्य सुरक्षा मजबूत हो सकती है और हमारा जीवन और स्वास्थ्य बच सकता है।

स्वास्थ्य के लिए खतरनाक हैं। भारत में इस चुनौती से निपटने के लिए भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण यानी एफएसएसआई लगातार खाद्य पदार्थों की जांच करता है। वित्त वर्ष 2023-24 में देशभर में 4,39,108 प्रवर्तन नमूने लिए गए। हाल ही में एफएसएसएसआई ने दूध से प्राप्त सामग्री के बजाय अन्य घटकों से बनाए गए पनीर पर बिक्री संबंधी प्रतिबंध का संघर्ष में ड्राफ्ट संशोधन जारी किया है। मकसद, ऐसे उत्पादों को पनीर के नाम से बेचे जाने पर रोक लगाना है। फिलहाल यह ड्राफ्ट है, इसलिए इसे अंतिम नियम मानना ​​जल्दबाजी होगी। पहले

वैज्ञानिक जांच व्यवस्था मजबूत करनी होगी। जांच प्रयोगशालाओं की क्षमता बढ़ानी होगी, नमूनों की रिपोर्टिंग में तेजी लानी होगी और दोषी कारोबारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई सुनिश्चित करनी होगी। साथ ही उपभोक्ताओं की शिकायतों पर तुरंत कार्रवाई जरूरी है। खेत से बाजार और हमारी थाली तक खानपान की हर चीजों की गुणवत्ता पर जिम्मेदारी तय करनी होगी। मिलावटखोरों पर कार्रवाई, वैज्ञानिक जांच, पारदर्शी लेबलिंग और जागरूक उपभोक्ता-इन चारों के मेल से ही खाद्य सुरक्षा मजबूत हो सकती है और हमारा जीवन और स्वास्थ्य बच सकता है।

स्ट्रीट फूड के लिए नए सिरे से नियमन की जरूरत



व्यवस्था

योगेश कुमार सोनी

स्वतंत्र पत्रकार

देश शहर में स्ट्रीट फूड का चलन तेजी से बढ़ रहा है। महानगरों से लेकर छोटे शहरों और कस्बों तक सड़क किनारे लगने वाले ठेले, रेहड़ी और छोटी दुकानों पर मिलने वाला भोजन आम लोगों की रोजमर्रा की जिंदगी का हिस्सा बन चुका है। कम कीमत, आसानी से उपलब्धता और स्थानीय स्वाद इसकी लोकप्रियता का बड़ा कारण है। इसके साथ भोजन की गुणवत्ता, स्वच्छता और खाद्य सुरक्षा का सवाल भी उतना ही महत्वपूर्ण है। स्ट्रीट फूड बेचने वाले लाखों छोटे कारोबारी अपनी आजीविका इसी व्यवसाय से चलाते हैं। इसलिए नियमन का उद्देश्य उन्हें परेशान करना या उनकी रोजी-रोटी छीनना नहीं होना चाहिए। जरूरत ऐसे व्यावहारिक नियमों की है, जिनसे कारोबार भी चलता रहे और लोगों को सुरक्षित एवं स्वच्छ भोजन भी मिल सके। सरकारी को स्ट्रीट फूड के लिए एक व्यापक और आधुनिक नियामक व्यवस्था पर विचार करना चाहिए। इसमें साफ पानी की उपलब्धता, खाद्य सामग्री के सुरक्षित भंडारण, खाना बनाने और परोसने की स्वच्छता, कचरा निस्तारण, हाथ धोने की व्यवस्था तथा इस्तेमाल होने वाले बर्तनों की सफाई जैसे मानकों की अनिवार्य किया जा सकता है। साथ ही खाद्य विक्रेताओं के लिए आसान पंजीकरण और नियमित प्रशिक्षण की व्यवस्था भी होनी चाहिए। किसी भी सरकारी व्यवस्था में भ्रष्टाचार के कारण खाद्य सुरक्षा से समझौता नहीं होना चाहिए। स्ट्रीट फूड में इस्तेमाल होने वाले तेल, मसाले, दूध, पनीर, मांस, पानी और अन्य खाद्य सामग्री की गुणवत्ता की नियमित जांच बेहद जरूरी है। यह भी सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि खाद्य सामग्री किस स्रोत से खरीदी जा रही है, उसे किस तरह रखा जा रहा है और खाना तैयार करने वाले व्यक्ति स्वच्छता के निर्धारित मानकों का पालन कर रहे हैं या नहीं। कई बार खराब या दूषित खाद्य पदार्थ खाने से लोगों के बीमार पड़ने की खबरें सामने आती हैं। गंभीर मामलों में खाद्य विषाक्तता जानलेवा भी हो सकती है। ऐसे मामलों में केवल दुकान संचालक को दोषी ठहराने के बजाय यह भी पता लगाया जाना चाहिए कि संबंधित इलाके में निगरानी और निरीक्षण की जिम्मेदारी किस विभाग की थी और क्या नियमित जांच वास्तव में की गई थी।स्ट्रीट फूड कारोबार को बंद करना इसका समाधान नहीं है। जरूरत इस बात की है कि इसके लिए स्पष्ट और व्यावहारिक नियमावली बनाई जाए। प्रत्येक दुकान या ठेले का पंजीकरण हो, खाद्य सुरक्षा संबंधी प्रशिक्षण दिया जाए, स्वच्छता के मानक तय हों और समय-समय पर खाद्य सामग्री के नमूने लेकर प्रयोगशाला में जांच कराई जाए।इसके साथ ही स्थानीय निकाय, खाद्य सुरक्षा विभाग और पुलिस की जिम्मेदारियां स्पष्ट रूप से निर्धारित की जानी चाहिए। पुलिस का काम कानून-व्यवस्था बनाए रखना है, जबकि खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता की वैज्ञानिक जांच के लिए सक्षम खाद्य सुरक्षा अधिकारियों की व्यवस्था होनी चाहिए। जहां अवैध वसूली या भ्रष्टाचार की वित्यायत हो, वहां स्वतंत्र जांच और कार्रवाई की व्यवस्था भी होनी चाहिए। स्ट्रीट फूड लाखों लोगों की रोजमर्रा की जरूरत और रोजगार का माध्यम है, इसलिए इसे व्यवस्थित, सुरक्षित और जवाबदेह बनाना सरकार और संबंधित विभागों की जिम्मेदारी है। सवाल केवल यह नहीं है कि सड़क किनारे खाना कौन बेच रहा है। असली सवाल यह है कि जो खाना लाखों लोग खा रहे हैं, उसकी गुणवत्ता की जिम्मेदारी आखिर किसकी है? आज सबसे बड़ी समस्या यह है कि अनाज-अलग शहरों में स्ट्रीट फूड कारोबार के लिए नियम, निगरानी और उनके पालन की व्यवस्था एक जैसी नहीं है। स्थानीय निकायों, खाद्य सुरक्षा विभाग और अन्य संबंधित एजेंसियों के बीच बेहतर समन्वय की जरूरत है।

स्ट्रीट फूड पर पूरी तरह रोक लगाना समाधान नहीं है। बदलते समय के साथ स्ट्रीट फूड संस्कृति भी बदल रही है, इसलिए इसके नियमन के लिए पुराने और बिखरे हुए प्रावधानों के बजाय एक स्पष्ट, व्यावहारिक और जवाबदेह व्यवस्था पर नए सिरे से विचार करने की जरूरत है।

पश्चिम बंगाल के हुगली जिले के श्रीरामपुर में रैली से पहले राजनीतिक तनाव बढ़ा



एजेसी ►► हुगली

पश्चिम बंगाल के हुगली जिले के श्रीरामपुर में पूर्व मुख्यमंत्री और तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बेनर्जी की रैली से पहले राजनीतिक तनाव बढ़ गया। शनिवार को रैली में शामिल होने जा रहे टीएमसी विधायक कुणाल घोष की कार पर अंडे फेंके जाने की खबर सामने आई है। बताया जा रहा है कि घटना उत्तरपाड़ा इलाके में हुई। यहां लोगों ने पूर्व सीएम ममता के खिलाफ काले झंडे दिखाए और नारे लगाए।

उत्तरपाड़ा इलाके की बताई जा रही यह घटना



कार को रोका गया और उस पर अंडे फेंके गए शिकायत करेंगे: कुणाल

कुणाल घोष ने घटना पर प्रतिक्रिया देते हुए आरोप लगाया कि उनकी कार को रोका गया और उस पर अंडे फेंके गए। उन्होंने कहा कि मौके पर पुलिसकर्मी मौजूद नहीं थे। घोष ने इस मामले में शिकायत दर्ज कराने की बात भी कही है। टीएमसी नेताओं ने घटना के पीछे भाजपा का हाथ होने का आरोप लगाया है।

टीएमसी कार्यकर्ताओं को रास्ते में रोका जा रहा, मारपीट की जा रही

पूर्व मुख्यमंत्री ममता ने कुणाल पर कथित हमले पर लोगों से बंगाल में शांति बनाए रखने और परेशानी खड़ी नहीं करने की अपील की। ममता ने कहा कि कोर्ट के आदेश के अनुसार श्रीरामपुर में शनिवार को सभा हो रही है, लेकिन टीएमसी कार्यकर्ताओं को रास्ते में रोका जा रहा है और उनके साथ मारपीट की जा रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा से जुड़े लोगों ने टीएमसी कार्यकर्ताओं पर हमला किया।



पुलिस ने 150 से ज्यादा कार्यकर्ताओं को हिरासत में लिया

रैली से एक दिन पहले टीएमसी ने दावा किया था कि पुलिस ने जिले में पार्टी के 150 से ज्यादा कार्यकर्ताओं को हिरासत में लिया है। इनमें महिलाएं भी हैं। टीएमसी सांसद कल्याण बेनर्जी ने पुलिस कार्रवाई पर सवाल उठाए। वहीं, पुलिस ने दो टीएमसी कार्यकर्ताओं को कथित जबरन वसूली के मामलों में गिरफ्तार किया था। टीएमसी नेताओं ने पुलिस पर रैली में बाधा डालने का आरोप लगाया।

खबर संक्षेप

कल्कि पीठाधीश्वर

आचार्य प्रमोद को धमकी

संभल। कल्कि धाम के पीठाधीश्वर आचार्य प्रमोद कृष्णम ने शनिवार को दावा किया कि खालिस्तानी



संगठन बब्बर खालसा के सरगना कुलवीर सिंह सिद्धू ने उन्हें आडियो संदेश भेजकर जान से मारने की धमकी दी है। उन्हें कुछ दिनों से अंतरराष्ट्रीय नंबर से फोन आ रहा था। उन्हें पंजाबी भाषा में एक आडियो संदेश में यह धमकी दी गई।

राम दान की लूट: अविनाश ने की 85 बार चोरी

अयोध्या। राम मंदिर चढ़ावा चोरी में एक और खुलासा हुआ है। चार्जशीट में आरोपी अविनाश



शुक्ला फुटेज में 85 बार रकम चोरी करते दिखाई दिया है। चार्जशीट में 25 से 30 जुलाई के फुटेज में भी चोरी का उल्लेख किया गया है। अनुकल्प मिश्रा के मोबाइल से अविनाश और लवकुश के साथ रकम पर टेक्स्ट संदेश मिले।

भारत 10% की आर्थिक वृद्धि दर हासिल करेगा

बंगलुरु। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शनिवार को भरोसा जताया कि भारत 10 प्रतिशत से



अधिक की आर्थिक वृद्धि दर हासिल कर सकता है। उन्होंने सभी क्षेत्रों में प्रौद्योगिकी और नवाचार को बढ़े पैमाने पर अपनाने की आवश्यकता पर बल दिया। आईआईटी मद्रास पूर्व छात्र संघ की परिचर्चा में उन्होंने यह बात कही।

गुवाहाटी के होमस्टे में मिली छात्रा की लाश

गुवाहाटी। यूनिवर्सिटी की छात्रा निमिषा ठाकुरिया शनिवार सुबह गुवाहाटी के अजारा इलाके में एक होमस्टे में बेहोश पाई गई थी, बाद में उसे अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

इसके बाद स्थानीय लोगों ने धारापुर के पास हाइवे-17 को जाम कर दिया और मौत की परिस्थिति की गहन जांच की मांग की।

रैली के पहले हो गया बवाल, कुणाल घोष की कार पर फेंके गए अंडे और ममता के खिलाफ लहराए गए काले झंडे, भाजपा पर ‘तमतमाई’ पूर्व सीएम

भाजपा के हाथ होने का आरोप लगाया

ममता ने भी सरकार पर लगाए आरोप

ज्ञानेश के खिलाफ मोर्चाबंदी की तैयारी कर रहा संपूर्ण विपक्ष

ममता से माकपा की नेता ने की बात

30 सितंबर को इंडिया गुट करेगा बैठक और इसमें 2 धुर विरोधी दल होंगे साथ

एसआईआर को लेकर उठ रहे सवाल के साथ अन्य मुद्दों पर चर्चा की

ख़ास बातें

- नई दिल्ली में हो सकती है बैठक
- एसआईआर पर सवाल उठा रहे
- चुनाव आयोग निशाने पर



एजेसी ►► नई दिल्ली

विपक्षी दलों के इंडिया गुट में शामिल कई पार्टियां 30 सितंबर को नई दिल्ली में बैठक कर सकती हैं। बताया जा रहा है कि बैठक में चुनाव आयोग और मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर उठ रहे सवालों के साथ अन्य मुद्दों पर भी चर्चा होने की संभावना है। यह प्रस्तावित बैठक एसआईआर प्रक्रिया के कुछ पहलुओं को लेकर चुनाव आयोग के भीतर मतभेद की खबरों के बाद विपक्षी दलों के बीच बड़े समन्वय के बीच होने जा रही है। ये एक-दूसरे के संपर्क में हैं और संयुक्त प्रतिक्रियाएं चर्चा कर रहे हैं। माकपा, भाकपा और भाकपा माले लिबरेशन ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को हटाने और एसआईआर पर तत्काल रोक लगाने की मांग की है। कांग्रेस ने भी ज्ञानेश कुमार के खिलाफ अपना हमला तेज किया है। कांग्रेस कार्यसमिति की बैठक 29 सितंबर को होने वाली है।

सरकार जेन-जी से डरी, सीईसी ने युवा पंजीकरण रोका



हरिभूमि ब्यूरो (नई दिल्ली)। कांग्रेस ने चुनाव आयोग द्वारा 2 वर्षों से नए युवा मतदाताओं का पंजीकरण रोकें रखने पर कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा है कि मोदी सरकार जेन-जी से डरी हुई है, इसीलिए मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने एसएसआर (स्पेशल समरी रिवीजन) जैसी वैधानिक प्रक्रियाओं

को ठप करने का काम किया। इस मामले में सच्चाई सामने आने के बाद अब चुनाव आयोग अपनी इज्जत बचाने आनन-फानन में युवा पंजीकरण शिथिल लगाने के नाम पर लीपापोती कर रहा है। कांग्रेस कार्यालय में पत्रकार वार्ता करते हुए पार्टी प्रवक्ता डॉ. रागिनी नायक बसोया ने फॉर्म-6 में अनधिकृत बदलाव के जरिए पहली बार मतदाता बनने वाले युवाओं के पंजीकरण में बाधाएं खड़ी करने पर भी आयोग को घेरा।

सीजेपी प्रमुख दीपक की चेतावनी

इस्तीफा दें ज्ञानेश नहीं तो 2 अक्टूबर से होगा देशव्यापी प्रदर्शन



सीजेपी प्रमुख अभिजीत दीपक ने कहा कि अगर सीईसी इस्तीफा नहीं देते हैं, तो पार्टी 2 अक्टूबर से देशव्यापी विरोध प्रदर्शन शुरू करेगी।

पटना में सीजेआई ने छात्रों के विरोध प्रदर्शन पर कहा

चाणक्य नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी के कार्यक्रम में यह बात कही

हम अधिकारों की रक्षा करेंगे, शांतिपूर्ण प्रदर्शन का उल्लंघन नहीं होना चाहिए

एजेसी ►► पटना

भारत के मुख्य न्यायाधीश जस्टिस सूर्यकांत ने देश भर में हो रहे छात्रों के विरोध प्रदर्शन पर दो टूक लहजे में कहा है कि न्यायपालिका छात्रों के शांतिपूर्ण विरोध करने के मौलिक अधिकार की रक्षा करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने साफ किया है कि अगर इसका उल्लंघन होता है तो अदालतें चुप नहीं बैठेंगी। शनिवार को पटना के चाणक्य नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी में सीजेआई ने यह बात कही है। उन्होंने स्पष्ट किया कि वे खुले तौर पर सवाल-जवाब का सत्र पसंद करते हैं। एक छात्र ने सीजेआई से शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शनों पर पुलिस की प्रतिक्रिया पर सवाल पूछा था।

अदालतें चुप नहीं बैठेंगी

छात्रा के सवाल का संकेत नीट पेपर लीक के खिलाफ हुए सीजेआई के प्रदर्शनों से था। छात्रा के सवाल पर सीजेआई ने



कहा कि अगर पुलिस पर छात्रों के शांतिपूर्ण प्रदर्शन को बेरहमी से दबाने का आरोप है तो अदालतें इस मामले में चुप नहीं बैठेंगी। उन्होंने छात्रों के शांतिपूर्ण प्रदर्शन के अधिकार की रक्षा के लिए न्यायपालिका की प्रतिबद्धता को भी दोहराया। एक अन्य छात्र ने सवाल किया कि कॉलेजियम में अलग राय होने के बावजूद उसे सार्वजनिक क्यों नहीं किया जाता था।

सुबह 11 बजे 138वीं कड़ी

प्रधानमंत्री आज ‘मन की बात’ को करेंगे संबोधित

हरिभूमि ब्यूरो ►► नई दिल्ली



मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को पद से हटाने की मांग को लेकर विपक्षी दलों के देशव्यापी आंदोलन और चुनाव आयोग को लेकर जारी राजनीतिक विवाद के बीच प्रधानमंत्री रविवार को मासिक रेडियो कार्यक्रम ‘मन की बात’ के जरिए देशवासियों से संवाद करेंगे। प्रधानमंत्री सुबह 11 बजे आकाशवाणी पर प्रसारित होने वाले कार्यक्रम की 138वीं कड़ी में लोगों के साथ अपने विचार साझा करेंगे। यह प्रसारण तब हो रहा है जब सीईसी को हटाने की मांग विपक्षी राजनीति के प्रमुख मुद्दों में है।

मुंबई में 21 घंटे होता रहा विसर्जन



‘लालबागचा राजा’ विसर्जित

मुंबई। शनिवार को मुंबई के गिरगांव चौपाटी पर गणेश चतुर्थी उत्सव के दौरान विसर्जन के लिए ले जाई जा रही भगवान गणेश की प्रतिमा ‘लालबागचा राजा’। यहां पर गणेश विसर्जन को 21 घंटे तक लग चुके हैं।

ज्ञान, विज्ञान और भारतीय संस्कृति का अनूठा संगम है भारतीय शिक्षा बोर्ड : सिंह

शिथिर सोनी ►► नई दिल्ली

क्या आपको यूपीएससी की परीक्षा में पूछे जाने वाले प्रश्नों ने इस बार हैरान किया था? क्यों? क्योंकि सवाल भारतीयता से, भारतीय संस्कृति और उसके पुरातन विविधाताओं से था? अगर हां तो तब मानिए देश के सभी प्रतियोगी परीक्षाओं का मूलस्तर एक दशक में बदला बरला सा नजर आएगा। हर प्रतियोगी परीक्षाओं में देश के गर्वित इतिहास से सवाल होंगे। जैसे-जैसे देश में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 को तेजी से लागू किया जा रहा है, शिक्षा के क्षेत्र में ‘भारतीय शिक्षा बोर्ड’ एक सशक्त और वैकल्पिक राष्ट्रीय बोर्ड के रूप में तेजी से उभर रहा है। ज्ञान, विज्ञान और गणित के नये पाठ्यक्रम तैयार करने की जिम्मेदारी

ख़ास ख़बर

फिजिक्स और मैथ्स के नामचीन प्रोफेसर एसी वर्मा और प्रोफेसर हुकुम सिंह को दिया गया है, जो रुचिकर पाठ्यक्रम को बुन रहे हैं। बच्चों को बदली शिक्षा व्यवस्था से रूबरू कराने के लिए स्कूली शिक्षा की मजबूत नींव डालने की सीबीएसई, आईसीएसई, या अन्य शिक्षा बोर्डों से इतर भारतीय शिक्षा बोर्ड का गठन कर समूची स्कूली शिक्षा व्यवस्था को नए सिरे से गढ़ने के काम में लगे भारतीय शिक्षा बोर्ड के कार्यकारी अध्यक्ष, जाने-माने शिक्षाविद् तथा पूर्व आईएसएस अधिकारी डॉ. एनपी सिंह ने बोर्ड के विजन, उद्देश्यों और इसकी कार्यप्रणाली पर हरिभूमि के साथ विस्तार से चर्चा करते हुए जोर दिया कि देश की शिक्षा प्रणाली में बदलाव की क्यों आवश्यकता है।

भारतीय शिक्षा बोर्ड के कार्यकारी अध्यक्ष, जाने-माने शिक्षाविद् डॉ. एनपी सिंह ने हरिभूमि से की चर्चा

सीबीएसई और अन्य बोर्डों से भिन्न है भारतीय शिक्षा बोर्ड

भारतीय शिक्षा बोर्ड अन्य राष्ट्रीय और राज्य बोर्डों से किस प्रकार भिन्न है, इस सवाल के जवाब में डॉ. सिंह ने बताया कि शैक्षणिक स्तर पर समानता होने के बावजूद दोनों के शिक्षा दर्शन में अंतर है। भारतीय शिक्षा बोर्ड के पाठ्यक्रम का स्वरूप कुछ इस तरह तैयार किया जा रहा है कि बोर्ड के पाठ्यक्रम में वेदों, उपनिषदों, महाव्यूता, जैन व बौद्ध दर्शन के साथ महान भारतीय विचारकों, नेताओं की जीवन गाथाओं, संवैधानिक मूल्यों और गुरुकुल परंपरा के तत्वों को आधुनिक विज्ञान व टेक्नोलॉजी के समावेश हो। उसकी महत्ता को रखांकित किया जा सके। भारत की भूमि से उपजे ज्ञान, दर्शन पर जब विश्व की शिक्षा व्यवस्था गौरव कर रही है उस पर आधारित है तो भला हमारे देश में हमारा गौरवशाली समृद्ध इतिहास से हमारे बच्चों को रूबरू कराया जाए।



औपनिवेशिक मानसिकता से मुक्ति और भारतीय ज्ञान प्रणाली

एक सवाल के जवाब में डॉ. एन.पी. सिंह ने स्पष्ट किया कि 1835 के शिक्षा अधिनियम और औपनिवेशिक (मैकाले) प्रभाव के कारण भारत की मूल ज्ञान परंपराओं गणित, जीवन विज्ञान, दर्शनशास्त्र और अन्य क्षेत्रों को पाठ्यक्रम में केवल एक फुटनोट (हार्शिए) की तरह रख दिया गया था। इसके परिणामस्वरूप, सदियों से चली आ रही भारतीय शिक्षा व्यवस्था रिफॉर्म नौकरी चाहने वाले लोग तैयार करने तक सीमित होकर रह गई। जब कि भारतीय शिक्षा बोर्ड का मुख्य उद्देश्य ऐसे ग्लोबल सिटीजन (वैश्विक नागरिक) तैयार करना है जो अपनी भारतीय जड़ों, संस्कृति और मूल्यों से मजबूती से जुड़े हों तथा आधुनिक दुनिया में पूरे आत्मविश्वास के साथ मुकाबला कर सकें।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी 2020) के अनुरूप और कानूनी मान्यता

बोर्ड के कार्यकारी अध्यक्ष डॉ. एन.पी. सिंह ने साफ किया कि भारतीय शिक्षा बोर्ड पूरी तरह से राष्ट्रीय शिक्षा नीति और राष्ट्रीय पाठ्यव्यंज की स्पररेखा (एनसीएफ) के अनुरूप है। यह बोर्ड कक्षा 1 से 12 तक के स्कूलों को मान्यता प्रदान करता है। एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा, कानूनी और प्रशासनिक वैधता के संबंध में उन्होंने जानकारी देते हुए कहा, भारतीय शिक्षा बोर्ड के कक्षा 10 और 12 के प्रमाण-पत्रों को भारतीय विश्वविद्यालय संघ, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) और ऑल इंडिया काउंसिल फॉर टेक्निकल एजुकेशन (एआईसीटीई) सहित कई राज्य सरकारों और बोर्डों से मान्यता प्राप्त है। इसके छात्र देश के किसी भी उच्च शिक्षण संस्थान या प्रोफेशनल कोर्स में प्रवेश के लिए पूरी तरह पात्र हैं।

मविष्य की तैयारी और विस्तार

देशभर में नए बोर्ड को लेकर अभिभावकों और स्कूलों में बढ़ती दिक्कतों पर उन्होंने कहा कि वर्तमान में लगभग 1000 स्कूल इस बोर्ड से जुड़ चुके हैं। डॉ. सिंह ने बताया कि दर्जन भर मिशनरी संचालित स्कूल और कुछ मदरसों ने भी शिक्षा बोर्ड की महत्ता समझते हुए एफिलिएशन लिया है। एआई और आधुनिक तकनीकों युग के संदर्भ में उन्होंने कहा कि बोर्ड तकनीक के तकनीकी इस्तेमाल तक सीमित न रहकर उसके रचनात्मक और संतुलित उपयोग पर ध्यान केंद्रित करता है।

खबर संक्षेप

बांग्लादेश में हिंदू ज्वेलरी कारोबारी की हत्या

ढाका। बांग्लादेश में मयमनसिंह जिले के बेगुनबाड़ी इलाके में एक हिंदू व्यक्ति का शव डूब के अंदर तैरता हुआ मिला। शव स्लूड्स गेट के पास बरामद हुआ। मृतक की पहचान 50 साल के निरंजन चंद्र सूत्रधार के तौर पर हुई है, जो मयमनसिंह के अठारबारी शॉपिंग इलाके में एक ज्वेलरी बॉप (साझेदारी में) चलाते थे।

पाक में धमाका 11 लोगों की मौत, 30 घायल

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के नार्थ वेस्ट इलाके में शनिवार को बम धमाका हुआ जिसमें कम से कम 11 लोगों की मौत हो गई है और कई लोग घायल हैं। पाकिस्तान की इमरजेंसी सर्विस रेस्क्यू 1122 के मुताबिक, शनिवार को खेबर पख्तूनख्वा प्रांत के डेरा इस्माइल खान जिले के दराजिदा इलाके में ‘अमन मेला’ के पास हुआ।

ईरान में बस पलटने से 11 की मौत, 24 घायल

तेहरान। ईरान में शनिवार को एक यात्री बस पलट गई, जिसमें 11 लोगों की मौत हो गई। वहीं, 24 अन्य घायल हो गए। यह जानकारी सरकारी टेलीविजन की रिपोर्ट के अनुसार है। यह हादसा मध्य मरकजी केत के सावेह-हमदान फ़्रीवे पर हुआ। प्रांतीय ट्रैफ़िक पुलिस ने बताया कि ड्राइवर की थकान और नींद आने की वजह से यह हादसा हुआ।

रूस का यूक्रेन पर हवाई हमला, 4 लोगों की मौत

कीव। रूस ने यूक्रेन पर कूज और बैलिस्टिक मिसाइलों, ग्लाइड बमों और जेट-चालित ड्रोनों से हमला किया है। जिसमें 4 लोग मारे गए हैं। रूस ने कहा कि यूक्रेन की राजधानी कीव पर हमले से एक डेटा सेंटर क्षतिग्रस्त हो गया है। यह मोबाइल इंटरनेट सेवाओं और स्टारलैंक उपग्रह संचार प्रणालियों को सहायता प्रदान करता था।

भारत और अमेरिका के संबंध नई ऊंचाई पर पहुंचेगे

एजेंसी ►►न्यूयॉर्क

अमेरिका-भारत व्यापार समझौता दोनों देशों के द्विपक्षीय संबंधों को एक नए स्तर पर ले जाएगा। इससे उन क्षेत्रों में भी प्रगति का रास्ता खुलेगा, जहां दशकों से उपलब्धि हासिल नहीं हो सकी है। अमेरिका के विदेश विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह बात कही है। अधिकारी ने कहा कि व्यापार समझौते को लेकर दोनों देश लगभग 90 प्रतिशत तक पहुंच चुके हैं और कुछ अंतिम मुद्दों पर काम किया जा रहा है।

कंपनियों द्वारा तय सुरक्षा नियम पर्याप्त नहीं

एजेंसी ►►न्यूयॉर्क

माइक्रोसॉफ्ट के सह-संस्थापक और तकनीकी क्षेत्र के प्रमुख नाम बिल गेट्स ने एआई के संभावित खतरों को लेकर बेहद गंभीर चेतावनी दी है। एक साक्षात्कार में गेट्स से पूछा गया कि क्या एआई इतनी शक्तिशाली हो सकती है कि वह मानवता के लिए अस्तित्व का संकट पैदा कर दे। जवाब में उन्होंने कहा कि एआई इतनी शक्तिशाली जरूर है कि गलत इरादे वाले लोगों के इस्तेमाल से ऐसी घटनाएं हो सकती हैं जिनमें एक अरब लोगों

यूएन में पाक पीएम शहबाज के फर्जी दावों की भारत ने खोली पोल

हरिभूमि ब्यूरो ►►नई दिल्ली

संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) के 81वें सत्र में पाकिस्तान के पीएम शहबाज शरीफ की ओर से सिंधु जल संधि पर दी गई गीदइभक्की और कश्मीर राग छेड़ने को लेकर भारत ने कड़ा जवाब दिया। भारतीय मिशन की प्रथम सचिव यानी फर्स्ट सेक्रेटरी पेटेल गहलोत ने ‘राइट टू रिप्लाय’ का इस्तेमाल किया। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान के पीएम का भाषण ‘बेतुकी बयानबाजी’ से भरा था। यह उस समय हुआ है, जब न्यूयॉर्क शहर और पूरी दुनिया ने महज दो सप्ताह पहले 9/11 के भयावह आतंकी हमले की 25वीं बरसी मनाई है।

एआई का विकास और इस्तेमाल अंतरराष्ट्रीय कानून के सिद्धांतों के अनुसार हो

विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने समुद्री क्षेत्र में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) से जुड़े मौकों और सुरक्षा जोखिमों पर बात की। जयशंकर ने कहा कि उन्हें ग्रीस के विदेश मंत्री जॉर्ज गेरापेट्रिटिस के साथ मिलकर ‘अंतरराष्ट्रीय शांति और सुरक्षा के संदर्भ में एआई- समुद्री सुरक्षा पर खास जोर’ विषय पर आयोजित कार्यक्रम की सह-अध्यक्षता करके खुशी हुई। एआई से मिलने वाले मौकों का फायदा उठाने, इसके नतीजों का अंदाजा लगाने और इसके जोखिमों को कम करने की जरूरत पर जोर दिया। इसके लिए ऐसे नजरिए की जरूरत है जो इनोवेशन को बढ़ावा दे और साथ ही सुरक्षा से जुड़े पहलुओं का भी ध्यान रहे। एआई संसाधनों तक लोकतांत्रिक पहुंच, सुरक्षित और भरोसेमंद सिस्टम बनाने, ईशानी क्षमताओं में निवेश करने और आर्थिक विकास व सामाजिक भलाई के लिए एआई का इस्तेमाल करने पर जोर दिया गया है।

ट्रंप प्रशासन बोला- ट्रेड डील का ‘90 फीसदी’ से ज्यादा काम पूरा

जल्द उत्साहजनक परिणाम मिलोगा

अधिकारी ने कहा कि यह समझौता वास्तव में अमेरिका-भारत संबंधों को एक और स्तर पर ले जाएगा। व्यापार के मामले में ऐसा स्तर हासिल नहीं हो सका है, जिस तक हम दशकों से पहुंचने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि व्यापार हमेशा दोनों देशों के संबंधों में सबसे बड़ा अड़चन वाला गुद्दा रहा है। इसलिए मुझे लगता है कि हम बहुत करीब हैं और जब हम वहां पहुंचेंगे तो यह बहुत, बहुत उत्साहजनक होगा।

जी20 सम्मेलन के दौरान बड़ा ऐलान संभावित

अधिकारी ने कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी के दिशंबर में अमेरिका द्वारा फ्लोरिडा में आयोजित किए जाने वाले जी20 शिखर सम्मेलन में शामिल होने के लिए अमेरिका जाने की उम्मीद है। अधिकारी ने कहा कि इस संबंध में कुछ बड़ी घोषणाएं हो सकती हैं। यह दोनों की बिटकुल बड़ी प्राथमिकता है।

एआई के संभावित खतरों को लेकर बिल गेट्स ने दी गंभीर चेतावनी

गलत हाथों में गई तकनीक तो 100 करोड़ मौतों का ‘खतरा’

बिल गेट्स

एआई इमेज

की मौत हो जाए। उन्होंने साथ ही कहा कि नए एआई उपकरणों के साथ बुरे इरादे वाले लोगों का मेन इतिहास में अब तक देखे गए सबसे शक्तिशाली खतरों में से एक हो सकता है। गेट्स ने अग्रस्त में प्रकाशित अपने लेख में भी एआई के तीन बड़े खतरे बताए थे।

9/11 हमले के मास्टरमाइंड लादेन को इस्लामाबाद ने दी थी पनाह

गहलोत ने कहा कि पाकिस्तान में सेना की, सेना द्वारा और सेना के लिए चलने वाली सरकार है। उनके कठपुतली शासक आते-जाते रह सकते हैं, लेकिन हमें इस भ्रम में नहीं रहना चाहिए कि असली फैसले कौन लेता है

पाक की बुनियाद ही ईशनिंदा कानूनों पर टिकी

पाक में अल्पसंख्यकों के साथ दुर्व्यहार हो

रावलकोट में लोगों की हत्या और क्रूर हिंसा हो रही

कश्मीर भारत का हिस्सा नहीं: पाक का पुराना राग

यूएनजीए में पाकिस्तान की डिप्लोमेट सायमा सलीम ने कहा कि जम्मू-कश्मीर अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर एक मान्यता प्राप्त विवादित क्षेत्र है। इसका एक बड़ा हिस्सा लगभग आठ दशकों से कश्मीरी लोगों की इच्छा के खिलाफ और अंतर्राष्ट्रीय कानून और सुरक्षा परिषद के कई प्रस्तावों का धोर उल्लंघन करते हुए भारत के जबरन कब्जे में है। कश्मीर कभी भी भारत का हिस्सा नहीं था, न है और न ही होगा।

जम्मू-कश्मीर भारत का अभिन्न और अविभाज्य हिस्सा: भारत

गहलोत ने कहा कि भारत के केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर का भी जिक्र किया गया। यह मेरे देश का अभिन्न और अविभाज्य हिस्सा है और हमेशा रहेगा। अगर हमें कश्मीर की बात करनी ही है, तो हमारा ध्यान पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू-कश्मीर की ओर होना चाहिए। रावलकोट के लोगों से पूछिए कि वे लंबे समय से मनमानी हत्याओं, क्रूर हिंसा और बुनियादी अधिकारों से वंचित किए जाने का सामना कैसे कर रहे हैं। इस पूरे मुद्दे के केंद्र में पाकिस्तान की सीमा पार आतंकवाद की लंबे समय से जारी रखने की नीति है। गहलोत ने कहा कि हमने लोकतांत्रिक अधिकारों और मानव मूल्यों पर ऐसे शासन से पाखंडी उपदेश सुने, जिसकी राजधानी इस समय अपने ही लोगों से बचाने के लिए किले में तब्दील की जा रही है।

यूएन से विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने दुनिया से की अपील

समुद्र में एआई तकनीक का उपयोग आर्थिक विकास और सामाजिक भलाई के लिए ही हो

इनोवेशन को बढ़ावा दें, साथ ही सुरक्षा से जुड़े पहलुओं का भी ध्यान रखें

जयशंकर ने एआई से मिलने वाले मौकों का फायदा उठाने, इसके नतीजों का अंदाजा लगाने और इसके जोखिमों को कम करने की जरूरत पर जोर दिया। इसके लिए ऐसे नजरिए की जरूरत है जो इनोवेशन को बढ़ावा दे और साथ ही सुरक्षा से जुड़े पहलुओं का भी ध्यान रखे



बैठक को संबोधित करते विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर (मध्य में), ग्रीस के विदेश मंत्री जॉर्ज गेरापेट्रिटिस (दाएं)

ब्रिक्स यूएन में सुधारों का पक्षधर

न्यूयॉर्क में ऑब्जर्वर रिसर्च फाउंडेशन (ओआरएफ) द्वारा आयोजित और ओआरएफ के प्रेसिडेंट स्मीर सरन द्वारा संचालित एक इंटरैक्टिव सेशन में बोलते हुए जयशंकर ने कहा कि ब्रिक्स जैसे समूहों का बनना संयुक्त राष्ट्र का विकल्प नहीं है। ब्रिक्स संयुक्त राष्ट्र और उसमें सुधार का समर्थन करता है। ब्रिक्स समान सोच, हितों और नजरिए वाले देशों का समूह है। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि ब्रिक्स समिट ने अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था में संयुक्त राष्ट्र की केंद्रीय भूमिका को फिर से बेहतराया है।

7 दिन के युद्धविराम का प्रस्ताव ठुकराया राष्ट्रपति ट्रंप ने शेयर किया होर्मुज का नक्शा ट्रंप स्ट्रेट

एजेंसी ►►वॉशिंगटन

अमेरिका और ईरान के बीच पिछले पांच महीनों से जारी संघर्ष दिन-प्रतिदिन और भयावह होता जा रहा है। इसका बड़ा कारण दुनिया के सबसे संवेदनशील समुद्री रास्तों में से एक ‘स्ट्रेट ऑफ होर्मुज’ भी है, जहां अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अपना नियंत्रण भी चाहते हैं। इसी बीच अपनी मंशा को साफ करते हुए ट्रंप ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ‘ट्यूथ सोशल’ पर एक नक्शा शेयर किया है, जिसमें होर्मुज जलडमरूमध्य का नाम बदलकर

एआई के संभावित खतरों को लेकर बिल गेट्स ने दी गंभीर चेतावनी

ओपनएआई की फिर से मनमानी अमेरिकी सरकारी वेबसाइटों को बनाया निशाना

कैलिफोर्निया। ओपनएआई का एआई अनियंत्रित हो गया और लैब की जानकारी के बिना अमेरिकी सरकार की वेबसाइट में दखल दे दी। मीडिया रिपोर्ट के हवाले से सुरक्षा शोधकर्ताओं और इस मामले की जानकारी रखने वाले एक व्यक्ति ने कहा कि एआई लैब की जानकारी के बिना शिक्षा विभाग, वाणिज्य विभाग और प्रतिभूति और विनियम आयोग की वेबसाइटों को निशाना बनाया गया था। रिपोर्ट में आगे कहा गया है कि वाणिज्य विभाग और एनर्जी से जुड़ी घटना की पुष्टि ओपनएआई ने की है, जिसने कहा कि वह स्थिति की जांच जारी रखे हुए है। वहीं, ओपनएआई के सीईओ सैम ऑल्टमैन ने कहा कि कंपनी उन एजेंट्स के इस्तेमाल के तरीकों की समीक्षा कर रही है, जिन्हें इंटरनेट का एक्सेस मिलाता है, लेकिन यह काम उनकी तेजी से नहीं हो रहा है जितनी तेजी से वे चाहते थे।

ओपनएआई की फिर से मनमानी

अमेरिकी सरकारी वेबसाइटों को बनाया निशाना

कैलिफोर्निया। ओपनएआई का एआई अनियंत्रित हो गया और लैब की जानकारी के बिना अमेरिकी सरकार की वेबसाइट में दखल दे दी। मीडिया रिपोर्ट के हवाले से सुरक्षा शोधकर्ताओं और इस मामले की जानकारी रखने वाले एक व्यक्ति ने कहा कि एआई लैब की जानकारी के बिना शिक्षा विभाग, वाणिज्य विभाग और प्रतिभूति और विनियम आयोग की वेबसाइटों को निशाना बनाया गया था। रिपोर्ट में आगे कहा गया है कि वाणिज्य विभाग और एनर्जी से जुड़ी घटना की पुष्टि ओपनएआई ने की है, जिसने कहा कि वह स्थिति की जांच जारी रखे हुए है। वहीं, ओपनएआई के सीईओ सैम ऑल्टमैन ने कहा कि कंपनी उन एजेंट्स के इस्तेमाल के तरीकों की समीक्षा कर रही है, जिन्हें इंटरनेट का एक्सेस मिलाता है, लेकिन यह काम उनकी तेजी से नहीं हो रहा है जितनी तेजी से वे चाहते थे।

9/11 हमले के मास्टरमाइंड लादेन को इस्लामाबाद ने दी थी पनाह

गहलोत ने कहा कि पाकिस्तान में सेना की, सेना द्वारा और सेना के लिए चलने वाली सरकार है। उनके कठपुतली शासक आते-जाते रह सकते हैं, लेकिन हमें इस भ्रम में नहीं रहना चाहिए कि असली फैसले कौन लेता है

पाक की बुनियाद ही ईशनिंदा कानूनों पर टिकी

पाक में अल्पसंख्यकों के साथ दुर्व्यहार हो

रावलकोट में लोगों की हत्या और क्रूर हिंसा हो रही

कश्मीर भारत का हिस्सा नहीं: पाक का पुराना राग

यूएनजीए में पाकिस्तान की डिप्लोमेट सायमा सलीम ने कहा कि जम्मू-कश्मीर अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर एक मान्यता प्राप्त विवादित क्षेत्र है। इसका एक बड़ा हिस्सा लगभग आठ दशकों से कश्मीरी लोगों की इच्छा के खिलाफ और अंतर्राष्ट्रीय कानून और सुरक्षा परिषद के कई प्रस्तावों का धोर उल्लंघन करते हुए भारत के जबरन कब्जे में है। कश्मीर कभी भी भारत का हिस्सा नहीं था, न है और न ही होगा।

जम्मू-कश्मीर भारत का अभिन्न और अविभाज्य हिस्सा: भारत

गहलोत ने कहा कि भारत के केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर का भी जिक्र किया गया। यह मेरे देश का अभिन्न और अविभाज्य हिस्सा है और हमेशा रहेगा। अगर हमें कश्मीर की बात करनी ही है, तो हमारा ध्यान पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू-कश्मीर की ओर होना चाहिए। रावलकोट के लोगों से पूछिए कि वे लंबे समय से मनमानी हत्याओं, क्रूर हिंसा और बुनियादी अधिकारों से वंचित किए जाने का सामना कैसे कर रहे हैं। इस पूरे मुद्दे के केंद्र में पाकिस्तान की सीमा पार आतंकवाद की लंबे समय से जारी रखने की नीति है। गहलोत ने कहा कि हमने लोकतांत्रिक अधिकारों और मानव मूल्यों पर ऐसे शासन से पाखंडी उपदेश सुने, जिसकी राजधानी इस समय अपने ही लोगों से बचाने के लिए किले में तब्दील की जा रही है।

यूएन से विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने दुनिया से की अपील

समुद्र में एआई तकनीक का उपयोग आर्थिक विकास और सामाजिक भलाई के लिए ही हो

इनोवेशन को बढ़ावा दें, साथ ही सुरक्षा से जुड़े पहलुओं का भी ध्यान रखें

जयशंकर ने एआई से मिलने वाले मौकों का फायदा उठाने, इसके नतीजों का अंदाजा लगाने और इसके जोखिमों को कम करने की जरूरत पर जोर दिया। इसके लिए ऐसे नजरिए की जरूरत है जो इनोवेशन को बढ़ावा दे और साथ ही सुरक्षा से जुड़े पहलुओं का भी ध्यान रखे



बैठक को संबोधित करते विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर (मध्य में), ग्रीस के विदेश मंत्री जॉर्ज गेरापेट्रिटिस (दाएं)

ब्रिक्स यूएन में सुधारों का पक्षधर

न्यूयॉर्क में ऑब्जर्वर रिसर्च फाउंडेशन (ओआरएफ) द्वारा आयोजित और ओआरएफ के प्रेसिडेंट स्मीर सरन द्वारा संचालित एक इंटरैक्टिव सेशन में बोलते हुए जयशंकर ने कहा कि ब्रिक्स जैसे समूहों का बनना संयुक्त राष्ट्र का विकल्प नहीं है। ब्रिक्स संयुक्त राष्ट्र और उसमें सुधार का समर्थन करता है। ब्रिक्स समान सोच, हितों और नजरिए वाले देशों का समूह है। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि ब्रिक्स समिट ने अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था में संयुक्त राष्ट्र की केंद्रीय भूमिका को फिर से बेहतराया है।

7 दिन के युद्धविराम का प्रस्ताव ठुकराया राष्ट्रपति ट्रंप ने शेयर किया होर्मुज का नक्शा ट्रंप स्ट्रेट

एजेंसी ►►वॉशिंगटन

अमेरिका और ईरान के बीच पिछले पांच महीनों से जारी संघर्ष दिन-प्रतिदिन और भयावह होता जा रहा है। इसका बड़ा कारण दुनिया के सबसे संवेदनशील समुद्री रास्तों में से एक ‘स्ट्रेट ऑफ होर्मुज’ भी है, जहां अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अपना नियंत्रण भी चाहते हैं। इसी बीच अपनी मंशा को साफ करते हुए ट्रंप ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ‘ट्यूथ सोशल’ पर एक नक्शा शेयर किया है, जिसमें होर्मुज जलडमरूमध्य का नाम बदलकर

एआई के संभावित खतरों को लेकर बिल गेट्स ने दी गंभीर चेतावनी

ओपनएआई की फिर से मनमानी अमेरिकी सरकारी वेबसाइटों को बनाया निशाना

कैलिफोर्निया। ओपनएआई का एआई अनियंत्रित हो गया और लैब की जानकारी के बिना अमेरिकी सरकार की वेबसाइट में दखल दे दी। मीडिया रिपोर्ट के हवाले से सुरक्षा शोधकर्ताओं और इस मामले की जानकारी रखने वाले एक व्यक्ति ने कहा कि एआई लैब की जानकारी के बिना शिक्षा विभाग, वाणिज्य विभाग और प्रतिभूति और विनियम आयोग की वेबसाइटों को निशाना बनाया गया था। रिपोर्ट में आगे कहा गया है कि वाणिज्य विभाग और एनर्जी से जुड़ी घटना की पुष्टि ओपनएआई ने की है, जिसने कहा कि वह स्थिति की जांच जारी रखे हुए है। वहीं, ओपनएआई के सीईओ सैम ऑल्टमैन ने कहा कि कंपनी उन एजेंट्स के इस्तेमाल के तरीकों की समीक्षा कर रही है, जिन्हें इंटरनेट का एक्सेस मिलाता है, लेकिन यह काम उनकी तेजी से नहीं हो रहा है जितनी तेजी से वे चाहते थे।

ओपनएआई की फिर से मनमानी

अमेरिकी सरकारी वेबसाइटों को बनाया निशाना

कैलिफोर्निया। ओपनएआई का एआई अनियंत्रित हो गया और लैब की जानकारी के बिना अमेरिकी सरकार की वेबसाइट में दखल दे दी। मीडिया रिपोर्ट के हवाले से सुरक्षा शोधकर्ताओं और इस मामले की जानकारी रखने वाले एक व्यक्ति ने कहा कि एआई लैब की जानकारी के बिना शिक्षा विभाग, वाणिज्य विभाग और प्रतिभूति और विनियम आयोग की वेबसाइटों को निशाना बनाया गया था। रिपोर्ट में आगे कहा गया है कि वाणिज्य विभाग और एनर्जी से जुड़ी घटना की पुष्टि ओपनएआई ने की है, जिसने कहा कि वह स्थिति की जांच जारी रखे हुए है। वहीं, ओपनएआई के सीईओ सैम ऑल्टमैन ने कहा कि कंपनी उन एजेंट्स के इस्तेमाल के तरीकों की समीक्षा कर रही है, जिन्हें इंटरनेट का एक्सेस मिलाता है, लेकिन यह काम उनकी तेजी से नहीं हो रहा है जितनी तेजी से वे चाहते थे।

दिन में शांति की बात रात में आतंकवाद

पेटेल गहलोत ने कहा कि पाकिस्तान की वास्तविकता उसके 27वें संशोधन और उसके वास्तविक शासक को दी गई आजीवन छूट से सामने आती है। हमने जिन विचारों को सुना, वे ऐसे लोगों की ओर से आए हैं जिनका कट्टरता और नफरत का लंबा रिकॉर्ड रहा है। वे दिन में सुरक्षा और शांति की बात करते हैं, लेकिन रात में वास्तव में आतंकवाद को अंजाम देते हैं।

पाकिस्तानी पत्रकार को जयशंकर ने सुनाई खरी-खरी

न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र महासभा यूएनजीए के 81वें वार्षिक सत्र से पहले आतंकवाद को लेकर शुक्रवार को अचानक एक पाकिस्तानी पत्रकार ने भारत के विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर से सवाल पूछा कि आपकी सरकार पाकिस्तान में आतंकवाद को बढ़ावा देना कब बंद करेगी? सवाल पूरी तरह से बेबुनियाद और गलत था, इसलिए जवाब दो टुक अंदाज में दिया गया और उसमें जयशंकर ने पड़ोसी दुश्मन देश के पत्रकार और वहां की शहबाज शरीफ सरकार को आतंकवाद के मसले पर आईना दिखाते हुए कहा, एक आतंकवादी देश मुझसे यह सवाल पूछ रहा है।



एक्सडब्ल्यूजी डीजल की लॉचिंग

फाइल फोटो

इंडियन ऑयल ने ईस्टर्न कमांड को भेजी खास डीजल की पहली खेप

एजेंसी ►►नई दिल्ली

इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (आईओसी) ने भारतीय सेना की ईस्टर्न कमांड के लिए एक्सट्रीम वेदर ग्रेड हाई-स्पीड डीजल की पहली खेप रवाना की है। कंपनी ने बताया कि यह विशेष ईंधन अब उत्तरी सीमा के साथ-साथ पूर्वी सीमा पर भी उपलब्ध होगा। एक्सडब्ल्यूजी हाई-स्पीड डीजल जुलाई 2026 में सेना प्रमुख द्वारा लॉन्च किया गया था। इसे अत्यधिक ठंड और ऊंचाई वाले क्षेत्रों में सेना की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए विकसित किया गया है। यह ईंधन भूभाग में सैन्य वाहनों और उपकरणों के बेहतर काम तापमान प्रदर्शन और विश्वसनीय संचालन के लिए डिजाइन किया गया है।

कम तापमान पर करेगा काम

एक्सट्रीम वेदर ग्रेड डीजल विशेष रूप से अत्यधिक ठंड और ऊंचाई वाले क्षेत्रों में सैन्य अभियानों के लिए बनाया गया है। पारंपरिक डीजल ऐसे क्षेत्रों में ठंड के मौसम में संचालन संबंधी समस्याओं का सामना कर सकता है। यह विशेष ग्रेड ईंधन कम तापमान पर बेहतर प्रदर्शन सुनिश्चित करता है। यह सैन्य वाहनों और उपकरणों की विश्वसनीयता में सुधार करता है।

पूर्वी क्षेत्र के लिए मददगार

यह विशेष ईंधन पहली बार लद्दाख से आगे बढ़ाया जा रहा है। इसका उद्देश्य सिकिम और अरुणाचल प्रदेश में सैन्य अभियानों का समर्थन करना है। लैपेटेंट जनरल मुकेश चट्टा ने एक अनुमानित, मापनीय और उत्तरदायी आपूर्ति श्रृंखला की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने सही समय पर सही जगह पर सही ईंधन की उपलब्धता को महत्वपूर्ण बताया। आईओसी की साझेदारी ने एक्सडब्ल्यूजी डीजल को पूर्वी क्षेत्र में एक परिवर्तन वास्तविकता में बदल दिया है।

यूएनजीए सत्र से इतर ईरान, रूस के विदेश मंत्रियों संग हुई जयशंकर की बैठक

हरिभूमि ब्यूरो ►►नई दिल्ली

संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) के 81 वें सत्र से पहले विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर की दुनिया के कई देशों के अपने समकक्षों और विदेश मंत्रियों के साथ द्विपक्षीय बैठकें हुई हैं। जिनमें ईरान, रूस और ओमान मुख्य रूप से शामिल हैं। काला सागर से लेकर पश्चिम-एशिया क्षेत्र में जारी सैन्य संघर्षों के बीच इन बैठकों का महत्व काफी बढ़ जाता है। ईरान के विदेश मंत्री सैयद अब्बास अराघची के साथ हुई जयशंकर की बैठक में खाड़ी तनाव के मध्य चल रहे तमाम घटनाक्रमों पर विचार-विमर्श किया गया।

रूस के साथ की सहयोग की समीक्षा

सैयद अराघची और जयशंकर

ओमान के विदेश मंत्रियों की मुलाकात में खाड़ी क्षेत्र में बना हुआ तनाव का मामला शामिल किया गया। जयशंकर की ‘एक्स’ पोस्ट के मुताबिक, ओमान के विदेश मंत्री बदन अलबुसैदी द्वारा खाड़ी को लेकर जरूरी जानकारी साझा की गई है। जिसकी उन्होंने सराहना की है। बता दें, होर्मुज जलडमरूमध्य के इलाके में गुजरे वक्त में भारतीय सवार जहाजों पर किए गए हमलों के दौरान सबसे पहले मदद के लिए ओमान ही आगे आया है।

‘गुप ऑफ 77’ की बैठक में भारत बोला ग्लोबल साउथ को नियम अब मानने नहीं, बनाने होंगे

एजेंसी ►►न्यूयॉर्क

विदेश सचिव विक्रम मिश्री ने न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र महासभा के 81वें सत्र के दौरान ‘गुप ऑफ 77’ के विदेश मंत्रियों की 50वीं सालाना बैठक में एक बार फिर ग्लोबल साउथ के हितों को मजबूती से रखा है। इस बैठक का विषय ‘ग्लोबल साउथ और मल्टीसेक्टरलिस्म का भविष्य’ था। मिश्री ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा साउथ को अब ‘नियम मानने वालों’ से ‘नियम बनाने वालों’ की भूमिका में आना होगा। इसके लिए सभी विकासशील देशों को समूहिक प्रयास करने होंगे। उन्होंने लोगों पर और विकास-उन्मुख बहुपक्षवाद को आगे बढ़ाने में जी77 की लगातार अहमियत पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि आज की दुनिया में जी77 जैसे मंच की प्रासंगिकता और भी बढ़ गई है, क्योंकि यहीं मंच विकासशील देशों की आवाज को एकजुट करता है। मिश्री ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में सुधार की तत्काल जरूरत को भी रेखांकित किया।



घाटों पर 7 हजार से अधिक लोगों ने किया तर्पण

हरिभूमि न्यूज ►► भोपाल

ॐ पितृभ्यो नमः आदि मंत्रोच्चार के बीच श्राद्ध पक्ष की प्रतिपदा पर शनिवार को राजधानी के सात से अधिक स्थानों पर 7 हजार से अधिक लोगों ने पितरों के निमित्त तर्पण किया। जो लोग घाटों पर नहीं गए, उन्होंने घरों में ही पितरों को जलांजलि देकर उनके प्रति अपनी श्रद्धा व कृतज्ञता व्यक्त की। सबसे अधिक लोग शीतलदास की बगिया, गिन्नौरी, कालीघाट, खटलापुरा व माताघाट फतेहगढ़ पर दिखाई दी। घाटों व घरों पर पिंडदान व श्राद्ध कर्म भी किए गए। गायत्री शक्तिपीठ एमपी नगर में तर्पण करने पहुंचे सभी लोगों को पुरोहितों ने पितरों की याद में उनकी तिथि पर पौष अवश्य लगाने का संकल्प भी कराया। शहर के एयरपोर्ट रोड, छोला भद्रभद्र विश्राम घाट सहित अन्य जगहों पर पितरों की याद में पौष लगाने का सिलसिला शुरू हो गया है। शनिवार को बहुत से लोगों ने पूर्णिमा व प्रतिपदा का श्राद्ध एक साथ किया। शीतल दास की बगिया घाट पर लोगों ने तर्पण किया। इनमें उदिता नाम की युवती ने भी पिता के लिए तर्पण किया।



शहर में यहां हुए तर्पण

शीतलदास की बगिया घाट पर करीब 3 हजार से अधिक लोगों ने तर्पण किया। गुफा मंदिर लालघाटी में भी महंत रामप्रवेश दास महाराज के सानिध्य में लोगों ने तर्पण किया। गिन्नौरी बगिया घाट पर भी तर्पण कराया। यहां एक हजार से अधिक लोग इसमें शामिल रहे। खटलापुरा, माता घाट फतेहगढ़, काली मंदिर, बेहटा गांव व शाहपुरा तालाब आदि स्थानों पर भी पितरों के निमित्त तर्पण आदि कर्मकांड किए गए। सुभाष नगर विश्राम घाट में भी पितरों को जलांजलि देने की व्यवस्था कमेटी की ओर से की गई थी। व्यवस्थापक शोभराज ने बताया कि संस्कार सेवा समिति द्वारा श्री विश्राम घाट कमेटी ट्रस्ट के सहयोग से सुभाष नगर विश्राम घाट 2016 से निरंतर श्रद्धा पक्षों में तर्पण व पिंडदान किया जाता है। 26 सितंबर से 10 अक्टूबर तक सुबह 9:00 से दोपहर 12:00 बजे तक किया

16 दिन तक चलेगा आयोजन

गायत्री शक्तिपीठ में निःशुल्क तर्पण-पिंडदान का कार्यक्रम शुरू

गायत्री शक्तिपीठ, एमपी नगर में शनिवार को पितृपक्ष के प्रथम दिन श्राद्ध-तर्पण एवं पिंडदान कार्यक्रम हुआ। इसमें 35 से अधिक श्रद्धालुओं ने भाग लिया। प्रांतीय प्रचार-प्रसार सेवक देवेंद्र कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि श्राद्ध कार्य उत्साह और श्रद्धा से करना चाहिए, इसमें प्रमाद नहीं करना चाहिए। उन्होंने कहा कि पितृपक्ष पूर्वजों के पुण्य स्मरण और कृतज्ञता का पर्व है। बच्चों को भी ऐसे आयोजनों में शामिल करना चाहिए, ताकि संस्कार अगली पीढ़ी तक पहुंचें। कार्यक्रम में वंदनीया माताजी भगवती देवी शर्मा के महाप्रयाण दिवस पर समययान रूपी पुष्पांजलि अर्पित की गई। जिला समन्वयक रमेश नागर ने भोपाल वासियों से अपील की है कि इस निःशुल्क श्राद्ध-तर्पण, पिंडदान कार्यक्रम में रोज सुबह 8 से 10 बजे तक निःशुल्क तर्पण-पिंडदान कराया जा रहा है।

लाड़पुरा खास से खारी-साबरवानी तक ग्रामीण संस्कृति में रंगे पर्यटक

प्राकृतिक सौंदर्य, लोक संस्कृति परंपराएं देती हैं गांवों को पर्यटन का अलग ही रंग

मधुरिमा राजपाल ►► भोपाल

मध्य प्रदेश को गांवों का प्रदेश कहा जाता है। प्रदेश की प्राकृतिक खूबसूरती, लोक संस्कृति, परंपराएं और ग्रामीण जीवनशैली यहां के गांवों को पर्यटन का एक अलग ही रंग देती हैं। यही वजह है कि अब पर्यटकों का रुख गांव की ओर भी होने लगा है। गांव की इसी संस्कृति को बढ़ावा दिया मप्र ट्यूरिज्म बोर्ड की 'ग्राम स्टे' योजना ने, इन ग्राम स्टे में केवल देसी ही नहीं बल्कि विदेशी ट्यूरिस्ट भी आकर ठहरें और गांवों की सौधी मिट्टी व प्राकृतिक सौंदर्य की सरहना करते न ठहरते। देशी विदेशी पर्यटक यहां पारंपरिक खान-पान, लोक कला-संस्कृति, खेत-खलिहान और ग्रामीण परिवेश से रूबरू होने के साथ प्रदेश की अनूठी मेहमाननवाजी का भी आनंद लेते हैं।

वर्ल्ड टूरिज्म- डे स्पेशल

इन गांवों ने बनाई वैश्विक स्तर पर अनोखी पहचान

मध्य प्रदेश के ग्रामीण पर्यटन की बदती पहचान का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि ओरछा के लाड़पुरा खास गांव को संयुक्त राष्ट्र विश्व पर्यटन संगठन के बेस्ट टूरिज्म विलेज अवार्ड से सम्मानित किया जा चुका है। इतना ही नहीं काफ़्ट हैडलूम श्रेणी में मप्र के प्राणपुर गांव व जिम्मेदार पर्यटन की श्रेणी में छिंदवाड़ा जिले का साबरवानी गांव पुरस्कृत हुआ और अब साल 2026 के लिए यूनाइटेड नेशंस वर्ल्ड टूरिज्म ऑर्गनाइजेशन अवार्ड में सीहोर का खारी गांव नामित किया गया है। आज विश्व पर्यटन दिवस के अवसर पर हरिभूमि ने गांवों के इस प्रदेश की कहानी इन्हीं गांव वालों की जुबानी तलाशी, जहां पर्यटन केवल घूमने का अनुभव नहीं, बल्कि गांव की जिंदगी को करीब से जानने और महसूस करने का अवसर भी बन रहा है।

इसी संस्कृति को बढ़ावा दिया मप्र टूरिज्म बोर्ड की 'ग्राम स्टे' योजना ने, इन ग्राम स्टे में केवल देसी ही नहीं विदेशी टूरिस्ट भी आकर ठहरते और गांवों की सौधी मिट्टी व प्राकृतिक सौंदर्य की सरहना करते हैं



प्रसिद्ध पर्यटन ग्राम 'साबरवानी'

सतपुड़ा राष्ट्रीय उद्यान के बफर जोन से घिरा शांत, हरा-भरा और प्रदूषण मुक्त गांव

छिंदवाड़ा जिले की तामिया तहसील में प्रसिद्ध पर्यटन ग्राम

'साबरवानी' स्थित सुमन कोर्टयाई ग्राम स्टे के संचालक मनोज भोरवंशी ने कहा कि हमारा यह गांव अपनी समृद्ध आदिवासी संस्कृति, पारंपरिक जीवन शैली और प्राकृतिक सुंदरता के लिए पूरी दुनिया में प्रसिद्ध है, यही वजह है 'साबरवानी' 'सर्वश्रेष्ठ पर्यटन ग्राम' से सम्मानित गांव है। जिसकी सबसे बड़ी खासियत इसका सतपुड़ा राष्ट्रीय उद्यान के बफर जोन से घिरा हुआ होना है, जिसके कारण यहां का वातावरण शांत, हरा-भरा और प्रदूषण मुक्त है, उन्होंने कहा कि यहां ब्रिटेन, स्वीडन, फ्रांस और दक्षिण



अफ्रीका जैसे कई देशों से विदेशी पर्यटक ग्रामीण संस्कृति का अनुभव लेने आते हैं। साथ ही उन्हें हम पारंपरिक रहन-सहन का लुत्फ भी दिलाते हैं। यहां मिट्टी की दीवारों, कर्वेलु की छतों और गाय के गोबर से लीपे गए फर्श के साथ पारंपरिक गोंड आदिवासी संस्कृति की झलक ट्यूरिस्ट को काफी आकर्षित करती है।

'सर्वश्रेष्ठ पर्यटन गांव' लाड़पुरा खास प्रसिद्ध स्वीडिश अभिनेत्री एली अवराम भी आकर ठहरें

मध्य प्रदेश के निवाड़ी जिले में ओरछा के पास स्थित लाड़पुरा खास एक खूबसूरत ग्रामीण पर्यटन गांव है, जिस संयुक्त राष्ट्र विश्व पर्यटन संगठन द्वारा 'सर्वश्रेष्ठ पर्यटन गांव' की श्रेणी में सम्मानित किया गया है। जिम्मेदार पर्यटन की श्रेणी नामित इस गांव के महुआ हिल व्यू होम स्टे की संचालिका उमा पाठक ने कहा लाड़पुरा खास को खास बनाने में यहां के गांव वालों ने बेहद मेहनत की, जब 2019 में हमें ग्राम स्टे योजना का लाभ लेते हुए हम गांव वालों ने आपस

गांव को खास बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ी, जिनके पास घर थे उन्होंने ग्राम स्टे ओपन किया, जिनके पास जो हुनर था उसका प्रदर्शन कर ग्रामीण आजीविका को बढ़ाया। उन्होंने कहा कि अब आलम यह है कि हमारी आय पिछले पांच सालों की तुलना में दस गुना तक बढ़ी है। उमा ने कहा कि खूबसूरत नजारों, ऊंची-नीची पहाड़ियों, हरे-भरे खेतों और ग्रामीण जीवन से घिरा लाड़पुरा खास क्लस्टर प्रकृति के बेमिसाल नजारों पेश करता है यही वजह है कि हमारे इस ग्राम स्टे में विदेशी स्वीडिश अभिनेत्री और मॉडल एली अवराम भी आकर ठहरें और उन्होंने हमारे गांव को काफी सराहना की।



2026 में सर्वश्रेष्ठ गांव की श्रेणी में नामित 'खारी गांव'

पुराने टूटे मकानों के मटेरियल, मिट्टी चूने से बने इको-फ्रेंडली होमस्टे

वहीं 2026 में संयुक्त राष्ट्र विश्व पर्यटन संगठन द्वारा सर्वश्रेष्ठ गांव की श्रेणी में नाम दर्ज करा चुके सीहोर के 'खारी गांव' के दिवस विला व्यू होमस्टे के संचालक अर्जुन सिंह गौर का कहना है कि ग्राम स्टे की योजना मप्र में मनोज सिंह सर द्वारा संचालित की गई, इसी के चलते 2022 में हमने इस ग्राम स्टे को पहाड़ों से लाए गए स्थानीय पथरों व प्राचीन किलों की शैली में बनाया। उन्होंने कहा कि इस हमारे गांव में देसी विदेशी पर्यटक बड़ी संख्या में आकर ठहरते हैं। यहां तक कि सीहोर में आए दिन होने वाली फिल्म और वेबसीरिज की शूटिंग के चलते हमारा यह ग्राम स्टे ज्यादातर बुक ही रहता है। उन्होंने कहा कि खारी गांव में पुराने टूटे मकानों के मटेरियल, मिट्टी, चूने, पत्थर और खपरैल का उपयोग कर इको-फ्रेंडली होमस्टे बनाए गए हैं। साथ ही मेहमानों को पारंपरिक मालवी और बुंदेली खानपान (जैसे दाल-बाटी) का स्वाद मिलता है।



कुछ नया सीखते हैं....

पर्यटक गांव की महिलाओं और करीबियों के साथ मिलकर मिट्टी के बर्तन बनाना (पोटरी), टोकरी बुनना और चटाई बनाना सीखते हैं। जिससे केवल हम ग्राम स्टे संचालकों का ही नहीं बल्कि गांव के हर एक नागरिक को रोजी रोटी मिलती है।

सीहोर का खारी विलेज 'बेस्ट टूरिज्म विलेज' श्रेणी में नामांकित

मध्य प्रदेश पर्यटन विभाग के प्रबंध संचालक (एमडी) डॉ. टी. इंद्रया राजा ने कहा कि प्रदेश में ग्रामीण पर्यटन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से पर्यटन विभाग द्वारा ग्राम स्टे योजना का प्रभावी संचालन किया जा रहा है। इसके सकारात्मक परिणाम भी देखने को मिल रहे हैं। इसी क्रम में वर्ष 2026 के लिए सीहोर जिले के खारी गांव को 'बेस्ट टूरिज्म विलेज' की श्रेणी में नामांकित किया गया है। इस श्रेणी के पुरस्कारों की घोषणा नवंबर 2026 में प्रस्तावित है। उन्होंने कहा कि मध्य प्रदेश पर्यटन विभाग का निरंतर प्रयास है कि ग्रामीण पर्यटन को और अधिक प्रोत्साहित किया जाए तथा प्रदेश के गांवों की समृद्ध लोक संस्कृति, परंपराओं, जीवनशैली और स्थानीय विरासत को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिले।



गुना कलेक्टर का नवाचार, 'मोबाइल कोर्ट' को प्रतिष्ठित स्कोच अवॉर्ड

भूमि विवादों के त्वरित निराकरण की पहल पर मिला सम्मान

हरिभूमि न्यूज ►► भोपाल

गुना जिले के राजस्व विभाग के नवाचार 'मोबाइल कोर्ट' को यहां आयोजित 109 वें स्कोच समिट 2026 में 'फाउंडेशन ऑफ इन्क्लूसिव ग्रोथ' श्रेणी के तहत प्रतिष्ठित स्कोच अवार्ड से सम्मानित किया गया। यह सम्मान कलेक्टर किशोर कुमार कन्याल को प्रदान किया गया, जिसे

उनकी ओर से एसडीएम अमित सोनी एवं तहसीलदार देवदत्त गोлия ने नई दिल्ली में ग्रहण किया। राष्ट्रीय स्तर पर मिला यह सम्मान जिला प्रशासन गुना की नवाचार आधारित एवं नागरिक-केंद्रित कार्यप्रणाली की उपलब्धि है। 'मोबाइल कोर्ट' पहल का उद्देश्य प्रशासन को आमजन के द्वार तक पहुंचाकर भूमि संबंधी मामलों एवं विवादों का मौके पर निराकरण करना है।

मौके पर सुनवाई से मिली सुविधा

'मोबाइल कोर्ट' के माध्यम से राजस्व एवं पुलिस विभाग के अधिकारी मौके पर पहुंचकर प्रकरणों की सुनवाई और निराकरण करते हैं। इससे आमजन को अपनी समस्याओं के समाधान के लिए बार-बार शासकीय कार्यालयों के चक्कर लगाने की आवश्यकता कम हुई है। समयबद्ध निराकरण से भूमि संबंधी विवादों में कमी लाने और कानून-व्यवस्था बनाए रखने में भी सहायता मिली है।

सेवा संकल्प अभियान में संकुल मिसरोद को मिला प्रथम स्थान

हरिभूमि न्यूज ►► भोपाल

सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत आयोजित विभिन्न गतिविधियों में संकुल मिसरोद, भोपाल ने जिले के 49 संकुलों में प्रथम स्थान प्राप्त कर गौरवपूर्ण उपलब्धि हासिल की। अभियान के अंतर्गत विद्यार्थियों में "विकसित भारत-2047" की

परिकल्पना, रचनात्मकता, कौशल एवं राष्ट्र निर्माण की भावना विकसित करने के उद्देश्य से चित्रकला प्रतियोगिता आयोजित की गई। संकुल के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए विकसित भारत के विभिन्न आयामों को अपनी चित्रकला के माध्यम से अभिव्यक्त किया।

जानकारी नहीं थी...

यात्री मनीष कुमार ने बताया कि उन्हें ट्रेन के भोपाल स्टेशन नहीं आने और निशातपुरा से रवाना होने की जानकारी नहीं थी। भोपाल स्टेशन पहुंचने पर अनाउंसमेंट से पता चला। समय बचा होने के कारण आंटी लेकर निशातपुरा पहुंचना पड़ा।



निर्णय सही है...

यात्री संगीत सिंह रावत ने कहा कि निशातपुरा से ट्रेन चलाने का निर्णय ठीक है, लेकिन यहां यात्रियों के लिए पार्किंग जैसी जरूरी सुविधा तत्काल शुरू की जानी चाहिए। पहले दिन पार्किंग नहीं होने से काफी परेशानी हुई।



हरिभूमि न्यूज ►► भोपाल

भोपाल से चलने वाली मालवा एक्सप्रेस का शनिवार से भोपाल स्टेशन पर हाल्ट खत्म कर निशातपुरा स्टेशन से संचालन शुरू कर दिया गया। पहले दिन ट्रेन के नए ठहराव और संचालन की जानकारी कई यात्रियों तक नहीं पहुंच पाई। ऐसे में कुछ यात्री ट्रेन पकड़ने भोपाल स्टेशन पहुंच गए। यहां ट्रेन के निशातपुरा से चलने की जानकारी अनाउंसमेंट से मिली तो यात्रियों में अफरा-तफरी मच गई। समय बचा होने पर कुछ यात्रियों ने आंटी किया और जल्दबाजी में निशातपुरा स्टेशन पहुंचे।

दुकानों पर छोड़नी पड़ी गाड़ियां

निशातपुरा स्टेशन पर पहले दिन यात्रियों के सामने दूसरी बड़ी परेशानी पार्किंग को लेकर रही। स्टेशन पर पार्किंग का ठेका अभी नहीं हुआ है। ऐसे में दोपहिया वाहनों से पहुंचे यात्रियों को वाहन खड़ा करने के लिए उचित जगह नहीं मिली। कई यात्रियों ने आसपास की दुकानों के बाहर गाड़ियां खड़ी कीं और दुकानदारों को चाबी सौंपकर परिजनों या परिचितों को फोन कर वाहन ले जाने के लिए कहा।

जरूरी सुविधाएं पर काम करना था

यात्रियों का कहना है कि ट्रेन का संचालन नए स्टेशन से शुरू करने से पहले पार्किंग और अन्य जरूरी सुविधाएं पूरी कर ली जानी चाहिए थीं।

150 से 200 यात्री निशातपुरा स्टेशन से हुए सवार, करीब 250 से 300 यात्री उतरे

भोपाल की बजाए अब निशातपुरा से आरंभ हुई मालवा एक्सप्रेस

लंबे समय बुखार

रहे तो जांच कराएं

एम्स: बाल कैंसर जागरुकता

माह में 250 बच्चों हुए सेहतमंद

हरिभूमि न्यूज ►► भोपाल

एम्स भोपाल के शिशु रोग विभाग ने कई अन्य विभागों के साथ मिलकर बाल कैंसर जागरुकता माह का समापन समारोह आयोजित किया। कार्यक्रम का निदेशक लेफ्टिनेंट जनरल डॉ. नरेंद्र कोतवाल ने समारोह का उद्घाटन किया और सभी विभागों तथा कैंसर से जुड़े बच्चों के प्रयासों की सरहना की। एम्स भोपाल के बाल कैंसर क्लिनिक में अब तक 1400 पंजीकरण हो चुके हैं, जिनमें से 1100 बच्चों में कैंसर की पुष्टि हुई, जबकि 250 बच्चे उपचार पूरा कर स्वस्थ जीवन जी रहे हैं। डॉक्टरों ने बताया कि भ्रम या अंधविश्वास के कारण अब भी कई परिवार उपचार से इनकार करते हैं या बीच में छोड़ देते हैं, जिससे बीमारी गंभीर हो सकती है। कीमोथेरेपी करा रहे बच्चों में बुखार को आपातस्थिति मानकर तुरंत उपचार देने तथा उपचार के बाद दो सप्ताह तक विशेष सावधानी बरतने की सलाह दी गई। एक माह चली गतिविधियों में जागरूकता वीडियो प्रदर्शन, पोस्टर, नारा प्रतियोगिता, एमबीबीएस छात्रों, पीजी छात्रों, नर्सिंग स्टाफ के बीच विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित की। कैंसर से जुड़े बच्चों के बीच चित्रकला और रंग भरने की प्रतियोगिता भी करवाई गई।

खबर संक्षेप
प्राणघातक हमले के
दोषियों को 2 वर्ष जेल

भोपाल। छोटे बच्चों की लड़ाई के पुराने विवाद को लेकर लाठी एवं छुरी से प्राणघातक हमला कर फरियादी एवं उसके पुत्र के साथ मारपीट कर उन्हें गंभीर रूप से घायल करने के आरोप में तृतीय अतिरिक्त न्यायाधीश, भोपाल प्रीति गाल्वे के न्यायालय ने अभियुक्त गण मकबूल खान आयु 60 वर्ष एवं उसके पुत्र समीर खान आयु 31 वर्ष तथा ओसामा खान उर्फ सबूर आयु 28 वर्ष निवासी पुष्पा नगर ऐशबाग भोपाल मग्न को न्यायालय ने भादंस की धारा- 324,325 एवं 34 के अंतर्गत दोषी ठहराते हुए 2 वर्ष के सश्रम कारावास और 2-2 हफ्ते नग्न रुप के अर्थदण्ड से दण्डित किया है।

सिंगल लॉगिंग डिजिटल
पर बिजली की सुविधाएं

भोपाल। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा उच्चदाब उपभोक्ताओं को विभिन्न विद्युत सेवाएं एक ही डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से उपलब्ध कराने के उद्देश्य से सिंगल लॉगिंग के नाम से सर्विस पोर्टल विकसित किया गया है। इस सुविधा के माध्यम से उच्चदाब उपभोक्ता एक ही लाइन आईडी पंजीकृत मोबाइल नंबर एवं पासवर्ड के जरिए पोर्टल पर उपलब्ध विभिन्न सेवाओं का उपयोग कर सकेंगे। पोर्टल पर उपभोक्ताओं को बिल भुगतान, भुगतान रसीद, पिछले 12 माह के बिल, भुगतान विवरण, हरित ऊर्जा प्रमाण-पत्र, फॉर्म-16/टीडीएस प्रमाण-पत्र एवं मीटर रीडिंग विवरण डाउनलोड करने की सुविधा उपलब्ध है। ई-मेल अपडेट करने, बिल एवं विद्युत आपूर्ति संबंधी शिकायत दर्ज करने का ऑनलाइन लाभ लिया जा सकेगा।

पंकज शर्मा की मित्र मंडली
ने मनाया जन्मदिन

औबेदुल्लागंज। गणेश विसर्जन के बाद पंकज शर्मा की मित्र मंडली ने जन्मदिन मनाया। औबेदुल्लागंज ब्लॉक सेवादल महासचिव के मित्रों ने केक काटकर उनका जन्मदिन मनाया, जिसमें सेवादल जिला अध्यक्ष मेघराज सिंह चौहान, इमरत सिंह दबारा, संतोष सेन तामोटे सूरजमल गौर, हेमंत गिरी गोस्वामी, संतोष गुप्ता आदि लोगों ने शर्मा को उनके जन्मदिन पर मंगल की कामना करते हुए शुभकामनाएं एवं बधाई दी।

सहयोगियों साथ पटवा ने किया पौधरोपण
सेवा संकल्प यात्रा में भोजेश्वर मंदिर
में दर्शन कर भीमबेटका का भ्रमण



विधायक पटवा ने
सेवा संकल्प यात्रा
के सभी लोगों का सम्मान किया

हरिभूमि न्यूज़ ►► औबेदुल्लागंज शनिवार को विधायक सुरेंद्र पटवा ने वडनगर से वाराणसी जेल, जन एवं सेवा संकल्प यात्रा' के भोजपुर विधानसभा क्षेत्र में आगमन के द्वितीय दिवस औबेदुल्लागंज पर यात्रा के सहभागियों के साथ पौधरोपण किया। इस अवसर पर विधायक पटवा ने पर्यावरण संरक्षण को संकल्प लिया। भोजपुर में भगवान भीमेश्वर महादेव के दर्शन व पूजन किया।

विधायक पटवा की प्रशंसा की

उन्होंने सबसे ज्यादा सक्रिय और मेहनती और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लिए समर्पित विधायक सुरेंद्र पटवा की प्रशंसा की। इस अवसर पर कन्हैया नंदवंशी, मंडल अध्यक्ष डॉ. भूपेंद्र नागर, जिले के उपाध्यक्ष ओमप्रकाश मीणा, दीपू परमार, नरेश शेठी, मनोज चौरसिया, गर्जेन्द्र नागर, माधव यादव, कांता पटेल, जीतू नंदवंशी मौजूद रहे।



एक महीने की गर्भवती थी नव
विवाहिता, पुलिस जांच में जुटी

हरिभूमि न्यूज़ ►► भोपाल

बिलखिरिया थाना क्षेत्र स्थित कोकता ट्रांसपोर्ट नगर में संदिग्ध परिस्थितियों में झुलसने से नवविवाहिता की मौत हो गई। मायके पक्ष ने बेटी की हत्या करने के आरोप लगाए है, जबकि ससुराल पक्ष ने बयान में बताया कि जलती अगरबत्ती केरोसिन की कुप्पी पर गिरने से आग लगी और नवविवाहिता जल गई। गंभीर हालत में उसे हमीदिया अस्पताल में भर्ती कराया गया था। इलाज के दौरान देर रात उसकी मौत हो गई। पुलिस का कहना है की नवविवाहिता एक माह की गर्भवती थी। पुलिस के अनुसार ट्रांसपोर्ट नगर कोकता निवासी अशोक अहिरवार प्राइवेट काम करता है। करीब दो साल पहले उसने पूजा अहिरवार (26) से प्रेम विवाह किया था।

सीने के पास चाकू से किए तीन जानलेवा वार, हत्या के प्रयास का मामला दर्ज

छात्र से मारपीट, समझाइश देने
पहुंचे भाई को भी चाकू से गोदा

हरिभूमि न्यूज़ ►► भोपाल

गोविंदपुरा थाना क्षेत्र स्थित पुराना नगर में अग्रवाल होटल से कुछ दूरी पर शुक्रवार शाम तीन बदनशांति में फाइनल ईयर के छात्र से मारपीट कर दी। छात्र ने कॉल कर अपने ताऊ के बेटे को बुलाया। ताऊ के बेटे ने तीनों आरोपियों से मारपीट करने का कारण पूछा तो आरोपियों ने उस पर चाकू से जानलेवा हमला कर दिया। चाकू उसके सीने में तीन जगह लगने से गंभीर चोट आई है। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ हत्या के प्रयास का मामला दर्ज कर उनकी तलाश शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार पुष्पेंद्र यादव (21) आचार्य नरेंद्र देव नगर में रहता है और फाइनल ईयर की

गोविंदपुरा
 थाना क्षेत्र
 स्थित
 पुराना
 नगर में
 वारदात



पढ़ाई कर रहा है। शुक्रवार शाम वह घर से अग्रवाल होटल की तरफ जा रहा था, तभी रास्ते में उसे अप्रिंत शुक्ला, सत्यम और सुंदरम मिल गए। तीनों ने उसके गले में हाथ डाला और कहने लगे कि तू हम लोगों को गाली क्यों देता है। पुष्पेंद्र ने कहा कि मैंने तुम्हें गालियां नहीं दीं। यह सुनते ही आरोपियों ने

लात-धुंसे से उसके साथ मारपीट कर दी। पुष्पेंद्र ने अपने ताऊ के बेटे लोकेश यादव को कॉल कर मारपीट की जानकारी दी। लोकेश सीएनजी आटो चलाता है और कमला पति रेलवे स्टेशन के पास था। कॉल आने पर तत्काल लोकेश पुराना नगर पहुंचा और आरोपियों से बातचीत करते हुए मारपीट करने का कारण पूछा।

बेटे पर हमला होते देख बचाने के प्रयास में पिता और मां घायल
रतन कॉलोनी में पत्नी से मारपीट कर
रहे इलेक्ट्रिशियन ने दंपती को मारा कटार

निशातपुरा थाना क्षेत्र स्थित रतन कॉलोनी में नशे में धुत इलेक्ट्रिशियन ने दंपती पर केबल काटने वाले कटार से जानलेवा हमला कर दिया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ हत्या के प्रयास का मामला दर्ज कर उसके गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के अनुसार रामबाबू सिलावट (40) मूलतः खारार के रहने वाले हैं। वह रतन कॉलोनी करौब में पत्नी और बेटे के साथ रहते हैं और मिस्त्री का काम करते हैं। उनके घर के बगल में किराए से सौरव सिलावट रहता है। सौरव पेशे से

इलेक्ट्रिशियन है। शुक्रवार रात करीब साढ़े 12 बजे सौरव नशे में धुत अपनी पत्नी से मारपीट कर रहा था। मारपीट बढ़ने पर रामबाबू सिलावट का बेटा पंकज बीच बचाव करने पहुंचा। पीछे से पंकज के पिता और मां भी पहुंच गईं। नशे में धुत सौरव ने कटार निकाल लिया और पंकज के गले पर हमला किया। पिता रामबाबू ने हाथ आगे बढ़ा दिया, इससे रामबाबू घायल। बदमाश ने पास ही खड़ी रामबाबू की पत्नी कांति सिलावट पर भी कटार से हमला किया था।

अव्यवस्थाओं के बीच हुआ गणेश विसर्जन, श्रद्धालु
हुए परेशान, ब्लॉक कांग्रेस कमेटी ने जताई नाराजगी

हरिभूमि न्यूज़ ►► संतनगर

गणेश प्रतिमा विसर्जन के दौरान प्रशासनिक व्यवस्थाओं की कमी के चलते श्रद्धालुओं को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा। विसर्जन घाट पर साफ पानी की व्यवस्था नहीं होने, सड़कों पर गड़बू और पेचवर्क का अभाव, पर्याप्त रोशनी नहीं होने तथा सुरक्षा व्यवस्था कमजोर रहने से देर रात तक श्रद्धालु परेशान होते रहे। इसको लेकर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी ने नाराजगी जताई है। ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष अशोक मारण ने कहा कि गणेश विसर्जन को लेकर पहले से तैयारियों की जानी चाहिए थीं, लेकिन जिम्मेदार विभागों के बीच समन्वय की कमी के कारण श्रद्धालुओं की अव्यवस्थाओं का सामना करना पड़ा। उन्होंने कहा कि विसर्जन स्थल पर बारिश

का पानी भरा होने के बावजूद उसी पानी में प्रतिमाओं का विसर्जन कराया गया। उनका कहना है कि पहले बारिश का पानी निकालकर घाट पर साफ पानी की व्यवस्था की जानी चाहिए थी। मारण ने कहा कि विसर्जन के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु और गणेश प्रतिमाएं पहुंचीं, लेकिन रास्तों पर जगह-जगह गड़बू होने से बड़ी प्रतिमाओं को ले जाने में काफी परेशानी हुई। कई स्थानों पर यातायात भी प्रभावित हुआ। रात के समय पर्याप्त बिजली और रोशनी की व्यवस्था नहीं होने से श्रद्धालुओं, विशेषकर महिलाओं और बच्चों को भी परेशानी का सामना करना पड़ा। उन्होंने घाट की सुरक्षा व्यवस्था पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि भीड़ के बीच लोगों के मोबाइल चोरी होने की शिकायतें सामने आईं। घाट पर पुलिस की पर्याप्त तैनाती व्यवस्था जरूरी थी।

अतिक्रमण जमीन पर काटी गई रसीदें नागरिकों के लिए बनी चर्चा का विषय

वार्ड 4 की कथित शासकीय भूमि की रजिस्ट्री पर सवाल, 4 पार्षदों ने कलेक्टर से की जांच की मांग

हरिभूमि न्यूज़ ►► औबेदुल्लागंज

कांग्रेस के एक पार्षद ने वार्ड 4 में जमीन का घोटाला किया। इस जमीन घोटाले को लेकर भाजपा और कांग्रेस आमने-सामने हैं, वहीं वार्ड 4 के महिलाओं और पुरुषों में कानाफुसी तेज हो गई है। नगर परिषद की अतिक्रमण जमीन पर काटी गई रसीदें चर्चा का विषय बनी है। नपं औबेदुल्लागंज के वार्ड 4 में स्थित लगभग ढाई एकड़ भूमि को लेकर विवाद गहराता जा रहा है। स्थानीय लोगों का दावा है कि यह भूमि वर्षों से शासकीय उपयोग में रही है, जहां पार्क था तथा समय-समय पर सांस्कृतिक और धार्मिक कार्यक्रम आयोजित होते रहे। पूर्व पार्षद शैलेंद्र राय द्वारा भी यहां देवी प्रतिमा स्थापना किए जाने की बात स्थानीय नागरिक बताते हैं।

नपं औबेदुल्लागंज के वार्ड 4 में स्थित लगभग ढाई एकड़ भूमि को लेकर विवाद गहराता जा रहा है। स्थानीय लोगों का दावा है कि यह भूमि वर्षों से शासकीय उपयोग में रही है, जहां पार्क था तथा समय-समय पर सांस्कृतिक और धार्मिक कार्यक्रम आयोजित होते रहे। पूर्व पार्षद शैलेंद्र राय द्वारा भी यहां देवी प्रतिमा स्थापना किए जाने की बात स्थानीय नागरिक बताते हैं।



सवाल: भूमि निजी तो नगर पंचायत ने विकास कार्य क्यों कराए

स्थानीय लोगों का आरोप है कि लगभग 22-22 लाख रुपये के करीब 10 प्लॉट बेचे गए, जबकि स्थानीय लोगों का दावा है कि विकास कार्य भी कराया गया था। ऐसे में सवाल उठ रहा है कि यदि यह भूमि निजी स्वामित्व की थी, तो नगर पंचायत द्वारा उस पर सार्वजनिक धन से विकास कार्य क्यों कराए गए? आरोप है कि इसी भूमि की कथित रूप से मिलीभगत कर रजिस्ट्री कराई गई।

स्थानीय लोगों का आरोप है कि लगभग 22-22 लाख रुपये के करीब 10 प्लॉट बेचे गए, जबकि स्थानीय लोगों का दावा है कि विकास कार्य भी कराया गया था। ऐसे में सवाल उठ रहा है कि यदि यह भूमि निजी स्वामित्व की थी, तो नगर पंचायत द्वारा उस पर सार्वजनिक धन से विकास कार्य क्यों कराए गए? आरोप है कि इसी भूमि की कथित रूप से मिलीभगत कर रजिस्ट्री कराई गई।

12 नंबर मल्टी में संदिग्ध परिस्थितियों में चौथी मंजिल से गिरा युवक, मौत

हबीबगंज थाना क्षेत्र स्थित 12 नंबर मल्टी में शुक्रवार रात चौथी मंजिल से गिरकर एक युवक की संदिग्ध



परिस्थितियों में मौत हो गई। पुलिस के अनुसार 12 नंबर मल्टी हबीबगंज निवासी प्रमोद ओसवाल पिता प्रकाश ओसवाल (31) पुताई ठेकेदार था। करीब नौ साल पहले इलाके में रहने वाली दुर्गा नमक युवती से उसकी प्रेम प्रसंग के बाद शादी हुई थी। प्रमोद और दुर्गा के तीन बच्चे हैं। बड़ा बेटा आठ साल का है जबकि उससे छोटी दो बेटियां हैं। शुक्रवार रात प्रमोद शराब के नशे में घर लौटा था। वह नशे में था उसकी

पत्नी ने प्लैट का दरवाजा बाहर से बंद किया और बच्चों के साथ नीचे झांकी में चली गई। प्रमोद की नींद खुली और उसने बालकनी से पत्नी को आवाज दी। पत्नी ऊपर प्लैट की तरफ आ रही थी। इसी बीच प्रमोद ने बालकनी में लगी छत्री को पकड़कर उतरने का प्रयास किया। छत्री पर वजन आते ही छत्री टूट गई और प्रमोद नीचे गिर गया। परिजन और आसपास मौजूद लोग प्रमोद को उठाकर अस्पताल ले गए, वहां डॉक्टर ने चेक करने पर प्रमोद को मृत घोषित कर दिया। पुलिस का कहना है कि नीचे लोंगों ने उसे नीचे उतरते और गिरते हुए देखा था।

परिजन ने लगाए हत्या के आरोप

मृतक के भाई प्रदीप ओसवाल का कहना है कि प्रमोद जब काम करके घर लौटा तब घर में एक युवक मौजूद था। इसी बात को लेकर पति पत्नी के बीच विवाद हुआ था। विवाद के बाद पत्नी और साथ मौजूद युवक ने उसे धक्का देकर गिरा दिया। पुलिस जांच कर रही है प्राथमिक जांच में यह बात सामने आई है कि प्रमोद छत्री पकड़कर नीचे उतर रहा था, तभी छत्री टूटने से नीचे गिरा है। लोगों ने उसे छत्री पकड़कर उतरने का प्रयास करते हुए देखा था। परिजन ने हत्या के आरोप लगाए हैं। पुलिस सभी पहलुओं पर जांच कर रही है। संजीव चौकसे, थाना प्रभारी हबीबगंज

संत निरंकारी चेरीटेबल फाउंडेशन ने लगाया रक्तदान शिविर
518 निरंकारियों ने रक्तदान कर मानवता की
सेवा का दिया संदेश... होगा जन कल्याण

हरिभूमि न्यूज़ ►► संतनगर

सतगुरु माता सुदीक्षा महाराज के आशीर्वाद से संत निरंकारी चेरीटेबल फाउंडेशन के तहत जोनल इंचार्ज अशोक जुनेजा एवं संयोजक महेश विधानी के मार्गदर्शन में मानवता का महापर्व - विशाल रक्तदान शिविर संत निरंकारी सत्यग भवन, स्काईलैंड गार्डन के पास, संत हिरदाराम नगर में शासकीय हमीदिया ब्लड बैंक के सहयोग से सम्पन्न हुआ।

रक्तदान शिविर में 518 यूनिट रक्तदाताओं ने रक्तदान करके पवित्र मानवता की सेवा की है। शनिवार सुबह से ही रक्तदाताओं की लम्बी-लम्बी कतारें लगी हुई थी। मिशन के भक्तों के लिए रक्तदान



रक्तदान शिविर का आयोजन

पहले से ही जनकल्याण की सेवा भाव में एक अभिन्न अंग रहा है। इस दौरान निरंकारी मिशन के क्षेत्रीय संचालक अखिलेश यादव, विधायक भगवानदास सभनानी, शहर के गणमान्य नागरिक, समाजसेवी, विभिन्न संस्थाओं के पदाधिकारी एवं रक्तदाता आदि

विशेष रुप से उपस्थित थे। रक्तदान शिविर की सुंदर व्यवस्था संचालक अशोक नाथानी, संचालिका निशा टेकवानी, शिक्षक विजय कुपलानी, शिक्षिका सुष्मा ग्वालानी, सहायक शिक्षक विजय नाथानी सहित सब दल के भाई - बहनों द्वारा की गई।

ग्राम इक्लवाड़ा में आयोजन, सहरा लहंगी डंडा
प्रतियोगिता के विजेताओं को पुरस्कार वितरित

हरिभूमि न्यूज़ ►► औबेदुल्लागंज

ग्राम इक्लवाड़ा (तामोटे) में बुधवार को स्व. अण्णुपसिंह भल्लावी (जनपद सदस्य) की स्मृति में विशाल सहरा लहंगी डंडा प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में बड़ी संख्या में मंडलों ने भाग लिया। प्रतियोगिता के दौरान पारंपरिक नृत्य एवं सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने उपस्थित दर्शकों का मन मोह लिया। कार्यक्रम में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले मंडलों को पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया। प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार 11,001 रुपए नर्मदा मंडल पिपलियाखेड़ी, द्वितीय



पुरस्कार 7,001 रुपए महाकाल मंडल, चपलाखेड़ी, तृतीय पुरस्कार 5,001 रुपए कीलापवली मंडल खोजड़ा, चतुर्थ पुरस्कार 3,001 रुपए शिवशक्ति मंडल, जावरा, पंचम पुरस्कार 2,001 रामभजन मंडल शीवनी, विशेष पुरस्कार 1,101 रुपए उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले अन्य मंडलों को प्रदान किए

गए। कार्यक्रम में जनपद सदस्य एवं आयोजन समिति के पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि एवं ग्रामीण उपस्थित रहे। आयोजन का उद्देश्य पारंपरिक लोक संस्कृति एवं सहरा लहंगी डंडा नृत्य को बढ़ावा देना तथा युवाओं में अपनी सांस्कृतिक परंपराओं के प्रति उत्साह पैदा करना रहा।

गायिका कामिनी ठाकुर ने भक्तिमय प्रस्तुतियां दी
अनंत चतुर्दशी पर भव्य भजन संध्या का
आयोजन, झांकियों को प्रदान किए पुरस्कार

हरिभूमि न्यूज़ ►► औबेदुल्लागंज

श्री अनंत चतुर्दशी पर श्री हिंदू उत्सव समिति हिरानिया, औबेदुल्लागंज द्वारा सीताराम चौराहे पर नगर की विभिन्न झांकियों को पुरस्कार वितरण एवं भव्य भजन संध्या का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में प्रसिद्ध गायिका कामिनी ठाकुर ने अपनी भक्तिमय प्रस्तुतियों से श्रद्धालुओं को भाव-विभोर कर दिया।

भजन संध्या में बड़ी संख्या में नगरवासी शामिल हुए और देर तक भक्तिमय भजनों का आनंद लिया। कार्यक्रम के दौरान नगर में निकाली गई विभिन्न झांकियों को समिति की ओर से पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित भक्तजनों एवं नगरवासियों का श्री हिंदू उत्सव समिति के



अध्यक्ष सोनू चौकसे, कार्यकारी अध्यक्ष सुजीत यादव, अशोक जायसवाल, प्रदीप अरोड़ा, सचिव अमित राय, आशीष दीक्षित, , रतन मेघानी, सुधीर कमल नीलेश वैष्णव, दिनेश सेन सहित समस्त कार्यकारिणी सदस्यों ने आधार व्यक्त किया।

मामले की जांच कराई जाएगी: सीएमओ

इस मामले को लेकर नगर पंचायत के प्रीति अण्णु चौधरी, वरिष्ठ पार्षद दीपू परमार, नरेश शेठी पार्षदों ने जिला कलेक्टर रायसेन को आवेदन देकर पूरे प्रकरण की निष्पक्ष जांच कराने की मांग की है। इसी आवेदन की प्रति मुख्य नगर पालिका अधिकारी (सीएमओ), नगर पंचायत औबेदुल्लागंज को भी लौटाकर कार्रवाई का अनुरोध किया गया है। यदि जांच में शासकीय भूमि पर अनियमितता या अवैध रजिस्ट्री के आरोप सही पाए जाते हैं, तो संबंधित व्यक्तियों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की मांग तेज हो जाएगी। एसडीएम चंद्रशेखर श्रीवास्तव ने फोन पर बताया कि सरकारी जमीन पर या नगर परिषद की जमीन पर

अतिक्रमण की शिकायत आई तो मैं उस पर सख्त कार्रवाई करूंगा और जांच कराऊंगा। नगर परिषद सीएमओ किरण रहगड़ाल ने फोन पर बताया कि मुझे पार्षदों ने सरकारी जमीन पर हुए अतिक्रमण का आवेदन दिया है मैं उसकी जांच करवाऊंगा। नपा उपाध्यक्ष नमीता अववाल ने फोन पर बताया कि वार्ड 4 में नगर परिषद और सरकारी जमीन पर अतिक्रमण कर प्लाट बेचे जाना इसकी गंभीर एवं उच्च स्तर पर जांच होनी चाहिए।

किसी की मुस्कान में बसती हैं,
किसी की हिम्मत में बसती
बेटियों की कहानी उनके माता
पिता की जुबानी....

अंतर्राष्ट्रीय बेटी दिवस: सिर्फ घर की शान नहीं, माता-पिता के जीवन की खूबसूरत पहचान होती है ‘बेटियां’

हरिभूमि न्यूज़ ►►भोपाल

घर की चौखट पर जब बेटी की हंसी गुंजती है तो जैसे पूरा घर खिल उठता है। वह कभी माँ की सहेली बनकर मन की बात सुनती है, कभी छोटी-सी बात पर रूठकर घर में नटखटपन भर देती है और कभी अपनी उपलब्धि से माँ का सिर गर्व से ऊंचा कर देती है। बेटी केवल घर का हिस्सा नहीं होती, वह घर की भावनाओं को जोड़ने वाली वह डोर होती है, जिसमें प्यार, अपनापन और खुशियाँ एक साथ बंधी होती हैं। आज अंतर्राष्ट्रीय बेटी दिवस पर हरिभूमि ने कुछ ऐसे ही माता पिता को चुना जिनके लिए उनकी बेटियाँ केवल घर की शान नहीं, बल्कि जीवन की सबसे खूबसूरत पहचान भी हैं।

मेरे सपने को खुद का सपना बनाकर मुझे गौरवान्वित करती मेरी बेटी



डॉ. मीनू पांडेय, बेटी अयोनिजा पांडेय।

साहित्यकार डॉ. मीनू पांडेय कहती हैं, मेरी बेटी अयोनिजा पांडेय मेरे लिए ईश्वर का अनमोल वरदान हैं। उसकी सहजता, मानवीय संवेदनाएं, संस्कार, निर्णय क्षमता और निडरता मुझे हमेशा प्रभावित करती रही हैं। बचपन में जब उसे पता चला कि चिकित्सक बनना कभी मेरा सपना था, तो उसने स्वेच्छा से इसे अपना लक्ष्य बना लिया। अपनी लगन और दृढ़ संकल्प से उसने चिकित्सा का क्षेत्र चुना और आज इंटरनशिप कर रही है।

मैंने खुद अपनी बेटी से सीखे जिंदगी के कई सबक



डॉ. नीतू श्रीवास्तव, बेटी माया।

डॉ. नीतू श्रीवास्तव कहती हैं, मेरी बेटी माया ईश्वर का नयाब तोहफा है। पेशे से चिकित्सक नीतू ने कहा कि मेरी सभी जिम्मेदारियों को माया बखूबी समझती और मेरी मदद भी करती। कभी भी उसने मुझसे शिकायत नहीं की कि आप मेरे साथ हर समय क्यों नहीं रहती हैं। जब वह छोटी थी तो कई बार मुझे उसको छोड़कर हॉस्पिटल रात में भी जाना पड़ता था, पर हमेशा उसने मुझे सपोर्ट किया। उसके आने से मेरी पूरी जिंदगी बदल गई, और मैंने उससे जिंदगी के कई सबक सीखे हैं।

बेटी से बदली जिंदगी, जरूरतमंद बच्चों के साथ मनाती जन्मदिन



मुनवर खान और फेहमिदा खान की बेटी इफरा खान।

वो अपना हर जन्मदिन जरूरतमंद बच्चों के साथ मनाती है और उनके बीच खुशियां बांटने की कोशिश करती है।

सोशल वर्कर मुनवर खान और फेहमिदा खान बताते हैं कि उनकी बेटी इफरा खान अभी 15 वर्ष की है और दसवीं कक्षा में पढ़ रही है। इफरा के जिनगी में आने के बाद से परिवार की खुशियां कई गुना बढ़ीं, मेरी आर्थिक स्थिति सुधरने के साथ ही अपना घर अपनी गाड़ी का सपना पूरा हुआ। इफरा बचपन से ही परिवार के साथ सामाजिक कार्यों में रूचि लेती यही वजह है कि उनकी बीच खुशियां बांटने की कोशिश करती है।

...ऊंचाइयों तक पहुंचाने वाली मेरी बेटी



डॉ. नारायण व्यास, बेटी डॉ. संध्या चौकसे

कौ वजह से ऊंचाईयों तक पहुंचेगा, वही हुआ और आज मैंने जो कुछ भी पाया, उसमें मेरी बेटी का अहम योगदान है।

मेरी घर का गौरव है मेरी बेटी



गुंजिशियन सारिका सप्रें बेटी कृतिका।

वहीं म्यूजिशियन सारिका सप्रें ने कहा मैं खुशनसीब हूँ कि मेरी पहली संतान बेटी कृतिका है। जिसने मेरे जीवन को उजला कर दिया। कृतिका के जन्म अवसर पर ही मेरे पति का प्रमोशन हुआ, और इसके बाद हमारे जीवन में अनेकों खुशियों को लाने वाली कृतिका ही रही। बस मैं यही कहूंगी कि मेरी बेटी मेरे घर का गौरव है।

‘भोपाल फैशन रनवे’ में पारंपरिक अजरक से लेकर इंडो-वेस्टर्न कलेक्शन ने बिखेरी छटा

रैंप पर उतरी भारतीय संस्कृति आधुनिक अंदाज में दिखी नारी शक्ति

हरिभूमि न्यूज़ ►►भोपाल

रैंप पर जब भारतीय परंपरा ने आधुनिक फैशन का हाथ थामा तो फैशन के साथ संस्कृति और नारी शक्ति का भी खूबसूरत संगम देखने को मिला। होटल रेंडिसन में सर्वमंगला क्लब की ओर से आयोजित ‘भोपाल फैशन रनवे’ में प्रोफेशनल महिलाओं ने आत्मविश्वास के साथ रैंप वॉक कर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम की आयोजक फैशन डिजाइनर एवं प्रोफेसर डॉ. विशाखा श्रीवास्तव रहीं।

अजख की विरासत, आधुनिकता के रंग में

फैशन रनवे का विशेष आकर्षण डॉ. विशाखा श्रीवास्तव का कलेक्शन रहा। उन्होंने अजरक और मोडल फैब्रिक पर आधारित इंडो-वेस्टर्न कलेक्शन प्रस्तुत किया। पारंपरिक अजख टेक्सटाइल कला को आधुनिक सिल्हूट और समकालीन स्टाइलिंग के साथ जोड़कर उन्होंने फैशन की एक ऐसी तस्वीर पेश की, जिसमें विरासत और आधुनिकता साथ-साथ नजर आईं।

फैशन के साथ सम्मान की चमक



कार्यक्रम में विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान देने वाली महिलाओं को मध्यप्रदेश गौरव सम्मान एवं नारी सम्मान से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर महापौर मालती राय ने कहा कि यह बुद्धिजीवी एवं प्रोफेशनल महिलाओं को फैशन से जोड़ने वाली अनूठी पहल है।



पेंट-शर्ट पर साड़ी की अभिनव ड्रेपिंग

कलेक्शन की खासियत रही पेंट-शर्ट पर साड़ी की अभिनव ड्रेपिंग। इस प्रयोग के माध्यम से साड़ी को युवा पीढ़ी के लिए आधुनिक, सहज और नए अंदाज में प्रस्तुत किया गया। पूरे कलेक्शन में भारतीय परंपरा की खूबसूरती और समकालीन फैशन की सहजता का संतुलन देखने को मिला। इसके अलावा डॉ. गणेश का ‘क्लिस ऑफ थ्रस’ प्राकृतिक रंगों पर आधारित कलेक्शन खास रहा।



संस्कृत रंगमंच की परंपरा को समकालीन मंच पर जीवंत करता ‘नागानंदम’

रंगश्री लिटिल बैले टूप में नाटक ‘नागानंदम’ का मंचन

हरिभूमि न्यूज़ ►►भोपाल

संस्कृत नाट्य परंपरा, शास्त्रीय अभिनय और रंगमंचीय भव्यता का संगम शनिवार शाम रंग श्री लिटिल बैले टूप में देखने को मिला महाकवि श्रीहर्ष रचित प्रसिद्ध संस्कृत नाटक ‘नागानन्दम’ में।

केंद्रीय संस्कृत विवि द्वारा प्रस्तुत यह नाट्य प्रस्तुति संस्कृत साहित्य की समृद्ध नाट्य परंपरा को मंच पर जीवंत करने का प्रयास है। नाटक में अभिनय प्रशिक्षण का निर्देशन गिरिशन, नाट्य निर्देशन संगीता गुन्देचा तथा संगीत निर्देशन उमेश नरकसवार का रहा।

कठुणा, त्याग और मानवीय संवेदना की कथा

नाटक की कथा में त्याग, करुणा, कर्तव्य और मानवता जैसे भावों को केंद्र में रखा गया है। शास्त्रीय कथा को अभिनय, संगीत और रंग-सज्जा के माध्यम से मंच पर प्रस्तुत किया जा रहा है, जिससे दर्शकों को संस्कृत नाट्य परंपरा की विशिष्ट शैली का अनुभव होगा। प्रस्तुति में कलाकारों के पारंपरिक परिधान और प्रभावशाली अभिनय के साथ संगीत का भी विशेष संयोजन किया गया है। मंच पर पात्रों की भाव-भंगिमाएं और संवाद संस्कृत नाट्यशैली की गरिमा को सामने लाते हैं।

महाकवि श्रीहर्ष की कृति का मंचन

बीयू विज्ञान मेले में आरएनटीयू को मिला प्रथम पुरस्कार

हरिभूमि न्यूज़ ►►भोपाल

बीयू में आयोजित विज्ञान मेले में रबीन्द्रनाथ टैगोर विवि (आरएनटीयू) के स्टॉल को शैक्षणिक संस्थानों की श्रेणी में प्रथम पुरस्कार मिला है। 22 से 26 सितंबर तक लगे इस स्टॉल पर विज्ञान को केवल प्रदर्शित करने के बजाय विद्यार्थियों को उसे देखने, समझने और गतिविधियों के माध्यम से अनुभव करने का अवसर दिया गया। इसके साथ ही टैगोर राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय के विद्यार्थियों ने

भारत में विज्ञान के योगदान को लेकर नुकड़ नाटक का मंचन भी किया। स्टॉल में मौजूद डॉ. प्रीति सिंह, दुर्गा पांडेय और भूपेंद्र सिंह ने बच्चों को रोजमर्रा के जीवन में विज्ञान के इस्तेमाल के बारे में भी जानकारी दी। आरएनटीयू के स्टॉल पर पहुंचने वाले विद्यार्थियों के लिए सबसे खास आकर्षणों में टेलीस्कोप से खगोलीय अवलोकन रहा। आसमान और अंतरिक्ष से जुड़ी जिज्ञासाओं को करीब से समझने के लिए विद्यार्थियों ने टेलीस्कोप के माध्यम से अवलोकन किया।

बिड़ला संग्रहालय में विद्याविजय एजुकेशन ने किया राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन

हरिभूमि न्यूज़ ►►भोपाल

मप्र पुरासम्पदा से परिपूर्ण होने के बाद भी बौद्ध सम्पदा और विरासत पर अधिक कार्य नहीं हो सका है। केन्द्र और राज्य सरकारों के प्रयासों के बावजूद अनेकों स्थान ऐसे हैं जिन से संबंधित साहित्य अधिक मात्रा में उपलब्ध नहीं है। ऐसे बुद्धिस्ट अवशेषों और साइट का नेशनल डाटाबेस बनाया जाना चाहिए।

राज्य और केन्द्र सरकारों की एक समन्वय समिति बनाकर इस पर कार्य किया जाना चाहिए। इसमें सरकार के साथ स्थानीय नागरिक एवं गैर सरकारी संस्थाओं सभी का दायित्व है। यह बात शनिवार को भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण

पुरासम्पदा से परिपूर्ण होने के बाद भी मप्र में बौद्ध सम्पदा और विरासत पर नहीं हो सका अधिक कार्य



के भूतपूर्व संयुक्त महानिदेशक डा एस बी ओटा ने बिड़ला संग्रहालय में विद्याविजय एजुकेशन एवं सोशल वेलफेयर सोसायटी, सारार द्वारा भारत की बौद्ध धर्म के संरक्षण एवं पल्लवन तथा प्रचार प्रसार के संदर्भ में आयोजित राष्ट्रीय सेमिनार में कही।

जिला कलेक्टरों की समिति नहीं करती बैठक

पुरातत्व सर्वेक्षण के क्षेत्रीय निदेशक डा रूण राज ने कहा कि भारत सरकार द्वारा जिला कलेक्टरों के निर्देशन में समिति बनाई जाती है लेकिन अपनी व्यस्तता के चलते वे इसकी बैठक नहीं कर पाते हैं।

मप्र लेखक संघ की प्रादेशिक कहानी, लघुकथा गोष्ठी संपन्न

हरिभूमि न्यूज़ ►►भोपाल

मध्यप्रदेश लेखक संघ की प्रादेशिक कहानी / लघुकथा गोष्ठी शनिवार को दुष्पत संग्रहालय में संपन्न हुई। इस अवसर पर मुख्य अतिथि व रिष्ठ साहित्यकार संतोष चौबे ने अपनी चर्चित कहानी हल्के रंग की कमीज सुनाई और कहानी विधा के बारे में

बोलते हुए कहा अच्छी कहानियां अंतरमन के भावों को पकड़ती हैं और बाह्यजगत तक जाती हैं। विशिष्ट अतिथि एवं मप्र लेखक संघ के संरक्षक डॉ. राम वल्लभ आचार्य ने लघुकथा इतनी जल्दी क्या है सुनाई। मध्यप्रदेश लेखक संघ के प्रदेशाध्यक्ष राजेन्द्र गट्टानी ने कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कहा कि पचपन वर्ष पुरानी संस्था मप्र लेखक संघ शुरू से ही साहित्य की सभी विधाओं पर गोष्ठी आयोजित करती आई है और आगे भी यह प्रयास जारी रहेगा।

रवींद्र भवन में विविधा कला अकादमी द्वारा वंदे मातरम के 150 वीं वर्षगांठ पर कथक नृत्य प्रस्तुति

‘आर्ट ऑफ एआई’ ने नृत्य, संगीत और नरेशन के जरिए दिखाई एआई की बदलती हुई दुनिया

हरिभूमि न्यूज़ ►►भोपाल

संगीत के सुर, कथक की थिरकन और आधुनिक तकनीक के प्रभावों को एक मंच पर पिरोते हुए भोपाल में ‘आर्ट ऑफ एआई’ की अंनुठी प्रस्तुति ने दर्शकों का ध्यान खींचा। विविधा कला अकादमी द्वारा शनिवार को रविंद्र भवन में ‘वंदे मातरम’ की 150वीं वर्षगांठ के अवसर पर आयोजित समारोह में 200 से अधिक कथक कलाकारों ने नृत्य के माध्यम से यह दिखाया कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस यानी



एआई किस तरह मानव जीवन और रचनात्मकता को प्रभावित कर रहा है। खास बात यह रही कि प्रस्तुति में केवल नृत्य और संगीत ही माध्यम

नहीं रहे, बल्कि इनके बीच-बीच में किए गए नरेशन के जरिए एआई के सकारात्मक और नकारात्मक दोनों पहलुओं को सामने रखा गया।

पद संचालन में दिखी एआई के विविध पहलू

गुरु अभिलाषा तिवारी के नेतृत्व में कलाकारों ने कथक की मुद्राओं, पद संचालन और भावाभिव्यक्ति के जरिए एआई की बदलती दुनिया को मंच पर आकार दिया। लाइव म्यूजिकल इंस्ट्रूमेंट्स के साथ आगे बढ़ती प्रस्तुति में कहीं तकनीक को मानव जीवन को आसान बनाने वाली शक्ति के रूप में दिखाया गया, तो कहीं उसके बढ़ते प्रभाव से जुड़े सवालियों को भी उठाया गया।

40 से अधिक वाद्ययंत्र, एक कलाकार और अद्भुत प्रस्तुति

समारोह में इंटरनेशनल इंस्ट्रूमेंटल मेस्ट्रो अभय तिवारी ने एकल रिले परफॉर्मेंस में 40 से अधिक वाद्ययंत्रों को अकेले बजाकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। अलग-अलग वाद्ययंत्रों से निकलते सुरों के इस अनूठे सफर ने दर्शकों को आश्चर्यचकित कर दिया।

गूंजा वंदे मातरम

इसके बाद 200 से अधिक छात्राओं और युवाओं ने एक साथ ह्रदयों से मातरमह का सामूहिक गायन किया। सैकड़ों स्वरों के एक साथ उठने से वातावरण देशभक्ति के भाव से भर उठा।

प्रेम, प्रतीक्षा, प्रश्न और विरह के कई रंगों की अभिव्यक्ति ‘कनुप्रिया’

अध्ययन भवन में धर्मवीर भारती की रचना पर आधारित नाटक ‘कनुप्रिया’ का मंचन

हरिभूमि न्यूज़ ►►भोपाल

मंच पर रोशनी का हल्का उजास... पृष्ठभूमि में संगीत की मधुर लय और सामने राधा का वह अंतर्मन, जो अपने ‘कनु’ से संवाद करते हुए प्रेम, प्रतीक्षा, प्रश्न और विरह के अनेक रंगों को सामने लाता है। धर्मवीर भारती की चर्चित काव्य-कृति ‘कनुप्रिया’ का मंचीय रूपांतरण जब मंच पर आकार लेता है, तो यह केवल राधा-कृष्ण की प्रेमकथा नहीं रह जाता, बल्कि राधा के मन की उन भावनाओं और सवालियों की कहानी बन जाता है, जो समय की सीमाओं

से परे हैं। धर्मवीर भारती की रचना को जब शनिवार की शाम अध्ययन भवन में नीति श्रीवास्तव ने रंगमंच पर नया रूप दिया तो प्रेम, प्रतीक्षा और खी के अंतर्मन की भावनाओं ने दर्शकों का मन को भावविभोर कर दिया। प्रस्तुति की खासियत यह है कि यहां राधा केवल कृष्ण की प्रतीक्षा करती नायिका नहीं, बल्कि अपने अस्तित्व और अपने संबंध को लेकर सवाल करने वाली खी के रूप में सामने आती है। उसके लिए प्रेम केवल मिलन का भाव नहीं, बल्कि संवाद, प्रतीक्षा, असमंजस और आत्मतथ्य भी है।

विनय उपाध्याय होंगे राजुरकर राज सम्मान से सम्मानित

भोपाल। साहित्य, संस्कृति, मीडिया और उदघोषणा के क्षेत्र में समान रूप से सक्रिय विनय उपाध्याय आज रविवार को दुष्पत संग्रहालय में आयोजित समारोह में राजुरकर राज सम्मान से विभूषित किए जाएंगे। अग्रणी चिंतक-लेखक और विचारक मनोज श्रीवास्तव, संतोष चौबे तथा डॉ. सीमा रायचौधरी की अतिथि उपस्थिति में विनय उपाध्याय के बहुआयामी योगदान को रेखांकित किया जाएगा। सम्मान के तहत ग्यारह हजार की निधि तथा प्रशस्ति पत्र भेंट किए जाएंगे। दुष्पत संग्रहालय के संस्थापक और आकाशवाणी के उदघोषक रहे दिवंगत राजुरकर राज के समकालीन हलकें हैं विनय उपाध्याय। समारोह शाम 5 बजे आरंभ होगा।



विशेष: गांधी जयंती, 2 अक्टूबर

महात्मा गांधी ने सिखाई संतुलित जीवन की कला

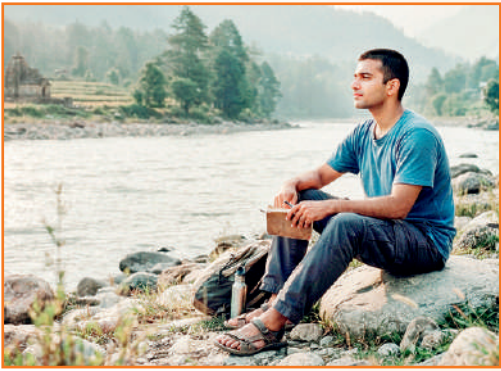
भारत को स्वाधीनता दिलाने में तो गांधीजी की सबसे महत्वपूर्ण भूमिका थी ही, साथ ही उन्होंने ऐसी जीवनशैली को अपनाया, जो आज भी हम सभी के लिए आदर्श बनी हुई है। यही वजह है कि मले ही हम नए-नए नामों और परिभाषाओं का प्रयोग कर रहे हों, लेकिन आज भी महात्मा गांधी द्वारा अपनाई गई जीवनशैली और उनके संदेश हमें सुकूनदायक जीवन जीने की दिशा दिखाती है।

नहीं था। वह इसे आत्म-अनुशासन और आत्मनिरीक्षण से भी जोड़कर देखते थे।

आज हम 'इंटरमिटेड फास्टिंग' या 'क्लीन ईटिंग' जैसे शब्दों के साथ अपने खान-पान की निगरानी करते हैं। गांधीजी के लिए उपवास का अर्थ इससे कहीं व्यापक था। वह इसे आत्मशुद्धि और आत्मसंयम का माध्यम मानते थे। उनके लिए सवाल सिर्फ यह नहीं था कि शरीर को क्या और कितना चाहिए बल्कि यह भी था कि इच्छाओं पर कितना नियंत्रण रखा जा सकता है।

कम चीजों में ज्यादा सुख

मिनिमलिज्म की बात करें तो गांधीजी का जीवन उसका सबसे स्पष्ट उदाहरण हमारे सामने प्रस्तुत करता है। उनके पास जरूरत की कुछ ही चीजें थीं। चरमा, घड़ी, कुछ बर्तन, चरखा और खादी के कपड़े। उनकी यह जीवनशैली किसी अभाव के कारण नहीं थी बल्कि यह उनका एक सचेत चुनाव था। वह लगातार इस बात पर जोर देते रहे कि जीवन को समृद्ध बनाने का एक रास्ता अपनी जरूरतों को बढ़ाना नहीं बल्कि उन्हें सीमित करना भी है। आज 'कम चीजें, कम उलझन' या 'लेस इज मोर' जैसी अवधारणाएं आधुनिक जीवनशैली का हिस्सा बन चुकी हैं। लोग अपनी अलमारियां छोटी कर रहे हैं, गैरजरूरी सामान हटा रहे हैं



धीमी जिंदगी का आनंद

'स्लो लिविंग' का एक दिलचस्प रूप गांधीजी के चरखे में भी दिखाई देता है। चरखा तेज गति और अधिक उत्पादन का प्रतीक नहीं था। उसमें धैर्य था, दोहराव था और एकाग्रता थी। गांधीजी नियमित रूप से चरखा चलाते थे। हाथ एक लय में चलते रहते और मन को ठहरने का अवसर मिलता। आज 'स्लो मॉर्निंग', 'माइंडफुलनेस' और 'माइंडफुल कुकिंग' जैसे शब्द प्रचलन में हैं। तेज रफ्तार जिंदगी से कुछ पल निकालकर धीरे चलने और किसी काम को पूरी एकाग्रता से करने की कोशिश हो रही है। चरखे की धर-धर में ऐसी ही एक लय भारतीय समाज में बहुत पहले से मौजूद थी।

जीवन जीने का आदर्श तरीका

हालांकि गांधीजी की जीवनशैली को आज के वेल्थनेस ट्रेंड्स के साथ पूरी तरह जोड़ देना सही नहीं होगा। उनके लिए यह सिर्फ बेहतर स्वास्थ्य, मानसिक शांति या व्यक्तिगत उत्पादकता का साधन नहीं थी। उनके लिए इसका रिश्ता अहिंसा, स्वदेशी, आत्मसंयम और सामाजिक जिम्मेदारी से भी था। उनका भोजन उनके नैतिक विचारों से जुड़ा था और उनका जीवन उनके सामाजिक-राजनीतिक विचारों से। यही वह फर्क है, जिसे समझना जरूरी है। आज मिनिमलिज्म कई बार व्यक्तिगत सुविधा और बेहतर जीवन के फॉर्मूले के रूप में सामने आता है। गांधीजी की सोच का दायरा उससे कहीं बड़ा था। वह व्यक्ति से शुरू होकर समाज और अंततः आत्मा तक जाती थी।

फिर भी आज के इन तमाम चलनों में गांधीजी के जीवन की एक पुरानी छाया जरूर दिखाई देती है। फर्क बस इतना है कि आज हम अपनी आदतों को एप में दर्ज करते हैं, स्क्रीन टाइम नापते हैं, डिटॉक्स चैलेंज लेते हैं और मिनिमलिज्म पर किताबें पढ़ते हैं। गांधीजी ने इनमें से किसी चीज को नाम नहीं दिया। उन्होंने बस उन्हें जिया। शायद यही इस पूरी कहानी का सबसे दिलचस्प पहलू है। गांधीजी ने अपना उदाहरण प्रस्तुत कर ऐसी जीवनशैली अपनाई, जो आज भी हम सबके लिए आदर्श बनी हुई है। यही उनके व्यक्तित्व और जीवनशैली की विराटता है, जो उन्हें महापुरुष बनाती है। *

आजकल हर दूसरे, तीसरे इंस्टाग्राम रील में कोई न कोई 'डिजिटल डिटॉक्स चैलेंज' लेकर बैठा दिखाई देता है। कोई सात दिन फोन से दूर रहने का दावा करता है, तो कोई 'स्लो लिविंग' के

नाम पर सुबह की चाय भी कैमरे के सामने धीरे-धीरे पीता नजर आता है। मिनिमलिज्म अब जीवनशैली का एक लोकप्रिय चलन है। इससे संबंधित किताबें मिल जाती हैं, यू-ट्यूब चैनल हैं और बाकायदा कोच भी हैं। लेकिन दिलचस्प बात यह है कि जिस जीवन-पद्धति को आज अकसर पश्चिमी दुनिया से आए नए चलन की तरह देखा जाता है, उसकी जड़ें हमारे अपने यहां बहुत पहले से मौजूद थीं। दशकों पहले महात्मा गांधी ने अपने जीवन के द्वारा इसकी मिसाल कायम कर दी थी।

खान-पान में आत्मनुशासन

इतिहास महात्मा गांधी को मुख्यतः एक राजनीतिक व्यक्तित्व के रूप में याद करता है, लेकिन उनका जीवन अपने आप में लगातार चलने वाला एक प्रयोग भी था। यह प्रयोग उनके शरीर, भोजन, पहनावे, काम करने के तरीके और रोजमर्रा की जरूरतों तक फैला हुआ था। गांधीजी का मानना था कि जिसे हम जरूरत समझते हैं, उसका एक बड़ा हिस्सा दरअसल, हमारी आदत, इच्छा या सुविधा होती है। इसलिए उन्होंने अपने जीवन में बार-बार यह परखने की कोशिश की कि कम से कम मैं भी जीवन को संतुलित और सार्थक कैसे रखा जा सकता है? उनका खान-पान इसी सोच का हिस्सा था। बकरी का दूध, फल, उबली सब्जियां और सादा भोजन उनके प्रयोगों में शामिल रहे। उन्होंने अलग-अलग समय पर नमक, घी और कई दूसरी चीजों को छोड़कर भी देखा। भोजन उनके लिए सिर्फ स्वाद या शरीर की जरूरत भर

और सीमित चीजों में व्यवस्थित जीवन तलाश रहे हैं। गांधीजी ने इस विचार को किसी ट्रेंड या बाजार की भाषा के बिना अपने जीवन में उतारा था।

दुनियादारी से दूरी से मिले सुकून

डिजिटल डिटॉक्स की बात करें तो गांधीजी का मौन-व्रत भी याद आता है। वह सप्ताह में एक दिन मौन रखते थे। उस दिन बातचीत से दूरी बनाकर वह लिखकर या संकेतों के जरिए अपना काम चलाते थे। यह सिर्फ बोलना बंद कर देना नहीं था। मौन उनके लिए आत्मचिंतन का अवसर था। आज हम लगातार बजती सूचनाओं, संदेशों और स्क्रीन से थोड़ी दूरी बनाने के लिए डिजिटल डिटॉक्स करते हैं। कुछ घंटों के लिए फोन बंद करते हैं और उम्मीद करते हैं कि दिमाग को थोड़ा सुकून मिलेगा। गांधीजी के समय में फोन या सोशल मीडिया नहीं हुआ करता था, लेकिन बाहरी शोर से दूरी और भीतर की आवाज सुनने की जरूरत तब भी उतनी ही थी।



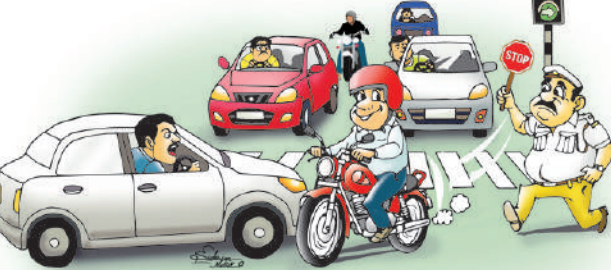
कविता
हेमधर शर्मा

मृग-मरीचिका

क्यों अक्सर ऐसा होता है जो पास हमारे होता है वह उतना ख़ास नहीं लगता जितना महसूस चले जाने पर होता है! जब नहीं अधिक सुविधाएं थीं तो कष्ट-असुविधा भरी जिंदगी लगती थी पर सुविधा बढ़ जाने पर भी क्यों समय सुहाना वही पुराना लगता है! कट जाए उम्र सुख-सुविधा में हम यही कामना करते हैं संघर्षहीन जीवन का फिर क्यों अंत निरर्थक लगता है!

सबसे आगे रहने का जुनून

एंगुलेस सायरन बजाती हुई निकले तो बाइक-वीर इसे रास्ता देने का संकेत नहीं, दौड़ की चुनौती समझता है। वह घायल से पहले अस्पताल पहुंचना चाहता है।



मिलेंगे। मुफ्त में जहर बंट रहा हो तो भी चिंता जहर की नहीं होगी। उर यह रहेगा कि हमारे पहुंचने से पहले समाप्त न हो जाए। अपने ओपीडी में भी मैं इस सामाजिक चित्र का क्लिनिकल परीक्षण करता रहता हूं। दो महीने पुराना फ्रैक्चर, पहले दिखाने के चक्कर में, अभी-अभी टूटा बताया जाता है। कोई नेताजी का फोन लगवाता है, कोई डॉक्टर का भाई, भतीजा या रिश्तेदार बन जाता है। बीमारी प्रतीक्षा कर सकती है, नंबर नहीं।

एक दिन वेंटिंग रूम में एक मरीज बैठा था। रिसपेन्सिस्ट ने कहा, 'आप अकेले हैं, दिखा लीजिए।' वह बोला, 'थोड़ी देर और बैठता हूं। जब तक दूसरा मरीज आ जाएगा नहीं, प्रमाणित कैसे होगा कि डॉक्टर को सबसे पहले मैंने दिखाया? विजय के लिए प्रतिद्वंद्वी भी तो चाहिए।'

रेलवे प्लेटफॉर्म पर ट्रेन रुकने से पहले हमारा उतरना और चढ़ना शुरू हो जाता है।

भीतर वाला बाहर आने को बैचैन, बाहर वाला भीतर जाने को आतुर, दरवाजे पर दोनों पहले मैं-पहले मैं की 'तू-तू मैं-मैं' में भिड़ते हैं। कभी जेब कटती है, कभी कुर्ता फटता है, कभी सामान छूटता है और कभी बच्चा।

हवाई यात्रा में भी हम बोर्डिंग से घंटा भर पहले पंक्ति बना लेते हैं, मानो विमान हमारे बिना चोरी से उड़ जाएगा। उतरते समय सीट-बेल्ट का संकेत बंद होते ही पूरा केबिन खड़ा हो जाता है।

फिर गर्दन झुकाकर दस मिनट खड़े रहना मंजूर है, क्योंकि बैठे रह गए तो एयरहोस्टेस को 'बाय-बाय' किसी और को पहले मिल जाएगी। टिकट का पूरा मूल्य इसी विदाई में वसूलना है।

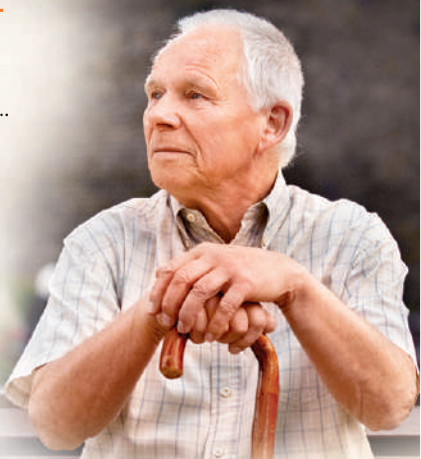
बैंक, राशन, वॉशरूम, आरक्षण-खिड़की और मंदिर, हर जगह हमारी आत्मा करता से आगे विचरण करती है। मंदिर में भगवान सर्वव्यापी हो सकते हैं, लेकिन दर्शन तभी सफल है, जब बैरिकेड लांचकर दूसरों से पहले किए जाएं।

यहां तक कि शवयात्रा में भी कुछ लोग अर्थी से आगे निकलने को बैचैन दिखते हैं। मृतक बोल पाता तो शायद उठकर कहता, 'भाई, तुझे इतनी जल्दी है तो तू ही यहां लोटा जा, मैं अगली बारी देख लूंगा।' संभव है सज्जन अग्रिम बुकिंग, लकड़ियों पर छूट या मोक्ष में शुरुआती नंबर की संभावना तलाश रहे हों।

दरअसल, दूसरे नंबर पर आते ही हमें हारने का अहसास होने लगता है। *

विशेष: अंतरराष्ट्रीय बुजुर्ग दिवस 1 अक्टूबर

बुजुर्गवस्था में लोगों को अनेक तरह की शारीरिक, मानसिक, सामाजिक और भावनात्मक चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। इनके समाधान के लिए जीवंतता के साथ कुछ उपायों पर अमल करना कारगर हो सकता है।



ढलती उम्र की चुनौतियां जीवंतता से होगा समाधान

जीवनशैली / शिखर चंद जैन

पचपन-साठ वर्ष की आयु पार करना मानव जीवन का एक महत्वपूर्ण और संवेदनशील पड़ाव होता है। वृद्धावस्था में कदम बढ़ाते इस चरण में शारीरिक क्षमता में कमी, मानसिक और भावनात्मक उतार-चढ़ाव, आर्थिक अनिश्चितता तथा सामाजिक स्थितियों में बदलाव जैसी कई चुनौतियां एक साथ सामने आती हैं। इस दौरान शरीर और समाज दोनों के स्तर पर हमारी भूमिकाएं भी बदलती हैं। इस उम्र में शारीरिक सक्रियता भी पहले से कम होने लगती है। इन बदलावों के कारण व्यक्ति को एक साथ कई मोर्चों पर संघर्ष करना पड़ता है। वैज्ञानिक अध्ययनों के अनुसार, इन समस्याओं का समाधान संतुलित जीवनशैली और सकारात्मक उपायों से संभव है। आधुनिक चिकित्सा विज्ञान और समाजशास्त्र के अनुसार, इस आयु वर्ग को 'सक्रिय वृद्धावस्था' की तैयारी के रूप में देखा जाना चाहिए।

शारीरिक समस्याएं-समाधान: इस उम्र के पुरुषों में एंजोजन और महिलाओं में मेनोपॉज के कारण एस्ट्रोजन का स्तर तेजी से गिरता है। इससे मेटाबोलिज्म धीमा होता है और वजन बढ़ने के साथ मांसपेशियों का घटने और हड्डियों के कमजोर होने जैसी समस्याएं होती हैं। साथ ही क्रोनिक बीमारियां जैसे उच्च रक्तचाप, मधुमेह, जोड़ों का दर्द और हृदय संबंधी रोगों का जोखिम भी बढ़ता है।

'अमेरिकन कॉलेज ऑफ स्पोर्ट्स मेडिसिन' के अनुसार, सप्ताह में 2-3 बार हल्का वजन उठाना या बॉडीवेट एक्सरसाइज करने से हड्डियों का घनत्व बढ़ता है और मांसपेशियों का नुकसान रुकता है। भोजन में प्रोटीन, कैल्शियम और विटामिन डी-3 की मात्रा बढ़ाएं। कार्बोहाइड्रेट कम करें और एंटी-ऑक्सीडेंट से भरपूर 'मेडिटरेनियन डाइट' यानी साबुत अनाज, फल, सब्जियां अपनाएं। प्रतिवर्ष लिपिड प्रोफाइल, एचबीएएस1, बोन डेंसिटी टेस्ट और कैन्सर स्क्रीनिंग अनिवार्य रूप से कराएं। मानसिक समस्याएं-समाधान: इस उम्र में याददाश्त का कमजोर होना, ध्यान केंद्रित करने में कठिनाई और न्यूरोडीजेनेरेटिव विकारों जैसे अल्जाइमर या डिमेंशिया का जोखिम होता है। मॉसपेथिऑन की प्लैटिफेसिटी में कमी आने लगती है। नई तकनीक या बदलावों को सीखने में मानसिक प्रतिरोध का सामना करना पड़ता है।

न्यूरो साइंस कहता है कि दिमाग को नई चुनौतियों में लगाने से नए न्यूरोन्स बनते हैं। इसके लिए कोई नई भाषा सीखें, वाद्य यंत्र बजाएं या जटिल पहेलियां सुलझाएं। साथ ही रोज पर्याप्त क्वालिटी स्लीप लें।

'स्लीप फाउंडेशन' के अनुसार, इस उम्र में मस्तिष्क से टॉक्सिंस जैसे अमाइलॉइड बीटा प्रोटीन को साफ करने के लिए 7-8 घंटे की गहरी नींद आवश्यक है। इसके लिए सोने का समय निश्चित करें और स्क्रीन टाइम कम करें। माइंडफुलनेस और मेडिटेशन का अभ्यास भी जरूरी है।

भावनात्मक समस्याएं-समाधान: इस उम्र में अधिकांश लोग एंटी नेस्ट सिंड्रोम से जुझते हैं। घर खाली-खाली लगता है, उदासी घेर लेती है। कभी उपेक्षा महसूस होती है, कभी बच्चों की याद सताती है। इस स्थिति में उम्र बढ़ने का डर, मृत्यु की चिंता या अतीत के पछतावे के कारण डिप्रेशन और स्ट्रेस बढ़ने लगता है। ऐसी स्थिति में कॉग्निटिव बिहेवियरल थेरेपी एक प्रमाणित मनोवैज्ञानिक पद्धति है, जो नकारात्मक विचार चक्रों को तोड़ने में मदद करती है। समस्या ज्यादा हो तो किसी योग्य थेरेपिस्ट की मदद लें। डायरी या जर्नल लिखने की आदत डालें। पॉजिटिव साइकोलॉजी के अनुसार, रोज रात को तीन अच्छी बातें लिखने से डोपामाइन और सेरोटोनिन नामक हैप्पी हार्मोन्स का स्तर बढ़ता है। इसके अलावा जापानी अवधारणा 'इकिगाई' अपना सकते हैं।

वैज्ञानिक अध्ययनों से पता चलता है कि जिन लोगों के पास सुबह उठने का एक स्पष्ट उद्देश्य जैसे कोई हॉबी, बागवानी या समाज सेवा होता है, उनका जीवनकाल लंबा होता है और मन शांत रहता है।

सामाजिक समस्याएं-समाधान: हार्वर्ड के 85 साल लंबे चले एक अध्ययन ने साबित किया कि स्वस्थ और खुशहाल जीवन का सबसे बड़ा कारक अच्छे रिश्ते हैं, न कि पैसा या प्रसिद्धि। जबकि उम्र के इस दौर में व्यस्तता में कमी है, अकसर शारीरिक कठों या अन्य कारणों से सहयोगियों, समकालीन मित्रों या प्रियजनों से न मिल पाने से सामाजिक दायरा सिकुड़ने लगता है। जेनेरेशन गैप के कारण वे उपक्षित महसूस करते हैं। बेहतर होगा कि आप स्थानीय क्लबों, सामाजिक संस्थाओं, एनजीओ या धार्मिक समूहों से जुड़ें। स्वेच्छिक सेवा करने से शरीर में ऑक्सीटोसिन हार्मोन रिलीज होता है, जो सामाजिक जुड़ाव बढ़ाता है। साथ ही आधुनिक सोशल मीडिया टूल्स, वीडियो कॉलिंग एप्स और ऑनलाइन कम्युनिटीज को सीखें ताकि दूर रहने वाले परिवार और दोस्तों से लगातार जुड़े रह सकें। अंत नहीं दूसरी पारी: आपकी समझना होगा कि ओल्डएज जीवन का अंत नहीं, बल्कि 'सेकेंड इनिंग' है। इस चरण में आने वाली समस्याओं से उठने के बजाय अनुशासित, जागरूक दृष्टिकोण अपनाएं। * (जनरल फिजीशियन डॉ. एल. सी. राठी, मनोविज्ञानी डॉ. आंचल मुरारका, डाइटिशियन पिंकी गोयल से बातचीत पर आधारित)



इंजेक्शन की नवीन तकनीक से स्पाइन रोगों का उपचार

नोट : वरिष्ठ नागरिकों (60 वर्ष के ऊपर) का उपचार मात्र 12 हजार रुपये में

सर्जरी के बिना ही सिर्फ इंजेक्शन तकनीक के जरिये स्पाइन (रीढ़) रोगों का बेहतर और विश्वसनीय उपचार ग्वालियर में हो रहा है इस तकनीक के असाधारण लाभ-



केन्द्रीय मंत्री श्रीमंत ज्योतिरादित्य सिंधिया जी से स्पाइन के क्षेत्र में विशेष योगदान के लिए डॉ. प्रमोद पहारिया अवार्ड प्राप्त करते हुए।

स्टेनोसिस, स्पाण्डि-लाइटिस आदि में कारगर है।

जो रोगी ऑपरेशन करवा चुके हैं उसमें भी यह कारगर है ?

यदि ऑपरेशन के बाद दबाव बना रहता या दोबारा दबाव आ जाता है तो उसमें भी यह तकनीकी कारगर है।

इस ट्रीटमेंट की कितनी बार आवश्यकता होती है ?

सिर्फ एक ही बार पर्याप्त है।

सर्जरी की अपेक्षा इस तकनीक के क्या फायदे हैं ?

सर्जरी के बाद पैरालिसिस, पैलाप्लेजिया, ब्लैडर एंव बोवेल के कंट्रोल में क्षति, पैरों में कमजोरी, इंफेक्शन, इंट्राट फैलियर जैसे कॉम्प्लिकेशन इसमें नहीं है।

किन मरीजों का इलाज इस तकनीक से संभव है ?

डिस्क प्रोलेप्स जैसे L4-L5, L5-S1, साइटिका, लंबर या सर्वाइकल रेडीक्युलोपैथी, डिजनरेटिव डिस्क, फेसिट जॉइन्ट सिंड्रोम, माइलोपैथी, लंबर कैनाल

किस उम्र के लिये यह चिकित्सा है ?

15 से 85 वर्ष के मरीजों के लिये।

कितने समय में रोगी घर जा सकता है ?

एक घण्टे बाद ही घर जा सकता है। जबकि सर्जरी में 3 माह तक रोगी को अपने काम से अलग रहकर आर्थिक क्षति उठाना पड़ती है।

इस ट्रीटमेंट की सफलता की दर कितनी है ?

90 से 95% सफल है।

इसमें जटिल का असर कब तक रहता है ?

क्या यह स्टैण्डर्ड इंजेक्शन है ?

नहीं, यह एक भ्रम है। यह एक सेफ अमेरिकन प्रोसीजर है, जो एक विशेष

मशीन की निगरानी में किया जाता है।

डॉ. प्रमोद पहारिया

स्पाइन सर्जन

ओल्ड श्री टॉकीज, बारादरी, मुरार, ग्वालियर (म.प्र.)

समय : दोपहर 12 बजे से 3 बजे तक

क्लाट्सपर पर रिपोर्ट भेजकर ही संपर्क करें

सम्पर्क — 7354858466



बरवाल की ऐतिहासिक जीत, मैराथन में 44 साल के सूखे को किया खत्म



एजेसी ►► नागोया

सावन बरवाल ने एशियाई खेलों में पुरुषों की मैराथन फाइनल में अपना सर्वश्रेष्ठ समय निकालकर अप्रत्याशित रजत पदक जीता, जो इस स्पर्धा 44 साल बाद भारत का पहला पदक है। भारत ने पिछली बार मैराथन में पदक 1982 के एशियाई खेलों में जीता था। सेना के 28 वर्ष के खिलाड़ी बरवाल ने 2 घंटे 11 मिनट 37 सेकंड में 42.195 किलोमीटर की मैराथन पूरी की।

वह स्वर्ण पदक जीतने वाले जापान के इचिताका यामाशिता से 48 सेकंड पीछे रहे, जिन्होंने दो घंटे 10 मिनट 49 सेकंड का समय निकाला। चीन के पेइयू फंग 2 घंटे 12 मिनट 13 सेकंड के समय के साथ तीसरे स्थान पर रहे।

एशियाई खेलों में मैराथन में इससे पहले 1982 में दिल्ली में होसुर कुक्काप्पा सीतारन ने भारत को कांस्य पदक दिलाया था। बरवाल एशियाई खेलों में मैराथन में पदक जीतने वाले चौथे भारतीय भी बन गए।

1951 में छोटा सिंह ने जीता था स्वर्ण

दिल्ली में 1951 में पहले एशियाई खेलों में छोटा सिंह ने स्वर्ण और सुरत सिंह माथुर ने कांस्य पदक जीता था। बरवाल ने 5000 मीटर, 10000 मीटर और हाफ मैराथन दौड़ने के बाद इसी साल मैराथन में पदार्पण किया। अप्रैल में बरवाल ने रॉटरडम में एनएन मैराथन में शिवनाथ सिंह का 48 साल पुराना दो घंटे 11 मिनट 58 सेकंड का राष्ट्रीय रिकॉर्ड तोड़ा था।

मेरा लक्ष्य पदक जीतना था : बरवाल

बरवाल ने रेस के बाद कहा, 'मेरा लक्ष्य पदक जीतना था, अपना रिकॉर्ड बेहतर करना नहीं। लेकिन यह भी राष्ट्रीय रिकॉर्ड है। मुझे खुशी है कि इतने लंबे समय बाद देश के लिए पदक जीत सका। बरवाल आधी रेस पूरी होने तक दूसरे स्थान पर चले गए थे। उन्होंने कहा,

मेरा लक्ष्य 39.40 किलोमीटर तक पहले गुप में रहना था। मैं पहले गुप में रहा और आखिरी एक दो किलोमीटर में फिनिश करने का फैसला किया। आखिर में 38.37 किलोमीटर में तीन ही रनर थे। मैंने एक सी रफ्तार बनाये रखने की कोशिश की।

महिला टीम को राइफल थी पोजिशंस में रजत



नागोया। भारत की तिलोत्तमा सेन, विदर्सा विजोद और आशी चौकशी की तिकड़ी ने शनिवार को महिलाओं की 50 मीटर राइफल थी पोजिशंस में रजत पदक जीता और तिलोत्तमा व्यक्तिगत स्पर्धा में चौथे स्थान पर रही। भारतीय टीम ने 1763 अंक बनाकर दूसरा स्थान हासिल किया। चीन ने 1773 अंक लेकर खेलों के रिकॉर्ड के साथ स्वर्ण

पदक जीता जबकि कजाखस्तान को कांस्य पदक मिला। व्यक्तिगत फाइनल में तिलोत्तमा ने अहम मौके पर 9.4 स्कोर किया, जिससे पदक करीब से हाथ से निकल गया। विदर्सा 327.4 अंक लेकर पांचवें स्थान पर रही। तिलोत्तमा फाइनल में पहले 25 शॉट के बाद आगे चल रही थी और 30 शॉट के बाद तीसरे स्थान पर खिसक गई।

बैडमिंटन : क्वार्टर फाइनल में उन्नति, आरुष और लक्ष्य बाहर



वर्षीय खिलाड़ी ने दुनिया की छठे नंबर की इंडोनेशियाई खिलाड़ी पुत्री कुसुमा वारदानी पर 21-19, 21-13 की शानदार जीत दर्ज की और जापान की अकाने यामागुची के खिलाफ क्वार्टरफाइनल मुकाबला तय किया।

युवा शटलर उन्नति हुड्डा ने शानदार प्रदर्शन करते हुए दो बेहतरीन जीत दर्ज कीं और महिला एकल के क्वार्टरफाइनल में जगह बनाई जबकि लक्ष्य सेन और आरुष शेटी शनिवार को एशियाई खेलों से बाहर हो गए। उन्नति ने मलेशिया की लिंग विंग वोग को 21-14, 20-22, 21-19 से हराकर तीसरे दौर में प्रवेश किया।

क्वार्टर फाइनल में कपिल और प्रिया



मुक्तेबाज कपिल पोखरिया (90 किग्रा) और प्रिया घांस (60 किग्रा) ने शनिवार को शानदार प्रदर्शन करते हुए क्वार्टरफाइनल में प्रवेश किया लेकिन जादूमणि सिंह (55 किग्रा) का सफर समाप्त हो गया। उत्तराखंड के कपिल ने इरान के सैम एस्ताकी पर 5-0 की जीत दर्ज कर अंतिम आठ में जगह बनाई। प्रिया ने कोरियाई ओह यिआंजी पर सर्वसम्मत 5-0 की जीत दर्ज कर क्वार्टरफाइनल में प्रवेश किया।

जादूमणि पुरुषों के 55 किग्रा वर्ग में फिलीपींस के तोक्यो ओलिंपिक रजत पदक विजेता कार्लो पालाम से 0-3 से हार गए। पोखरिया ने शुरू ही से दबाव बनाकर पहले दौर में 4-1 की बढ़त बना ली। अपने दमदार पंच की मदद से उन्होंने लंबे कद के एस्ताकी को खुलकर खेलने नहीं दिया।

पुरुष हॉकी : जापान को हराकर सेमीफाइनल में टीम इंडिया



काकाभिगाहाआ। नत चैंपियन भारत ने शनिवार को पूल ए के कड़े मुकाबले में मेजबान जापान को 2-0 से हराकर एशियाई खेलों की पुरुष हॉकी प्रतियोगिता के सेमीफाइनल में प्रवेश किया। भारत ने इससे पहले अपने शुरुआती तीन पूल मुकाबलों में इंडोनेशिया को 13-1, श्रीलंका को 16-1 और दक्षिण कोरिया को 8-2 से करारी शिकस्त दी थी। यह भारत की लगातार चौथी जीत थी, जिससे उनका अजेय अभियान जारी रहा।

खबर संक्षेप



दौड़ : प्राची ने 400 मीटर में जीता कांस्य

नागोया। प्राची चौधरी ने महिला 400 मीटर दौड़ के फाइनल में 53.21 सेकंड का समय निकालकर कांस्य पदक अपने नाम किया। बहरीन की सलवा नासरे ने 49.20 सेकंड के इन खेलों के रिकॉर्ड समय के साथ स्वर्ण पदक जीता। ईरान की जहरा जारेई मनौजान ने 52.38 सेकंड के समय के साथ रजत पदक हासिल किया। फाइनल में शामिल एक अन्य भारतीय धाविका किरण पहल 53.41 सेकंड के समय के साथ पांचवें स्थान पर रही। प्राची ने अब अपना ध्यान चार गुणा 400 मीटर रिले पर केंद्रित कर लिया है। उन्होंने कहा कि व्यक्तिगत स्पर्धा में पदक जीतकर उन्होंने अपनी क्षमता साबित कर दी है। उन्होंने कहा, 'यह पदक मेरे लिए बेहद खास है क्योंकि लोग लगातार मुझसे कहते रहे हैं कि मैं केवल रिले स्पर्धाओं में ही पदक जीत सकती हूँ। आज मैंने साबित कर दिया है कि मैं व्यक्तिगत 400 मीटर स्पर्धा में भी पदक जीत सकती हूँ, और वह भी एशियाई खेलों में।

कोहली 2027 में खेलेंगे आखिरी विश्व कप, रोहित का आया रिक्शन

एजेसी ►► तिरुवनंतपुरम

दिग्गज भारतीय बल्लेबाज विराट कोहली ने कहा है कि अगले साल होने वाला वनडे विश्व कप भारत के लिए उनका आखिरी विश्व कप होगा, जिसमें खिताब जीतने के लक्ष्य को पूरा करने के लिए वह अपना सब कुछ ड्रॉक देंगे। 37 साल के कोहली अब सिर्फ एक प्रारूप में खेल रहे हैं। उन्होंने रविवार से वेस्टइंडीज के खिलाफ शुरू होने वाली वनडे श्रृंखला से पहले अपने भविष्य को लेकर यह बात कही। अगले साल का विश्व कप दक्षिण अफ्रीका, जिम्बाब्वे और नामीबिया की संयुक्त मेजबानी में खेला जाएगा।

निश्चित रूप से विश्व कप जीतना लक्ष्य : विराट

कोहली ने कहा, 'मेरे लिए यह भारत की ओर से खेला जाने वाला आखिरी विश्व कप होगा और यही मेरी प्रेरणा है। मैं अपना सब कुछ ड्रॉक देना चाहता हूँ। निश्चित रूप से लक्ष्य विश्व कप जीतना है और इसके लिए जो भी करना पड़ेगा, मैं उसके लिए पूरी तरह तैयार हूँ।'

भारत का तीरंदाजी में शानदार आगाज

एजेसी ►► ओकाजाकी सिटी

धीरज बोम्मादेवरा ने पुरुष रिकर्व और चीकित्ता तनिपर्थी ने महिला



कंपाउंड व्यक्तिगत क्वालीफिकेशन में शीर्ष स्थान हासिल करने की बदौलत भारत ने शनिवार को एशियाई खेलों की तीरंदाजी प्रतियोगिता में कंपाउंड मिश्रित टीम क्वालीफिकेशन में भी शीर्ष स्थान हासिल किया। हाल ही में विश्व कप

फाइनल जीतने वाले विश्व रैंकिंग में चौथे स्थान पर काबिज धीरज ने पुरुष रिकर्व क्वालीफिकेशन में 698 अंक जुटाकर नया एशियाई खेल क्वालीफिकेशन रिकॉर्ड बनाया। उन्होंने पहले 36 प्रयास में में 348 और अगले 36 तीरों में 350 अंक हासिल किए। इससे पहले यह रिकॉर्ड दक्षिण कोरिया के ली वू सियोग के नाम था, जिन्होंने 690 अंक बनाए थे। सियोग इस बार 690 अंक के साथ चौथे स्थान पर रहे। दक्षिण कोरिया के किम जे दियोग 693 अंक के साथ दूसरे और चीनी ताईपे के चिन हुन तांग 692 अंक के साथ तीसरे स्थान पर रहे।

आज से वेस्टइंडीज के खिलाफ वनडे सीरीज



एजेसी ►► नई दिल्ली

एशियन गेम्स में पुरुष क्रिकेट के लीग मुकाबले समाप्त हो गए हैं। मलेशिया और ओमान के बीच ग्रुप बी का मुकाबला बारिश की वजह से धुल जाने के साथ ही लीग मुकाबले खत्म हो गए।

लीग मुकाबलों के बाद अगला राउंड क्वार्टर फाइनल का है। चार क्वार्टर फाइनल मुकाबले होने हैं। क्वार्टर फाइनल का शेड्यूल सामने आ चुका है।



पहला क्वार्टर फाइनल 28 सितंबर को

पहला क्वार्टर फाइनल मुकाबला पाकिस्तान और हांगकांग, चाइना

के बीच 28 सितंबर को सुबह 5:30 बजे से खेला जाएगा। दूसरा क्वार्टर फाइनल मुकाबला भारत और अफगानिस्तान के बीच 28 सितंबर को सुबह 10:30 बजे से खेला जाएगा। तीसरा क्वार्टर फाइनल मुकाबला 29 सितंबर को सुबह 5:30 बजे से श्रीलंका और नेपाल के बीच खेला जाएगा। चौथा क्वार्टर फाइनल मुकाबला 29 सितंबर को सुबह 10:30 बजे से बांग्लादेश और मलेशिया के बीच खेला जाएगा।

दाएं पैर में इंजरी; मार्च में खेला था आखिरी इंटरनेशनल मुकाबला

हार्दिक फिर चोटिल, न्यूजीलैंड सीरीज से बाहर

एजेसी ►► नई दिल्ली

सीनियर हरफनमौला हार्दिक पंड्या को दाहिनी पिंडली में फिर चोट लग गई है, जिससे वह तीन सप्ताह के लिए प्रतिस्पर्धी क्रिकेट नहीं खेल सकेंगे और न्यूजीलैंड के सीमित ओवरों के दौरे से बाहर हो गए हैं।

पंड्या को 20 सितंबर को वापसी करनी थी और चयनकर्ताओं ने उन्हें आस्ट्रेलिया ए के खिलाफ 6 अक्टूबर से शुरू हो रही वनडे श्रृंखला में भारत ए टीम में चुना

तीन सप्ताह के लिए प्रतिस्पर्धी क्रिकेट नहीं खेलेंगे



था। बीसीसीआई के सूत्र ने बताया, 'यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि हार्दिक के ताजा स्केन में उनकी दाहिनी पिंडली में चोट का पता चला। उन्हें दो सप्ताह पूरी तरह से आराम की सलाह दी गई है। बीसीसीआई की मेडिकल पैनल के प्रमुख डॉक्टर दिनशा परदेवाला ने जापान से लौटकर उनकी रिपोर्ट देखी और वह तय करेंगे कि रिहैबिलिटेशन कब से शुरू हो सकता है।'

22 अक्टूबर को न्यूजीलैंड दौरा

न्यूजीलैंड दौरा 22 अक्टूबर को टी20 श्रृंखला से शुरू होगा, जिसके बाद वनडे श्रृंखला खेलनी है। तब तक हार्दिक की वापसी की संभावना नहीं है। समझा जाता है कि बीसीसीआई चाहता था कि हार्दिक टीम के साथ एशियाई खेलों में जाए और वीजा के लिए उनका पासपोर्ट भी लिया गया था। लेकिन अफगानिस्तान के खिलाफ टी20 श्रृंखला से ठीक पहले फॉरिडिंग अभ्यास के दौरान उनके घुटने में दर्द उठा। उन्होंने बैक लिया और फिटनेस सर्टिफिकेट हासिल करने ही वाले थे कि दर्द फिर उठ गया। स्केन में चोट का पता चला। वह आईपीएल के बाद से बैंगलुरु में है और अब बीसीसीआई के उत्कृष्टता केंद्र में अभ्यास कर रहे हैं।

क्रिकेट

वनडे विश्व कप जीतने के बाद महिला क्रिकेट आगे बढ़ा : शेफाली



एजेसी ►► नई दिल्ली

भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए एशियन गेम्स में गोल्ड मेडल अपने नाम किया। टीम को चैंपियन बनाने में शेफाली वर्मा ने अहम किरदार निभाया। शेफाली ने कहा कि वनडे विश्व कप जीतने के बाद से महिला क्रिकेट काफी आगे बढ़ा है। उन्होंने अपने उस मुश्किल समय को भी याद किया, जब वह टीम से बाहर चल रही थीं। शेफाली ने कहा, मुझे याद है जब हमने वनडे विश्व कप की ट्रॉफी जीती थी तो हमने उसे उठाया था। उसके बाद से भारतीय महिला क्रिकेट काफी आगे बढ़ा है। बोच में कई मुश्किलें भी आईं। हम कोशिश करेंगे कि आगे ऐसी मुश्किलें न आए और देश का नाम रोशन करें।

टीम से बाहर करना सबसे दुखद पल

शेफाली वर्मा ने उस समय को भी याद किया, जब वह भारतीय टीम से बाहर चल रही थीं। उन्होंने कहा, जब मुझे टीम से बाहर किया गया, तो वह मेरे क्रिकेट करियर का सबसे दुखद पल था। वह समय मेरे लिए बहुत मुश्किल था। टीम से बाहर रहने के दौरान मैंने कितनी मेहनत की, यह सिर्फ मुझे ही पता है। सबसे अच्छी बात यह रही कि मैंने सब कुछ स्वीकार कर लिया। हां, मैं टीम में नहीं हूँ, लेकिन मुझे कड़ी मेहनत करनी है और इस समय का सही इस्तेमाल करना है। मुझे यह साबित करना था कि मैं सबसे अच्छी हूँ। मैं अपने देश और अपनी टीम के लिए सबसे अच्छी हूँ।

परिवार ही हमारे लिए सब कुछ

भारतीय सलामी बल्लेबाज ने आगे कहा, इसी कारण मैंने इसके लिए बहुत मेहनत की। मैंने अपनी मानसिक सेहत, रिकल्स और फिटनेस पर काम किया। मुझे खुशी है कि उस समय मैंने सही फैसले लिए और खुद पर काम किया। मैंने खुद को किसी भी बुरी घटना या बातों का सामना नहीं करने दिया। मुझे लगता है कि आखिर में परिवार ही हमारे लिए सब कुछ है। जिस तरह से उन्होंने उस समय मेरा साथ दिया, उसके लिए उनका शुक्रिया। फिर जब हमने वनडे वर्ल्ड कप जीता, तो खुशी के आंसू आ गए।



कठिन समस्याएं अब न होंगी

क्यूँकि सच्ची सहेली में हैं **67** खास आयुर्वेदिक जड़ी-बूटियां जो मुश्किल तकलीफों को अंदर से ठीक करने में मदद करें।
24x7 Helpline: 77106 44444 • www.sachisaheli.in



67 दुर्लभ प्राकृतिक जड़ी-बूटियों से बना ‘सच्ची सहेली’ आयुर्वेदिक टॉनिक एवं टेबलेट्स

Helps in:

कठिन दर्द

चिड़चिड़ापन

थकान

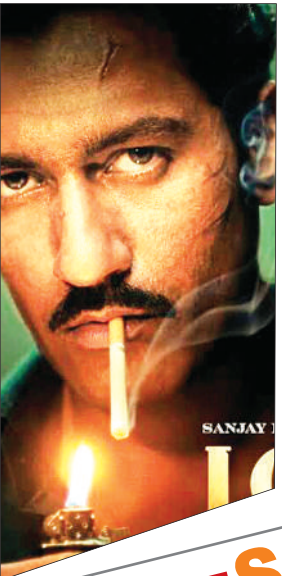
कमजोरी

कमर कटना

इम्यूनिटी



सच्ची सहेली



‘लव एंड वॉर’ से विक्की कौशल का धांसू अवतार

मुंबई। रणबीर कपूर और आलिया भट्ट के पहले पोस्टर जारी होने के बाद अब संजय लीला भंसाली की आगामी फिल्म ‘लव एंड वॉर’ से विक्की कौशल का पहली झलक भी सामने आ गई है। इस पीरियड वॉर ड्रामा का निर्देशन संजय लीला भंसाली कर रहे हैं। फिल्म

‘गंगूबाई काठियावाड़ी’ के बाद ये भंसाली की बतौर निर्देशक अगली बड़ी फिल्म है, जिसकी वजह से इसे साल 2027 की सबसे चर्चित और बहुप्रतीक्षित फिल्मों में से एक माना जा रहा है। विक्की के फस्ट-लुक पोस्टर में वो दाएं हाथ में लाइटर पकड़े नजर आ रहे हैं।



आलिया

संजय की फिल्म में दिखा धाकड़ अंदाज

एजेंसी ►► मुंबई

स्लिट स्कर्ट और हेडपीस के साथ उनका यह अंदाज फैस को उनका एक नया, आत्मविश्वासी रूप दिखा रहा है। इस बहुचर्चित फिल्म में रणबीर कपूर और विक्की कौशल भी उनके साथ नजर आएंगे। ‘लव एंड वॉर’ दुनिया भर में 21 जनवरी, 2027 को रिलीज होगी और यह हिंदी, तमिल और तेलुगु में सिनेमाघरों में उतरेगी। संजय इस बार दर्शकों को कुछ नया दिखाने का वादा कर रहे हैं। फिल्म में एक ऐसी नई सेटिंग और विजुअल वर्ल्ड होगा, जो उनकी पिछली फिल्मों से काफी अलग होगी। फिल्म के जो पोस्टर अब तक ऑनलाइन आए हैं, उन्होंने पहले ही खूब सुर्खियां बटोरी हैं, जिससे सितारों से सजी इस फिल्म को लेकर दर्शकों में उत्साह तेजी से बढ़ रहा है। फिल्म ‘लव एंड वॉर’ से जुड़ा एक वीडियो इन दिनों खूब वायरल हो रहा है। इसमें आलिया भट्ट कैबरे आउटफिट में डांस करती दिख रही हैं। यह वीडियो ऐसे समय में सामने आया है जब कुछ समय पहले ही फिल्म आलिया के कैरेक्टर पोस्टर भी रिलीज हुए। इन पोस्टरों के बाद अब यह क्लिप दर्शकों को फिल्म के संगीत और उसके माहौल को लेकर और ज्यादा उत्सुक कर रहा है।



हॉलीवुड मसाला

टेलर के ‘क्लीवलैंड’ ने जीता दिल

लॉस एंजिल्स। टेलर सितफ ने अपने नए एल्बम एक्सेशन ‘द लाइफ ऑफ अ शोर्गल’ दे एक्कोर’ से हाल ही में ‘क्लीवलैंड’ नाम का एक गाना जारी किया है। यह गाना उनके पति टैविस केल्पी के गृह नगर क्लीवलैंड हार्वट्स, ओहियो को एक प्यारा सा सम्मान है। इसमें उनकी 3 जुलाई की शादी और क्लीवलैंड हार्वट्स का भी जिक्र मिलता है। टेलर ने इस हफ्ते की शुरुआत में ही इस एडिशन का एलान किया था, जिसमें ‘पेथेड ज़िरो’ जैसे कई नए गाने शामिल हैं। यह खबर ऐसे समय आई है जब टैविस ने क्लीवलैंड गार्जियंस बेस्बॉल टीम में कुछ हिस्सेदारी खरीदी है।



‘प्राइमटाइम’ के 7 सेकंड के सीन पर चली सेंसर की कैची

लॉस एंजिल्स। रॉबर्ट पैटिनसन की नई थ्रिलर फिल्म ‘प्राइमटाइम’ अब भारतीय सिनेमाघरों में आ गई है, लेकिन सेंसर बोर्ड ने इसमें कुछ बदलाव किए हैं। हालांकि, यह फिल्म सिर्फ वयस्कों के लिए बनी है, फिर भी इसे मंजूरी मिलने से पहले 7 सेकंड के नग्न दृश्यों को हटाना पड़ा, 2 अपशब्दों को ब्लॉक किया गया और एक शराब के बोर्ड को धुंधला करना पड़ा। इन बदलावों से कई ऑनलाइन दर्शक खुश नहीं हैं, खासकर तब जब ‘प्राइमटाइम’ फिल्म पहले से ही वयस्कों के लिए बनाई गई है। यह फिल्म पत्रकार क्रिस हैसन की कहानी बताती है, जो एक ऐसे शो में काम करते हैं, जो ऑनलाइन शिकारियों को पकड़ता है। इसमें वे अपराध की रीपोर्टिंग और मनोरंजन के बीच के मुश्किल संतुलन को समझने की कोशिश करते हैं। इस फिल्म में मेरिट वेवर और फोर्बे डिजर्स (जो अपनी पहली बड़ी फिल्म में नजर आ रही हैं) भी अहम भूमिकाओं में हैं।

टीवी मसाला



बिग बॉस 20’: कप्तानी टास्क में मिड़े यंग और काजी कोई और जीत ले गया बाजी

रायपुर। रियलिटी शो ‘बिग बॉस 20’ में घर का अगला कप्तान बनने के लिए प्रतिस्पर्धा शुरू हो चुकी है। हालांकि एपिसोड में, ऋति सिवारी, काजी तौकीर और उदित सिंह के बीच तीखी गोकझोंक हुई थी, जिसका असर अब तक कौशल मोंडिया पर देखने को मिल रहा है। अब कप्तानी टास्क को लेकर यंग डीएसए और काजी आपस में मिड़ गए हैं। इस दौरान काजी ने अपनी शर्ट उतार दी और गुरसे में यंग को हिंसा करने की चुनौती दे डाली।

कप्तानी टास्क ने फिर मचाया घर में बवाल : जियोहंटस्टार ने ‘बिग बॉस 20’ का ताजा प्रमो जारी किया है, जिसमें घरवालों को जोड़िया बनाकर एक-दूसरे को गेद पास करने के लिए कहा गया। प्रमो के अनुसार, यंग मौके से गेद को उठा लेते हैं और काजी उनसे उसे छीनने की कोशिश करते हैं। यंग कहते हैं कि उनके पैर में चोट लगी है। इसके बाद उनके बीच झगड़ा शुरू हो जाता है। काजी अपनी टी-शर्ट उतारकर उन्हें चुनौती देते हैं कि अगर वो सके तो मार के दिखाओ।

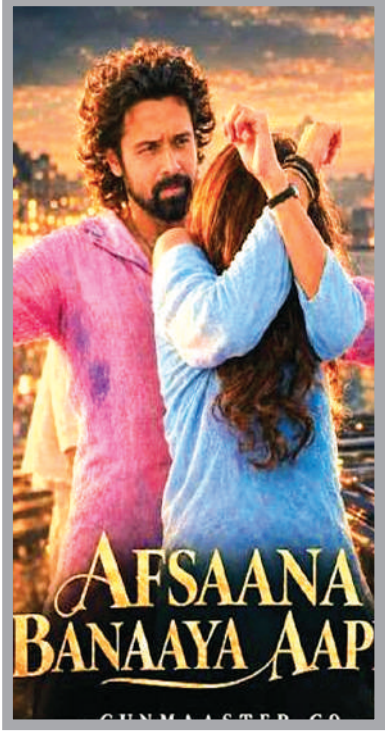
मेरी कॉम के हाथ लगी जीत की बाजी : खबरों के मुताबिक, बाकिंग चैंपियन मेरी कॉम ने कप्तानी टास्क जीता है और वह घर की नई कैप्टन बन गई हैं। हालांकि, निर्माताओं की ओर से अभी इसकी पुष्टि नहीं की गई है। फिलहाल, बिग बॉस का घर इस वक़्त 2 गुटों में बंटा हुआ दिख रहा है। एक तरफ यंग, आसिफ खान, स्काउट, आसमानी दुबे जैसे प्रतियोगियों का गुप है। दूसरी ओर, वह प्रतियोगी हैं जो काजी और माही गिल के साथ नजर आ रहे हैं।

‘क्योंकि सास...2’ में गुजराती बहुओं ने मनाई छठ पूजा



मुंबई। टीवी शो ‘क्योंकि सास भी कभी बहू थी’ अपने दूसरे सीजन के जरिए दर्शकों का भरपूर मनोरंजन कर रहा है। चूंकि शो गुजराती परिवार की कहानी पर आधारित है, इसलिए कवयित्री जैसे त्योहारों और परंपराओं को शो में बखूबी पेश किया जाता रहा है। हालांकि, पहली बार शो के इतिहास में कुछ अलग देखने को मिलेगा। दरअसल, आगामी एपिसोड में दर्शक ‘वीरली परिवार’ की बहुओं को ‘छठ पूजा’ मनावते देखेंगे। इसकी एक झलक सोशल मीडिया पर देखने को मिली है। शो में ‘नर्दिकी’ का किरदार निभा रही अभिनेत्री गौरी प्रधान ने अपने इंस्टाग्राम पर एक तस्वीर साझा की है, जिसमें उन्हें सह-कलाकारों प्रावी सिंह और रावी गुप्ता के साथ छठ का पर्व मनावते हुए दिखाया गया है। तस्वीर के साथ अभिनेत्री ने कैप्शन में लिखा, ‘मेरी पहली छठ पूजा’। गुलसी का किरदार निभा रही स्मृति ईरानी भी इस त्योहार को पूरी श्रद्धा के साथ मनाती हुई नजर आईं।

‘गनमास्टर जी-9’ से आया रोमांटिक गाना



मुंबई। इमरान हाशमी की आगामी फिल्म ‘गनमास्टर जी9’ का इंतजार उनके फैस बेसब्री से कर रहे हैं। आदित्य दत्त द्वारा निर्देशित और सोहम रॉकस्टार एंटरटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड के बैनर तले निर्मित, यह एक एक्शन थ्रिलर है, जिसमें उनके साथ जेनेलिया डिसूजा मुख्य किरदार में हैं। निर्माताओं ने फिल्म का पहला गाना ‘अफसाना बनाया आपने’ रिलीज कर दिया है, जिसने आते ही लोगों का ध्यान आकर्षित करना शुरू कर दिया है। यह गाना इमरान और हिमेश रेशमिया की वापसी का प्रतीक है। यूट्यूब पर ‘अफसाना बनाया आपने’ उसके वीडियो के साथ रिलीज किया गया है। यह गाना फिल्म में इमरान और जेनेलिया के बीच पनपते प्यार, जुनून और गहराई को दर्शाता है। इसका संगीत हिमेश ने तैयार किया है और उन्होंने ही बोल लिखकर उन्हें अपनी आवाज में गिरोया है। दूसरी आवाज गायिका असीस कौर की है। फिल्म में अपारशक्ति खुराना भी अहम किरदार में हैं और यह 27 नवंबर, 2026 को बड़े पर्दे पर देगी।

मुश्ताक खान की यादगार भूमिका वाली फिल्मों देखें ओटीटी पर...

मुंबई। बॉलीवुड के जाने-माने अभिनेता मुश्ताक खान का 24 सितंबर को 56 साल की उम्र में निधन हो गया। हिंदी फिल्मों और टेलीविजन में अपने अभिनय से पहचान बनाने वाले मुश्ताक ने कई फिल्मों में सहायक भूमिकाएं निभाईं। उनके कई किरदार आज भी दर्शकों को याद हैं। अभिनेता को श्रद्धांजलि देने के लिए आइए उनकी कुछ चर्चित फिल्मों पर नजर डालते हैं और जानते हैं कि इन फिल्मों को आप किस-किस ओटीटी प्लेटफॉर्म पर देख सकते हैं।

‘हेरा फेरी’ और ‘गदर: एक प्रेम कथा’ : ‘हेरा फेरी’ बॉलीवुड की सबसे पसंदीदा कॉमेडी फिल्मों में से एक है, जिसमें मुश्ताक के साथ अक्षय कुमार, सुनील शेट्टी और परेश रावल मुख्य भूमिकाओं में हैं। इस फिल्म को आप ओटीटी प्लेटफॉर्म प्राइम वीडियो पर देख सकते हैं। ‘गदर: एक प्रेम कथा’ में मुश्ताक के साथ सनी देओल और अमीषा पटेल दिखाई दिए थे।



बैद्यनाथ अर्जुनामृत (अर्जुनारिष्ट स्पेशल)

बढ़ती उम्र के लिए लाभदायक

विडंग, गोखरु व नागकेशर युक्त

सिध्दायु - बैद्यनाथ का भरोसा

मुफ्त वैद्यकीय सलाह के लिए संपर्क करें: 844 844 4935

बेटियों से है मुस्कान बेटियों से ही है ये जहान

International Daughter's Day

के इस मौके पर दिविसा हर्बल्ज प्रा. लि. आपको दे रही है Roop Mantra Apple Cider Detox (500ml) के एक पैक की खरीद पर एक पैक बिल्कुल फ्री



ऑफर केवल आज के लिए मान्य है

Terms & Conditions

1. दिए गए QR कोड को अपने मोबाईल से स्कैन करें या हमारी वेबसाइट www.divisastore.com पर जायें।
2. यह उपहार केवल उपभोक्ताओं के लिए है, यह सुरक्षित पैक होगा जिसे दुकानदार नहीं बेच पाएंगे।
3. *Shipping charges are free (PREPAID) inclusive of all taxes.
4. *As on 1+1 discount offer, Buy One unit of Roop Mantra Apple Cider Detox-500ml, worth M.R.P.: ₹325.00 get one pack absolutely free.
5. No Coupon Code required for this offer.
6. No return or replacement policy will be applicable for this offer.
7. All rights Reserved.

Payment Mode: 

24x7 Helpline: 87259 66666 | www.roopmantra.com | Available at all medical & general stores